राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

www. jagranmorchadaily@ gmail.com

आम जन का आधार

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 04 | अंक : 367 | लखनऊ | मंगलवार, 24 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य 05 रूपया

ग्रीन इन्वेस्टमेंट को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने सिंगापुर की जीएससी कंपनी के साथ की बैठक की

मुख्यमंत्री योगी का सिंगापुर दौरा : यूपी में आठ हजार करोड़ के निवेश कर 100 मेगावाट का डेटा सेंटर स्थापित करेगी जीएससी ग्रीन्स

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सिंगापुर दौरे के पहले दिन सोमवार को ही कई सफलताएं दर्ज की हैं। मुख्यमंत्री के साथ बैठक में सिंगापुर की वैश्विक निवेश कंपनी गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ग्रीन्स के निदेशक सुमित नंदा ने उत्तर प्रदेश में 100 मेगावाट के डेटा सेंटर की स्थापना के लिए आठ हजार करोड़ का निवेश करने की घोषणा की। बैठक में प्रदेश में हरित और सतत निवेश (ग्रीन एंड सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट्स) की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई और स्वच्छ ऊर्जा आधारित परियोजनाओं में सहयोग के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि भविष्य की आवश्यकताओं को केंद्र में रखते हुए इस बैठक में रूफटॉप सोलर परियोजनाओं, बैटरी स्टोरेज और ग्रिड सपोर्ट सॉल्यूशंस, ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्वच्छ ऊर्जा संचालित ग्रीन इंडस्ट्रियल पार्कों के विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही पर्यावरण संबंधित जरूरतों के लिए क्लाइमेट फाइनेंस, कार्बन उत्सर्जन में कमी और नवीकरणीय ऊर्जा संचालन से जुड़े कौशल विकास कार्यक्रमों पर भी बातचीत हुई। इन पहलों के माध्यम से रोजगार सृजन की संभावनाओं पर विशेष बल दिया गया। मुख्यमंत्री योगी ने बैठक में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक विकास मॉडल के प्रति प्रतिबद्ध है। प्रदेश में निवेश के अनुकूल नीतियां, सुदृढ़ औद्योगिक इकोसिस्टम और तेज निर्णय प्रक्रिया, हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेशकों के लिए आदर्श वातावरण प्रदान कर रही हैं। उन्होंने जीएससी ग्रीन्स को परियोजना विकास और निवेश के अन्य अवसरों का सक्रिय अन्वेषण करने का आमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक में सिंगापुर की वैश्विक निवेश कंपनी गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ग्रीन्स के निदेशक सुमित नंदा और उनकी टीम के अलावा उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी भी मौजूद थे।

सिंगापुर में डीबीएस बैंक की सीईओ और मुख्यमंत्री योगी की बैठक में वित्तीय व ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में निवेश पर हुई चर्चा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर यात्रा के दौरान डीबीएस बैंक की मुख्य कार्यकारी अधिकारी टैन सू शान और उनकी टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान डिजिटल बैंकिंग व अफोर्ड बल वित्तीय सेवाओं, कैपेबिलिटी डेवलपमेंट, सेमीकंडक्टर निर्माण तथा ग्रीन एनर्जी के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर मुख्यालय वाले इस वैश्विक वित्तीय संस्थान को उत्तर प्रदेश में निवेश और साझेदारी के अवसरों का अन्वेषण करने के लिए आमंत्रित भी किया। डीबीएस बैंक ने उत्तर प्रदेश के उभरते ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में विशेष रुचि दिखाई। विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) और सौर ऊर्जा जैसे हरित क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। इसके अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग, विशेषकर सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के लिए ताइवानी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की संभावना पर भी चर्चा की गई।

पटना सिविल कोर्ट ने आईजी एम. सुनील नायक की ट्रांजिट रिमांड अर्जी की खारिज

एजेंसी

पटना। राजधानी पटना की सिविल अदालत में सोमवार को हुई सुनवाई में बिहार होमगार्ड एवं अग्निशमन सेवा के महानिरीक्षक (आईजी) एम. सुनील कुमार नायक को राहत मिली है। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-12 (एसीजेएम-12) की अदालत ने आंध्र प्रदेश पुलिस की ओर से दायर ट्रांजिट रिमांड की अर्जी को खारिज कर दिया।

अदालत ने स्पष्ट कहा कि विधिसम्मत प्रक्रिया और पर्याप्त दस्तावेजों के अभाव में किसी भी अधिकारी को राज्य से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सुनवाई के दौरान अदालत ने आंध्र प्रदेश पुलिस की तैयारी पर कड़ी नाराजगी जताई और सीधे ट्रांजिट रिमांड देने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ पुलिसकर्मी बिना वर्दी अदालत में उपस्थित हुए थे। इस पर अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को बैठा लिया। इनमें आंध्र प्रदेश पुलिस के तीन कर्मियों के शामिल होने की जानकारी दी गई है।

2021 के कथित हिरासत प्रकरण से जुड़ा मामला

दरअसल, आईजी सुनील कुमार नायक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या के प्रयास), जो वर्तमान में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 के समकक्ष प्रावधान से संबंधित है, के तहत मामला दर्ज है। यह प्रकरण वर्ष 2021 में आंध्र प्रदेश के नरसापुरम में पूर्व सांसद रघुराम कृष्ण राजू से जुड़े कथित हिरासत मामले से संबंधित है। इसी मामले में आंध्र प्रदेश पुलिस ने पटना में कार्रवाई की थी।

सुबह आवास पर पहुंची थी आंध्र प्रदेश पुलिस की टीम

इससे पहले सोमवार सुबह आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम शास्त्री नगर थाना क्षेत्र स्थित आईजी नायक के सरकारी आवास पर पहुंची। स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में आवास के भीतर जांच और पूछताछ की गई। बाद में उन्हें गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई। इस दौरान आवास के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में होमगार्ड के जवान भी मौके पर पहुंच गए और कार्रवाई पर आपत्ति जताई। उनका आरोप था कि नियमों की अनदेखी कर कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल अदालत के फैसले से आईजी नायक को राहत मिली है। हालांकि मामला अभी न्यायिक प्रक्रिया में है और आगे की कार्रवाई उच्च न्यायालय अथवा संबंधित न्यायिक मंच के निर्णय पर निर्भर करेगी।

असम के कछार से करीब तीन करोड़ की याबा टैबलेट जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (असम)। असम के कछार जिले के जिरीघाट क्षेत्र में पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के दौरान भारी मात्रा में याबा टैबलेट जब्त की है। इस कार्रवाई में दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता द्वारा सोमवार को दी गई जानकारी के अनुसार एक बोलेरो पिकअप वाहन से 10 हजार याबा टैबलेट बरामद की गईं। जब्त की गई टैबलेट की बाजार कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये आंकी गई है।

पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अंजदीप' 27 फरवरी को नौसेना के समुद्री बेड़े का हिस्सा बनेगा

नौसेना में शामिल होने के बाद तमिलनाडु और पुडुचेरी क्षेत्र सहित तटीय इलाकों की सुरक्षा होगी

नई दिल्ली,। एंटी-सबमरीन वारफ़ेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट प्रोजेक्ट का तीसरा वेसल 'अंजदीप' 27 फरवरी को भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े का हिस्सा बन जाएगा। चेन्नई बंदरगाह पर कमीशनिंग समारोह के बाद नौसेना अपनी एंटी-सबमरीन वारफ़ेयर क्षमता बढ़ाने के लिए तैयार है। स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट, माइन बिछाने की क्षमता और उन्नत सोनार सिस्टम से लैस इस पोत के नौसेना में शामिल होने के बाद भारत के बड़े समुद्री हितों और तमिलनाडु और पुडुचेरी क्षेत्र सहित तटीय इलाकों की सुरक्षा होगी। भारतीय नौसेना के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स और इंजीनियर्स एएसडब्ल्यू शैलो वॉटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यूसी) प्रोजेक्ट के तहत आठ जहाजों का निर्माण कर रहा है। एंटी सबमरीन वारफ़ेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यूसी) प्रोजेक्ट के तहत निर्मित 'अग्रे' और 'अक्षय' शैलो वॉटर क्राफ्ट 13 मार्च 2024 को कोलकाता में लॉन्च किया गये थे। लॉन्च किये गए यह जहाज 5वें और छठे थे, जिनका नामकरण भारतीय नौसेना के पूर्ववर्ती अभय क्लास कार्वेट एग्रे और अक्षय के नाम पर किया गया है।

असम के हैलाकांदी में 5 करोड़ की याबा टैबलेट के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

हैलाकांदी (असम)। असम में चल रहे ड्रग्स विरोधी अभियान के तहत हैलाकांदी पुलिस ने सोमवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब पांच करोड़ रुपये की याबा टैबलेट जब्त की और दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया। विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने जिले के बोआलगढ़ प्रथम खंड क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान एमजेड-01आर-6434 नंबर की एक संदिग्ध महिंद्रा टीयूवी वाहन को रोका गया। वाहन की गहन तलाशी लेने पर पुलिस को अंदर विशेष रूप से तैयार किया गया एक गुप्त चेंबर मिला, जिसमें प्रतिबंधित नशीला पदार्थ छिपाकर रखा गया था। इस गुप्त चेंबर से पुलिस ने 12 अलग-अलग पैकेटों में रखी गई कुल 1.21 लाख याबा टैबलेट बरामद की। सूत्रों के अनुसार, जब्त की गई नशीली टैबलेटों की अनुमानित बाजार कीमत लगभग पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसे जिले में इस वर्ष की बड़ी बरामदगियों में से एक माना जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने मौके से मिस मार्ची पिल्लई और थोंगजागिन हाओकिप नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

राष्ट्रपति भवन में राजाजी की प्रतिमा का अनावरण

आत्मगौरव का सम्मान : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन परिसर में आजाद भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर जनरल चक्रवर्ती सी. राजगोपालाचारी (राजाजी) की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने राजाजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समर्पित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। यह प्रदर्शनी 24 फरवरी से 1 मार्च तक राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान में आने वाले आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी। अशोक मंडप के समीप ग्रैंड ओपन सीढ़ी पर स्थापित राजाजी की यह प्रतिमा पहले वहां लगी एडविन लुटियंस की प्रतिमा के स्थान पर लगाई गई है। इसे औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को समाप्त करने और भारत की सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय आत्मगौरव को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रपति भवन में स्थापित की गई राजाजी की प्रतिमा का अनावरण करना उनके लिए ऐतिहासिक अवसर है। राजाजी को सम्मानित कर देश ने अपने आत्मगौरव का सम्मान किया है। उन्होंने स्मरण कराया कि जब राजाजी गवर्नमेंट हाउस (अब राष्ट्रपति भवन) पहुंचे थे, तब उन्होंने अपने कक्ष में रामकृष्ण परमहंस और महात्मा गांधी के चित्र लगाए थे। इससे उन्होंने यह संदेश दिया कि भारत भले ही औपचारिक रूप से डोमिनियन रहा हो, लेकिन भारतीयों के हृदय में स्वराज स्थापित हो चुका था। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की विरासत पर गर्व करने और गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का जो राष्ट्रीय अभियान चल रहा है, उसमें राजाजी के आदर्श स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान शासक जनता से दूरी बनाए रखते थे, लेकिन स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र का मूल सिद्धांत जन-जन से जुड़ाव है। राष्ट्रपति भवन राष्ट्र का भवन है और इसके द्वार सभी देशवासियों के लिए खुले हैं। राष्ट्रपति ने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर देशवासियों से राजाजी के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजाजी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और विधि, स्वतंत्रता संग्राम, सामाजिक-आर्थिक सुधार, प्राचीन भारतीय ग्रंथों, तमिल एवं अंग्रेजी साहित्य, कविता, संगीत, राजनीति और प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। इस अवसर पर आयोजित 'राजाजी उत्सव' को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि राजाजी की प्रतिमा का अनावरण औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्ति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रक्रिया एक सतत परिवर्तन है, जो शासन, कानून, शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान के क्षेत्रों में दिखाई दे रही है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'गुलामी मानसिकता से मुक्ति' की परिकल्पना को अनेक पहलों के माध्यम से साकार किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखे खुले पत्र का बंगाली और हिंदी भाषा में भाजपा ने शुरू किया वितरण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखे गए खुले पत्र का व्यापक वितरण अभियान शुरू किया है। यह पत्र बंगाली और हिंदी भाषा में तैयार किया गया है और इसे राज्यभर के मतदाताओं तक पहुंचाया जा रहा है।

पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस पर केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लाभ से लोगों को वंचित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य प्रशासन की कथित बाधाओं के बावजूद अनेक लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिला है। पत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने लिखा है कि कुछ ही महीनों में पश्चिम बंगाल की चुनावी दिशा तय होगी और मतदाताओं का सुविचारित निर्णय राज्य की भावी पीढ़ियों का भविष्य निर्धारित करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग वंचना के शिकार रहे हैं और यह स्थिति उन्हें व्यक्तिगत रूप से पीड़ा देती है। उन्होंने ल्लविकसित और समृद्ध पश्चिम बंगाल के निर्माण का वादा किया है। प्रधानमंत्री ने पत्र में वर्ष 2014 के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी और विकास योजनाओं का उल्लेख किया है। उनका कहना है कि राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद इन पहलों से समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ मिला है। पत्र में यह भी कहा गया है कि स्वतंत्रता के बाद के दौर में पश्चिम बंगाल देश की अर्थव्यवस्था का केंद्र हुआ करता था, लेकिन बीते छह दशकों में निरंतर कुप्रशासन और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार के अवसरों की कमी के कारण शिक्षित युवाओं को राज्य से बाहर जाना पड़ रहा है ।

ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से हाईस्कूल के तीन छात्रों की मौत, एक घायल

जागरण मोर्चा कार्यालय

टांडा थाना क्षेत्र में हुआ हादसा,मचा कोहराम

रामपुर/दढ़ियालः जनपद रामपुर की कोतवाली टांडा क्षेत्र में बोर्ड परीक्षा देने जा रहे तीन छात्रों की ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से मौत हो गई। यह दुर्घटना सरकथल के पास हुई। जिसमें एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। तीन छात्रों की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सोमवार की सुबह लगभग 7 बजे रेनबो इंटर कॉलेज के कक्षा 10 के चार छात्र विनीत पुत्र ज्ञान सिंह विनय शर्मा पुत्र पुष्पेंद्र शर्मा, मनु चौहान पुत्र अमित चौहान निवासी दढ़ियाल ,अरुण सैनी पुत्र भगवान दास निवासी मझोला लाइन पार मुरादाबाद सनराइज इंटर कॉलेज टांडा में अपनी बोर्ड परीक्षा देने बाइक से जा रहे थे। मुरादाबाद बाजपुर मार्ग पर गांव सरकथल के पास क्षत्रिय कुलभूषण इंटर कॉलेज के सामने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर हो गई।दुर्घटना की सूचना तुरंत 108 एम्बुलेंस सेवा को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची एंबुलेंस के चारों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा पर पहुंची जहां पर हादसे में मनु चौहान और अरुण सैनी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।विनीत और विनय शर्मा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जिला अस्पताल लेकर जाते समय विनय शर्मा ने भी दम तोड़ दिया। सूचना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जहां परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। अस्पताल में पूरे दिन चीख पुकार मची रही।

अरूण अपने मामा के यहां पर रहकर पढ़ाई कर रहा था

मृतक अरुण सैनी अपने मामा के यहां नगर के मोहल्ला फत्तावाला में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वहीं दूसरी ओर मनु चौहान अकेला भाई था जबकि मनु की एक बहन है जो कक्षा 8 की छात्रा है। जिसकी विनय शर्मा दो भाइयों में दूसरे नंबर का था। बड़ा भाई मुरादाबाद के टीएमयू मेडिकल कॉलेज से बीसीए की पढ़ाई कर रहा है। दोनों के परिवार नगर के मोहल्ला पुल चुंगी पर रहते हैं मौत की सूचना पाकर परिवारों में कोहराम मच गया रोते बिलखते परिजनों का बुरा हाल है। समाचार भेजे जाने तक दोनों छात्रों के शव घर नहीं पहुंच सके थे।तीसरे छात्र का शव मुरादाबाद में स्थित उसके निजी मकान पर जाएगा।

पुलिस के गुडवर्क से 43 लाख की चोरी का खुलासा, छह आरोपी धरे

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। बीती 17 फरवरी को थाना सुनगढ़ी क्षेत्र की बल्लभनगर कॉलोनी में रिटायर्ड बाबू के बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाया था। सोमवार रात मकान के ताले तोड़कर नकदी और जेवरात समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया गया था। घटना के समय परिवार के सभी लोग बरेली गए हुए थे। मंगलवार को सुबह पड़ोसी ने परिवार को घटना की सूचना दी थी। पीड़ित के मुताबिक नकदी-जेवर समेत 40-50 लाख की चोरी हुई थी। घटना के सात दिन बाद पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्रा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक, एसओजी थाना सुनगढ़ी पुलिस के द्वारा घटना का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि इस वारदात में 4 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल थीं। आरोपियों के पास से 23 तोला सोना, 2 किलो 450 ग्राम चांदी और 2,27,000 नगदी बरामद करी गई हैं। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

घटना का खुलासा करते पुलिस अधीक्षक

सरस मेले में पहुंच डीएम ने करी खरीदारी, व्यंजनों का चखा स्वाद

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। सोमवार को जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने सरस मेले में लगे स्टालों का भ्रमण कर स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को देखा व समूहों की महिलाओं से बात की, निर्मित उत्पादों की खरीददारी कर समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित किया। सरस मेले में 51 समूहों के 40 स्टॉल लगाए है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए व्यंजनो जैसे भेलपुरी, पानीपुरी, दहीपुरी, भुजिया पुरी आदि के स्टालों को देखा व व्यंजन का स्वाद चखा उन्होंने व्यंजनों के स्वाद की सराहना की। मेले में जरी जरदोजी, जूट उत्पाद, जलकुम्भी उत्पाद, होली का सामान हर्बल गुलाल, मिट्टी के वर्तन, शहद, अचार, मोरिंगा पाउडर इत्यादि स्टॉल आकर्षण का केन्द्र बने हुए है। मेले में उत्पादों की बिक्री से समूहों की महिलाओं में उत्साह है। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की गई कि सरस मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीददारी करें। इस दौरान परियोजना निदेशक, डीसी एनआरएलएम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह सरस मेले में लगे स्टालों का भ्रमण करते हुये

अभिरक्षा में मृत्युः जवाबदेही और न्याय की कसौटीः अंशुल गौरव सिंह

पीलीभीत। बरखेड़ा के गांव ज्योहरा कल्यानपुर निवासी सर्वेश(30 वर्ष) जोकि बरेली कारागार में 25 वर्ष की सजा काट रहे थे उनकी इलाज के दौरान मौत हो लखनऊ में मौत हो गई। मृतक की मां बीते 7 महीने से डीएम बरेली, मानवाधिकारी, जेल प्रशासन के चक्कर काटते थक गई थी। मृतक की मां के अनुसार उनके बेटे ने उन्हें बताया था कि उसका स्वास्थ्य बहुत ज्यादा खराब है और उसे अच्छे इलाज की जरूरत है जोकि जेल में मिल नहीं पा रहा था। मौत के तीन दिन बाद तो उसके परिजनों को मृतक का शव नहीं दिया गया जिससे जेल प्रशासन पर लापरवाही को आरोप लगाए गए हैं। अधिवक्ता अंशुल गौरव सिंह ने डीआईजी(जेल) लखनऊ से भी इस प्रकरण पर प्रश्न किए हैं और जवाब और उचित दोषियों पर कार्यवाही की मांग करी है। अंशुल गौरव सिंह का कहना है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी परीक्षा यह होती है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करती है।

जगदीश सक्सेना बने अध्यक्ष, कायस्थ शिरोमणि सम्मान से नवाजे गए कायस्थ बंधु

पीलीभीत। अखिल भारतीय चित्रांश वंशज महासभा के तत्वावधान में कायस्थ शिरोमणि सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चित्रगुप्त भगवान के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। नव नियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र प्रदान किए गए। शिरीष सक्सेना को मंडल उपाध्यक्ष, जगदीश सक्सेना को जिला अध्यक्ष, मनोज भटनागर को जिला महासचिव, विमल सेन को जिला कोषाध्यक्ष, मोहित सक्सेना और अमित जोहरी को जिला उपाध्यक्ष, दीपक सक्सेना और अनुज सक्सेना, राजीव सक्सेना को जिला महामंत्री बनाया गया। साथ ही सौरभ सक्सेना को जिला सचिव, सर्वेश सक्सेना और आशीष सक्सेना को जिला सह सचिव, डॉ देवेंद्र अस्थान को जिला संगठन मंत्री बनाया गया। युवा इकाई में सचिन सक्सेना को अध्यक्ष, अभिषेक सक्सेना को महासचिव, राहुल सक्सेना को सचिव, शिवा सक्सेना, दिवंशु सक्सेना और प्रतीक सक्सेना, तुषार चंद्र को सह सचिव बनाया गया। महिला इकाई में सरोज जोहरी और डॉ अनुरीता सक्सेना सरिता कुलश्रेष्ठ को संरक्षक, विनीत भटनागर को अध्यक्ष, निधि निगम और नेहा सक्सेना को उपाध्यक्ष, परिणीता सिन्हा को महासचिव, सुरभि सक्सेना को जिला सचिव, नमिता सक्सेना को कोषाध्यक्ष बनाया गया। समारोह में एडवोकेट बिनय सक्सेना, राजीव सिन्हा, एडवोकेट आकाश सक्सेना, अनिल कमल सक्सेना, जितेश राज नक्श, अविनाश चन्द्र, सुशील बाबू सक्सेना, अवनीश सक्सेना, शेखर सक्सेना आनंद सहाय, श्रीमती सरोज जौहरी और अभय सक्सेना डॉ अनिल सक्सेना व महेश नारायण को कायस्थ शिरोमणि सम्मान से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर वेदप्रकाश सक्सेना, प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार भटनागर, प्रदेश महासचिव उत्तर प्रदेश, दिनेश सक्सेना, मण्डल अध्यक्ष, बरेली मण्डल, और अनिल कुमार सक्सेना, जिला अध्यक्ष, बरेली उपस्थित रहे। प्रदेश महासचिव अरुण कुमार भटनागर द्वारा सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। संरक्षक अभय सक्सेना व डॉ अनिल सक्सेना एवं विनय सक्सेना को बनाया गया। जिला अध्यक्ष जगदीश सक्सेना ने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं कायस्थ समाज के लोगों का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि अगर इतिहास से कायस्थ समाज का योगदान हटा लिया जाए तो इतिहास भी अधूरा रह जाएगा। कायस्थ समाज 70% सरकारी नौकरी पर अपना हक जमाने वाला समाज है, आने वाले समय में हम एक नया अध्याय लिखेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के लोग मौजूद रहे।

आज सजेगा श्री बाला जी महाराज का भव्य दरबार

पीलीभीत। शहर की पावन धरा एक बार फिर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से रसमय होने जा रही है। श्री बाला जी महाराज की अनुकंपा से विगत 27 वर्षों से निरंतर आयोजित भव्य दरबार एवं विशाल भंडारा इस वर्ष भी हर्षोल्लास और भव्यता के साथ संपन्न होगा। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जनमानस की आस्था, सेवा-भाव और सामाजिक सद्भाव का जीवंत प्रतीक बन चुका है। मंगलवार को प्रातः 8 बजे से श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर (देवी प्रसाद धाम), निकट पुराना अस्पताल चौक बाजार, में बाबा का अलौकिक श्रृंगार, विशेष पूजन, दिव्य आरती एवं दरबार आयोजित किया जाएगा। मंदिर परिसर आकर्षक पुष्प सज्जा और रोशनी से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो सके। श्रद्धालु बाबा के दरबार में हाजिरी लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि और कामनाओं के लिए आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। दोपहर 1 बजे से सायं 5 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन रहेगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु बाबा का प्रसाद प्राप्त करेंगे। वर्षों से चली आ रही यह पावन परंपरा आ में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करती रही है। भंडारे में एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करना सामाजिक समरसता का संदेश और मन को अपार शांति प्रदान करता है। दरबार के आयोजक पंडित अवनेश कौशिक ने समस्त क्षेत्रवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

श्री बाला जी महाराज की कृपा से पिछले 27 वर्षों से यह भंडारा निरंतर होता आ रहा है। यह बाबा का ही आशीर्वाद है कि हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है और सेवा का अवसर मिलता है। जो भी श्रद्धाल सच्चे मन से बाबा के दरबार में आता है, उसकी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। हमारा उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करना है। आप सभी सपरिवार पधारें और बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें। **(पडित अवनेश कौशिक)**

मेडिकल कॉलेजः खुले में सो रहे तीमारदार महिला शौचालय के दरवाजे भी टूटे

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। मेडिकल कॉलेज में अव्यवस्थाएं हावी हैं। रैन बसेरा में सुविधाओं के नाम पर सिर्फ बैड लगे हुए हैं। महिला शौचालय की स्थिति भी दयनीय हैं।

मेडिकल कॉलेज की वास्तविक स्थिति और मरीजों को मिल रहीं सुविधाओं का जब जायजा लिया गया तो जो तस्वीरें सामने आई वह बेहद ही शर्मनाक हैं। शासन की ओर से हर जिले के सरकारी अस्पताल में मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों के लिए रैन बसेरा बनवाए गए। तीमारदारों को ठंड से बचाने और अस्पतालों में अव्यवस्थाओं को रोकने की यह मंशा धरातल पर विफल है। मेडिकल कॉलेज की पुरुष विंग में बने शौचालय का तो यह हाल है कि वहां के महिला शौचालय के दरवाजे नीचे से आधे टूटे हुए हैं। शौचालयों में साफ-सफाई के भी कोई पुख्ता इंतजामात नहीं पाए गए। अस्पताल परिसर में चाहें वह महिला विंग हो या पुरुष विंग हर तरफ जिस तीमारदार को जहां जगह मिली वह वहीं अपना विस्तर लगा कर लेटा हुआ पाया गया। अस्पताल की यह तस्वीरें साफ बता रहीं हैं कि शासन की मंशा को मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदार कितनी शिद्दत से निभा रहे हैं। यह तस्वीरें यह भी बता रहीं है कि कहीं न कहीं इन अव्यवस्थाओं पर कोई ध्यान नहीं देना चाहता। महिला विंग में गर्भवती महिलाओं के पास में जमीन पर लगता तीमारदारों का झुंड मरीजों और तीमारदारों के बीच संक्रमण के खतरे को भी दावत दे रहा हैं। जब मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य संगीता अनेजा से इस स्थिति पर उनका पक्ष जानना चाहा तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

रैन बसेरा में महिला शौचालय के टूटे दरवाजे

बाल विवाह मुक्त करने को दिए टिप्स सरकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिलसंडा। नगर पंचायत में वार्ड बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि अमन गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में महिला कल्याण विभाग से काउंसलर अभिषेक शुक्ला द्वारा समिति के सदस्यों का स्वागत किया गया तथा कहा गया कि समिति के माध्यम से जनपद के जरूरतमंद बच्चों को योजनाओं से अवगत कराना एवं लाभ प्राप्त करवाना है। इसी क्रम में मनोज कुमार द्वारा विभागीय योजनाओं, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना सखी वन स्टॉप सेंटर एवं चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित सदस्यों को बाल विवाह के दुष्परिणाम बताये गए एवं उपस्थित सभासदों को हेल्पलाइन नम्बरों इत्यादि की जानकारी दी गई। ततपश्चात बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ ली गई। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधि को महिला कल्याण विभाग की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ संबंधित स्मृति चिन्ह भेंट स्वरूप प्रदान की गयी। बैठक में सभी सभासद एवं महिला कल्याण विभाग से काउंसलर अभिषेक शुक्ला एवं मनोज कुमार उपस्थित रहे। साथ ही जनपद में संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत इंटगाव के ठाकुर जी महाराज विद्या मन्दिर विद्यालय में एवं ग्राम पंचायत बिहारीपुर में बाल विवाह के दुष्परिणाम बताये गए एवं बाल विवाह के मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ ली गई।

युवक की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज, जांच जारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। हजारा थाना क्षेत्र के गांव नानक नगरी बैल्हा के सुरेंद्र पाल सिंह (30) ने पिटाई और प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर गन्ने के खेत में शीशम के पेड़ पर मफलर के फंदे से लटककर जान दी थी। पुलिस ने मृतक के पिता बलजिंदर सिंह की तहरीर पर संपूर्णानगर के गांव बसही निवासी दूसरे समुदाय की एक युवती, उसके भाई और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सुरेंद्र पाल सिंह सिंह बीते बुधवार को घर से लापता हो गया था। अगले दिन गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर गन्ने के खेत में शीशम के पेड़ पर मफलर के फंदे से उसका शव लटका मिला था। मृतक के पिता ने पिटाई और प्रताड़ना और आत्महत्या को उकसाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें कहा कि उनका पुत्र सुरेंद्र पाल संपूर्णानगर की एक पैथालॉजी लैब में काम करता था। समीप के क्लीनिक पर काम करने वाली दूसरे समुदाय की युवती से उसका प्रेम-प्रसंग हो गया था।

स्वच्छ पेय जलापूर्ति की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

गांव उदयपुर खुर्द में जल जीवन मिशन की टंकी का निर्माण

- **पाइप लाइन डालने को खोदी गई सड़कों की भी नहीं कराई मरम्मत**

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति और खोदी गई सड़कों की मरम्मत कराने की मांग को लेकर गांव उदयपुर खुर्द के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। आरोप है कि गांव में जल जीवन के तहत पानी की टंकी के निर्माण को पूरा करने में उदासीनता बरती जा रही है। कई बार तहसील प्रशासन को ज्ञापन भी दिया लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। इससे ग्रामीणों में रोष है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि करीब पांच साल पहले पानी की टंकी का निर्माण कार्य शुरू हुआ था जो अब तक अधूरा है। इससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है। सड़कें खोदकर पाइप लाइन बिछा दी गई लेकिन खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई है। इससे लोगों को वाहन से आवागमन करने में दिक्कत हो रही है। जल जीवन मिशन के अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत कराकर निस्तारण की मांग की गई।

इसके अलावा तहसील प्रशासन को भी ज्ञापन दिए गए लेकिन सुनवाई नहीं हुई। परेशान ग्रामीणों ने एक बार फिर तहसील में अधिकारियों को ज्ञापन दिया। इसके बाद गांव में प्रदर्शन किया। उन्होंने जल्द से जल्द निर्माणं कार्य पूरा कराकर पेयजल आपूर्ति शुरू और खोदी गई सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। ज्ञापन देने व प्रदर्शन करने वालों में राजीव कुमार, राजगुरू पांडेय, बाबा महेंद्र दास, अशोक कुमार, लक्ष्मी देवी, राम गोपाल, कालिका प्रसाद, रवि कुमार, श्रीकृष्ण सक्सेना आदि शामिल रहे।

गांव उदयपुर खुर्द के ग्रामीण प्रदर्शन करते हुये

बदलते परिवेश में भी निभाई जा रही दशकों से प्राचीन परंपरा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बीसलपुर। दशकों से होली पर धमार बजाकर गमी निकालने की एक अनूठी परंपरा चली आ रही है,जो बदस्तूर आज भी कायम है।भले ही आज की युवा पीढ़ी इसको भुलाने में लगी हो।परन्तु ग्रामीण अंचल के बुजुर्गों द्वारा आज भी यह परंपरा बखूबी निभाई जा रही है। इसी परंपरा को बरकरार रखने के लिए ग्राम पंचायत जादौपुर नथा के प्रधान ने धमार बजाने वाले लोगों को 5000 की धनराशि देकर पुरस्कृत किया है।

बताते हैं जिस परिवार में किसी की मौत हुई है,वहां गमी हो गयी।और होली तक परिवार में सारे मंगल कार्य, धार्मिक शादी विवाह जैसे कार्य बंद हो जाते हैं।वहीं होली पर उन दरवाजों पर जाकर धमार बजती है,तो धमार के ढोल बजने के साथ ही उस घर में मंगल कार्य पुनःशुरू हो जाते है। गांव देहात के अलावा नगर में भी यह पुरानी रीति-रिवाज होली पर आज भी जारी है।आधुनिकता के दौर में फाग के बोल व हुडदंग मचातीं युवाओं की टोलियां अब सिर्फ नाम मात्र ही दिखाई पड़ती है।लेकिन बुजुर्गों की बदौलत पुरानी परंपराओं में कोई कमी नहीं आई है।कुछ युवा भी सनातन परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।बुजुर्गों की टोली आज भी गांवों से लेकर आस-पास गांवों में जाकर गमों को दूर कर खुशियों कि धमार उसी उत्साह के साथ बजा रहे है। उधर ग्राम पंचायत जादौपुर नथा के प्रधान संजय पांडेय ने सीताराम, धीरज शर्मा, डॉ हिमांशु, हरिओम प्रजापति की मौजूदगी में गांव के उन सभी लोगों को पुरस्कृत किया जो धमार बजाने में अग्रणी रहते हैं।

होली पर धमार बजाने वाले लोगों को पुरस्कृत करते हुए

आज की पीढ़ी पूछे आखिर क्या है धमार

बीसलपुर। धमार का चलन दशकों से चला आ रहा है,लेकिन आज की युवा पीढ़ी के सामने एक सवाल जरूर होगा,की आखिर धमार है क्या..! बता दें की धमार गांवों में एक विशेष गायन शैली कही जाती है।जो गमी की होली पर दरवाजे-दरवाजे होरियारे हाथ मे खँजड़ी,मंजीरा,मोच्छन एवं मोरपंखी लिए ढोल बजाते नाचते गाते पहुंचते है।हर वर्ष बसंत पंचमी से धमार बजना शुरू हो जाती है,जो चैत पूर्ण मासी तक होरियारे गांव में होली बाद भी रात को गाते-बजाते रहते है।बुजुर्गों के साथ युवाओं की मौजूदगी इस परंपरा को आगे भी खत्म न होने का अहसास दिलाती है।धमार में शामिल कुछ लोग लेडीज भेषभूषा बनाकर नृत्य और हुड़दंग भी करते हैं।जिसको गांव की भाषा मे स्वांग कहा जाता है।पुरानी परंपरा के अनुसार किसी के निधन के बाद जब यह धमार उनके दरवाजे पर बजती है, तो शुभ कार्य भी इसी दिन से होना शुरू हो जाते है।दरवाजे पर धमार में शामिल लोगों की आवभगत की जाती है।

विवाहिता को नहर में फैंकने का प्रयास, पांच पर केस दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। नगर के मोहल्ला कायस्थान निवासी महिला ने अपने पति सहित ससुराल के पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। इसमें जान से मारने की धमकी देने, नहर में फेंकने का प्रयास करने आदि का आरोप लगाया है।

नगर के मोहल्ला कायस्थान निवासी ज्योति बताया कि उसकी शादी वर्ष 2015 में बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव रामनगर के नीरज जायसवाल के साथ हुई थी। शादी के बाद उसे दहेज में पचास हजार रुपये और बदसूरत होने का आरोप लगाकर प्रताड़ित किया गया। बाद में ससुराल में हुई चोरी का आरोप उसके ऊपर लगाया गया। चोरी के आरोप पर दोनों बच्चों सहित उसे नहर में फेंकने की कोशिश की गई। रास्ते में पुलिस की गाड़ी देखकर ससुरालियों ने उसे घर लाकर पिटाई की। पिता को बुलाकर चोरी के बदले दो लाख रुपये देने को कहा। बगैर रुपये की मांग के उसे जान से मारने की धमकी देकर घर से निकाल दिया। प्राथमिकी में पति नीरज जायसवाल, सास मीना देवी, ससुर रामकुमार, ननद रामा, संतोषी और देवर संजीव के खिलाफ केस दर्ज किया है।

राम से सियासी शुरुआत अग्निहोत्री ने बनाई नई पार्टी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। यूजीसी के नियमों के विरोध में सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देकर चर्चा में आए अलंकार अग्निहोत्री ने अब खुलकर राजनीति में कदम रख दिया है। सोमवार को उन्होंने राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (राम) नाम से अपने नए राजनीतिक दल की घोषणा कर दी। इस ऐलान के बाद शहर की राजनीति में नई हलचल शुरू हो गई है।

बीते दिनों लाल फाटक स्थित परशुराम धाम में सवर्ण समाज के लोगों के साथ हुई उनकी बैठक के बाद ही इस तरह के संकेत मिल रहे थे। तब उन्होंने बड़े संगठन की

घोषणा की बात कही थी। सोमवार को पार्टी के नाम, झंडे और उद्देश्य के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया।

अग्निहोत्री ने कहा कि पार्टी समाज के हर वर्ग, विशेषकर सवर्णों और शोषितों के अधिकारों के लिए काम करेगी। उनका दावा है कि यह मंच सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति को केंद्र में रखकर आगे बढ़ेगा।

योगी सरकार की बैंक सखी योजना से आत्मनिर्भर बनीं बरेली की अनूपवती

- बेरोजगारी और संघर्ष से उठकर 12 महिलाओं संग बनाया स्वयं सहायता समूह

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। योगी सरकार की बैंक सखी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। आत्मनिर्भर बनीं ये महिलायें समाज की अन्य महिलाओं के लिये प्रेरणास्रोत हैं। कभी घर की दहलीज पार करने में हिचकने वाली अनूपवती आज गांव की महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की मजबूत आवाज बन चुकी हैं। मीरगंज के गांव बहरोली निवासी एमए पास 34 वर्षीय अनूपवती पहले बेरोजगारी, चिंता, संघर्ष के दिनों से ऊपर उठकर

अनूपवती

अब बैंक सखी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। अनूपवती बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनकी दुनिया घर और बच्चों तक सिमटी थी। पति, तीन बेटे, सास-ससुर का बड़ा परिवार लेकिन आय सीमित थी। साल भर की कमाई करीब 60 हजार रुपये, इस वजह से बच्चों की पढ़ाई को लेकर मन में हमेशा चिंता रहती थी। गांव में नाम था, लेकिन पहचान नहीं थी। उन्हें लगता था कि पढ़ाई करने के बावजूद वे कुछ खास नहीं कर पा रहीं हैं। गांव में पहले से चल रहे स्वयं सहायता समूहों को देखकर उनके मन में भी जुड़ने का विचार आया। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 12 महिलाओं ने मिलकर सृष्टि स्वयं सहायता समूह बनाया। शुरुआत में हर सदस्य ने सौ-सौ रुपये की बचत शुरू की। तीन महीने बाद रिवॉल्विंग फंड, छह महीने बाद सामुदायिक निवेश निधि और फिर बैंक से सीसीएल। छोटी-सी शुरुआत ने धीरे-धीरे बड़ा आकार लेना शुरू कर दिया।

12 जुलाई को हुआ बैंक सखी के रूप में चयन

12 जुलाई 2022 को उनका चयन बैंक सखी के रूप में हो गया। बड़ौदा यूपी बैंक की हुरहुरी शाखा से जुड़ते ही उनकी जिम्मेदारी बढ़ी, पर आत्मविश्वास भी दोगुना हो गया। अब वे मनरेगा भुगतान से लेकर अटल पेंशन योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तक ग्रामीणों को जोड़ती हैं। गांव की महिलाएं अब बैंक जाने से पहले अनूपवती से सलाह लेती हैं। जिस महिला को कभी बैंक जाने में डर लगता था, वह आज गांव और बैंक के बीच पुल बन चुकी है।

आय बढ़ी, सम्मान बढ़ा, बदल गई जिंदगी

समूह से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक हालत में साफ बदलाव आया। खेती और बैंक सखी के कार्य से आमदनी बढ़ी और अपनी मेहनत से 65 हजार रुपये की मोटरसाइकिल खरीद ली। अनूपवती ने 20 हजार रुपये की बचत अलग की। कृषि कार्य के लिए लाखों का ऋण प्रबंधन। 145 बैठकों में सक्रिय भूमिका निभाई। यह सिर्फ आंकड़े नहीं, एक महिला के आत्मविश्वास की कहानी है।

अब दूसरों को आगे बढ़ाने का जुनून

अनूपवती का समूह गांव का सबसे पुराना समूह है। जब भी गांव में बैठक होती है, वे आगे रहती हैं। नई महिलाओं को समझाती हैं कि समूह से जुड़ना सिर्फ बचत नहीं, पहचान और सम्मान भी देता है। उन्होंने कई महिलाओं को समूह से जोड़कर आजीविका के रास्ते दिखाए। उनका साफ कहना है कि समूह से जुड़ो, बचत करो, आगे बढ़ो और दूसरों को भी साथ लेकर चलो। बहरोली की अनूपवती अब सिर्फ एक नाम नहीं, एक संदेश हैं। उन्होंने साबित किया है कि अगर महिलाओं को अवसर और मंच मिले, तो वे हालात बदलने का जज्बा रखती हैं।

ऋषभ ठाकुर पहुंचा हवालात, जिला बदर होकर भी मांग रहा था रंगदारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। राजेंद्रनगर के कैफे में छात्रों से मारपीट, स्पा सेंटर संचालिका से रंगदारी मांगने का ऑडियो और खुद को शहर का आतंक बताने वाला ऋषभ ठाकुर जिला बदर किए जाने के बावजूद शहर में मंडरा रहा था। अब बारादरी पुलिस ने उसकी दबंगई आखिरकार तोड़ दी। बीडीए की नवनिर्मित कॉलोनी से उसे दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया गया। उसे कोर्ट में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया।

28 दिसंबर को राजेंद्रनगर के एक कैफे में छात्रों के साथ मारपीट की घटना ने उसे सुर्खियों में ला दिया था। इसके बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए उसे छह महीने के लिए जिला बदर कर दिया। 4

आरोपी ऋषभ ठाकुर

फरवरी 2026 को उसे बरेली से बदायूं की सीमा में छोड़ा गया था। लेकिन जिला बदर का आदेश भी उसकी दबंगई पर लगाम नहीं लगा सका। शहर में लौटकर वह अपने गुर्गों के जरिए कथित तौर पर रंगदारी का खेल खेलता रहा।

वीडियो से ब्लैकमेलिंग का खेल, गुर्गों से बनवाता था क्लिप

आरोप है कि ऋषभ अपने साथियों से स्पा सेंटरों की वीडियो बनवाता और फिर संचालकों को ब्लैकमेल कर रकम मांगता था। वायरल वीडियो और ऑडियो ने पूरे शहर में चर्चा तेज कर दी थी। सवाल उठ रहा था कि जिला बदर घोषित युवक आखिर कैसे बेखौफ घूम रहा है। सोमवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि ऋषभ ठाकुर बीडीए की नवनिर्मित कॉलोनी में मौजूद है। पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने दबे पांव पहुंचकर उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया।

स्पा सेंटर कांड: वीडियो, फिर 40 हजार की डिमांड

पीलीभीत रोड स्थित कासा गोल्डन स्पा सेंटर का वीडियो वायरल हुआ। देह व्यापार के आरोपों के साथ बवाल मचा। इसके बाद एक ऑडियो सामने आया, जिसमें स्पा सेंटर संचालकों से 40 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। ऑडियो में खुद ऋषभ ठाकुर की आवाज बताई गई, जिसमें वह कह रहा था बरेली में मेरा आतंक है। स्पा सेंटर खोलने से पहले डील करने की बात तक सुनी गई। इस मामले में रिसेप्शनिस्ट मुस्कान की तहरीर पर मुकदमा भी दर्ज हुआ।

130 केंद्रों पर हुई अंग्रेजी की परीक्षा डीएम ने लिया सुरक्षा का जायजा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। यूपी बोर्ड हाईस्कूल की अंग्रेजी परीक्षा को लेकर सोमवार को जिला प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना नजर आया। नकल की आशंका को देखते हुए जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर सघन चेकिंग के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट और उड़नदस्ता टीमों ने दिनभर केंद्रों का निरीक्षण कर हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक चलेंगी। सोमवार को प्रथम पाली में जिले के 130 परीक्षा केंद्रों पर हाईस्कूल अंग्रेजी का पेपर आयोजित हुआ। परीक्षा में 27,528 छात्र और 22,449 छात्राएं शामिल हुईं। केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती रही और प्रवेश द्वार पर तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को अंदर भेजा गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि अंग्रेजी, गणित और विज्ञान जैसे विषयों में नकल की संभावना अधिक रहती है, इसलिए विशेष सतर्कता बरती गई।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी सूरत में नकल की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी। अब तक किसी भी केंद्र से गड़बड़ी की शिकायत सामने नहीं आई है। सभी केंद्रों के सीसीटीवी कैमरे और वॉयस रिकॉर्डर सुचारु रूप से संचालित रहे।

परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह स्वयं मैदान में उतरे। उन्होंने ब्लॉक आलमपुर जाफराबाद के सैदपुर कनी भोलापुर स्थित समाज कल्याण इंटर कॉलेज और ग्राम्य विकास इंटर कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। डीएम ने परीक्षा कक्षों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कुछ परीक्षार्थियों की चेकिंग भी की। उन्होंने बच्चों को कक्षाओं में निर्धारित दूरी पर बैठाने के निर्देश दिए और कंट्रोल रूम में जाकर सीसीटीवी कैमरों की लाइव मॉनिटरिंग भी देखी। विद्यालय परिसर और शौचालयों की साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश देते हुए ड्यूटी रजिस्टर भी जांचा।

जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा समाप्त होने के बाद उत्तर पुस्तिकाएं पुलिस सुरक्षा में ही केंद्र से बाहर भेजी जाएं। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को परीक्षा के दौरान पूर्ण सजगता, गतिशीलता और पारदर्शिता बनाए रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ दुबे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जिले में प्रशासन का साफ संदेश है कि यूपी बोर्ड परीक्षा हर हाल में नकलविहीन और शांतिपूर्ण कराई जाएगी।

लाल फाटक पर अफीम की बड़ी खेप पकड़ी, दो तस्कर दबोचे

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। एएनटीएफ यूनिट और कैंट पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार को लाल फाटक क्षेत्र से 4 किलो 500 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 5300 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और कोडरमा से बरेली तक का रेल टिकट भी बरामद किया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार 22 फरवरी को एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि झारखंड निवासी बाबूलाल दांगी बरेली आकर बदायूं निवासी शिवकुमार को अफीम की खेप सौंपने

वाला है। सूचना पर पुलिस टीम ने लाल फाटक पुल के पास जुए की पुलिया के पास घेराबंदी कर ली। दोपहर करीब 12:43 बजे दोनों आरोपी एक बैग से डिब्बे निकालकर लेन-देन कर रहे थे, तभी टीम ने दबिश देकर उन्हें पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान बैग से पतंजलि घी के पांच डिब्बों में छिपाकर रखी गई अफीम बरामद हुई। चार डिब्बों में एक-एक किलो और एक में 500 ग्राम अफीम मिली। ड्रग डिटेक्शन किट से जांच में पदार्थ की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि बाबूलाल दांगी (जिला चतरा, झारखंड) कोडरमा से अफीम लाता था, जबकि शिवकुमार (थाना बिनावर, बदायूं) आगे सप्लाई करता था। दोनों जुलाई 2025 से संपर्क में थे। पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

नमाज को लेकर विवाद, अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर मारपीट

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। हाफिजगंज थाना क्षेत्र के सेंथल कस्बे में रविवार शाम अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। अधिवक्ता अख्तर अली की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद समेत 54 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है।

पीड़ित अधिवक्ता का आरोप है कि वह अपने मकान में बने चैंबर में बैठे थे, तभी करीब 54 लोग एकजुट होकर अंदर घुस आए। आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और मौलाना खुर्शीद के पीछे नमाज न पढ़ने को लेकर दबाव बनाया। विरोध करने पर मारपीट की गई। एक आरोपी ने उनका गला दबाने का भी प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह उन्हें हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया।

हंगामे के दौरान चैंबर में रखी महत्वपूर्ण फाइलें और दस्तावेज भी फाड़ दिए गए। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने चैंबर में आग लगाने की धमकी भी दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया।

थाना प्रभारी प्रवीण सोलंकी ने बताया कि अधिवक्ता की तहरीर के आधार पर भूरा उर्फ इरफान मियां, वसीम मनीदार, मौलाना खुर्शीद और दानिश को नामजद करते हुए 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लीज में फंसा एयरपोर्ट का टेकऑफ अधर में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सपना

- अब इन उड़ानों पर भी मंडराया संकट

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। एयरपोर्ट विस्तार की बड़ी तैयारी के बावजूद बरेली की हवाई उम्मीदें कागजों में अटकती जा रही हैं। 23.55 एकड़ भूमि अधिग्रहण पूरा होने के बाद भी जमीन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को 99 साल की लीज पर नहीं दी जा सकी है। यही अड़चन अब पूरे प्रोजेक्ट पर ब्रेक लगाकर बैठी है।

विस्तार के लिए 53.40 करोड़ रुपये का प्रावधान हुआ था। 16.97 एकड़ निजी भूमि का अधिग्रहण कर 44.26 करोड़ रुपये मुआवजा भी वितरित किया जा चुका है। शेष भूमि ग्राम सभा, राज्य सरकार और रक्षा संपदा विभाग की है। कागजों में

जमीन तैयार है, लेकिन लीज अनुबंध का मसौदा अब तक अंतिम रूप नहीं ले सका। बताया जा रहा है कि अक्टूबर 2025 से फाइल दिल्ली और लखनऊ के बीच घूम रही है।

प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि कई बार पत्राचार किया जा चुका है। यदि प्रशासन की ओर से देरी हो रही है तो प्राधिकरण स्वयं लीज मसौदा देने को तैयार है। सिविल एन्कलेव बरेली के निदेशक अवधेश अग्रवाल के अनुसार, भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है, मगर लीज के बिना विस्तार शुरू नहीं हो सकता।

इस बीच अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की चर्चाएं भी ठंडी पड़ती दिख रही हैं। निजी कंपनियों से प्रारंभिक करार के बावजूद निर्माण और विस्तार कार्य रुकने से योजनाएं आगे नहीं बढ़ पा रहीं।

इधर होली के मद्देनजर बरेली से मुंबई और बेंगलुरु की उड़ानों का किराया दो से तीन गुना तक पहुंच गया है। सामान्य किराया 6-7 हजार रुपये से बढ़कर 14-15 हजार रुपये तक जा रहा है। एयरलाइंस का कहना है कि त्योहार के कारण सीटों की एडवांस बुकिंग 70-80 फीसदी तक हो चुकी है।

भगवान राम-माता सीता पर अभद्र टिप्पणी का वीडियो वायरल

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। सोशल मीडिया पर भगवान श्रीराम और माता सीता को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी का एक वीडियो सामने आते ही जिले में माहौल गर्मा गया। वीडियो में खुद को भीम आर्मी से जुड़ा बताने वाला आकाश सागर नाम का युवक आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करता दिखाई दे रहा है। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, शहर से देहात तक आक्रोश की लहर दौड़ गई।

वीडियो सबसे पहले एक्स (पूर्व ट्विटर) पर तेजी से शेयर हुआ। देखते ही देखते हजारों व्यूज और प्रतिक्रियाएं आने लगीं। विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने इसे आस्था पर सीधा प्रहार बताते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर डाली। कई लोगों ने

आरोपी आकाश सागर

पुलिस प्रशासन को टैग कर तुरंत गिरफ्तारी की मांग उठाई।

वीडियो वायरल होने के बाद जब मामला तूल पकड़ गया तो बताया जा रहा है कि युवक ने माफी मांग ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए दरोगा सतेंद्र कुमार ने हाफिजगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने वायरल वीडियो को साक्ष्य के तौर पर जुटाकर जांच शुरू कर दी है।

पशु, खाद और एम्स पर गरजे सांसद

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। आंवला से सपा सांसद नीरज मौर्य ने सोमवार को सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद में उन्होंने क्षेत्र की जमीनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है, लेकिन प्रदेश सरकार जनता के मुद्दों के समाधान में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उनका दावा था कि जनता हर स्तर पर परेशान है और इसी वजह से आने वाले समय में भाजपा की विदाई तय है।

सांसद मौर्य ने कहा कि आंवला क्षेत्र में छुट्टा पशुओं की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। किसान दिन-रात खेतों की रखवाली को मजबूर हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही खाद की किल्लत को लेकर भी

उन्होंने सरकार को घेरा। कहा कि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो रही, जिससे फसल उत्पादन पर असर पड़ रहा है। इन मुद्दों को उन्होंने संसद में भी उठाया है।

नीरज मौर्य ने कहा कि बरेली जैसे बड़े जिले में उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने बरेली में एम्स या पीजीआई स्तर के संस्थान की जरूरत बताते हुए कहा कि इस संबंध में उन्होंने कई बार पत्र लिखे हैं। लोगों की मांग भी यही है कि क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य ढांचा विकसित किया जाए, ताकि मरीजों को दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े।

अखिलेश सरकार में बना अस्पताल

सपा सांसद ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में बरेली में 300 बेड का अस्पताल बनवाया गया था। यदि उसकी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी जाएं तो बरेली सहित आसपास के जिलों के लोगों को बड़ा लाभ मिल सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने उस अस्पताल की हालत सुधारने में कोई गंभीर पहल नहीं की।

जनता के बीच उठ रही बड़ी स्वास्थ्य संस्थान की मांग

उन्होंने कहा कि उनके पास लगातार लोग आ रहे हैं और एम्स या पीजीआई जैसे बड़े अस्पताल के लिए पत्र लिखने की मांग कर रहे हैं। यह बताता है कि स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर जनता कितनी चिंतित है। सांसद ने भरोसा दिलाया कि वे जनता की आवाज संसद से लेकर संबंधित मंत्रालयों तक लगातार उठाते रहेंगे। मीडिया वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका बेहद अहम होती है। सरकार को जनता के हित में काम करना चाहिए और यदि कहीं कमी है तो उसे स्वीकार कर सुधार करना चाहिए।

सांसद ने स्मार्ट सिटी योजना पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि बरेली को स्मार्ट सिटी घोषित तो कर दिया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित विकास नजर नहीं आता। शहर की मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उनका आरोप था कि योजनाएं कागजों में सीमित रह गई हैं और आम जनता को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा।

होली पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट इमरजेंसी में बढ़ाए इंतजाम

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। रंगों का त्योहार होली नजदीक आते ही जिला स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। पिछले वर्षों के अनुभव को देखते हुए मारपीट, सड़क हादसे, आंखों में रंग जाने और एलर्जी जैसी घटनाओं की आशंका के बीच इस बार पहले से ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है। प्रशासन का साफ कहना है कि त्योहार की उमंग में यदि कोई अनहोनी होती है तो इलाज में देरी नहीं होने दी जाएगी।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अजय मोहन अग्रवाल ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड को अतिरिक्त बेड और जरूरी दवाइयों के साथ तैयार किया जा रहा है। सर्जिकल और ट्रामा टीम को 24 घंटे तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी घायल या गंभीर मरीज को तुरंत उपचार मिल

सके। एंटी-एलर्जिक दवाएं, आई ड्रॉप्स, इंजेक्शन, बैंडेज और मरहम का अतिरिक्त स्टॉक रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी सतर्क कर दिया गया है। मेडिकल ऑफिसरों को आपात स्थिति में तुरंत प्राथमिक उपचार देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीज को रेफर करने में समय न लगे। एंबुलेंस सेवाओं को भी प्रमुख स्थानों पर तैनात रखने की व्यवस्था की गई है।

बच्चे की बुनियादी शिक्षा में पूर्व प्राथमिक शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान : सुनील

● निपुण हुए बच्चों को अध्ययन किट देकर किया सम्मानित

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। सोमवार को सैदनगर ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल घाटमपुर में बेसिक शिक्षा विभाग के तत्वाधान में प्री प्राइमरी शिक्षा के तहत सैदनगर ब्लॉक स्तरीय हमारा आंगन-हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।सैदनगर के खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सक्सेना ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात कंपोजिट स्कूल घाटमपुर की ओर से सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत का सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सैदनगर के खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सक्सेना ने कहा कि बच्चों की बुनियादी शिक्षा में पूर्व प्राथमिक शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला और कहा कि पूर्व प्राथमिक शिक्षा एवं प्राथमिक शिक्षा में समन्वय अति आवश्यक है। शिक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं में समन्वय स्थापित कर बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं निपुण भारत मिशन के अंतर्गत पूर्व प्राथमिक शिक्षा एवं प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत कक्षा एक और दो के निर्धारित लक्ष्यों से जन समुदाय को अवगत कराना है।

पुरस्कार के साथ मौजूद बच्चे

प्रत्येक को-रिलेटेड आंगनबाड़ी केंद्र में 4 लर्निंग कॉर्नर बनाए गए हैं जिसमें शासन द्वारा धनराशि विद्यालयों में भेजी गई है। साथ ही साथ प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में आउट डोर प्ले मैटीरियल भी स्थापित किया गया है जिससे बच्चे के मानसिक विकास के साथ-साथ उसका शारीरिक विकास भी हो सके। स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम का भी संचालन किया जा रहा है जिससे कक्षा एक में आने वाले बच्चे विद्यालय के वातावरण से परिचित हो सके और विद्यालय के वातावरण में अपने आप को ढाल सके। एसआरजी और एआरपी ने कार्यक्रम के उद्देश्य को समझाया।

कार्यक्रम में सैदनगर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालयों से जुड़े हुए आंगनवाड़ी केंद्रों की आंगनबाड़ी कार्यत्रियों एवं प्रधानाध्यापकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों से 20 बच्चे और प्राथमिक विद्यालयों से कक्षा एक और दो के निपुण हुए 30 बच्चे सम्मिलित हुए, जिन्हें अध्ययन किट देकर सम्मानित किया गया।

यह लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एआरपी चंचल सिंह, हरीश कुमार, प्रभात कुमार, विजय मिश्रा, लक्ष्मण सिंह, अनीसा लतीफ, डॉ रिजवान, डॉ सुनील कुमार, मुजाहिद खान, नाजिम अली, चिरंजीव गुड्डू, सौरभ, नसरीन बी, शबनम आरा, मरियम , रेहान खान, सुखबीर, शाजिया बी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री रानी, दीप्ति, गजाला, अनीता, नजमा, जैनब, पूनम रानी, शहनाज, शशि गुप्ता, मलखान सिंह, आदित्य वर्मा, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एसआरजी डॉ सरफराज अहमद ने किया।

शासन-प्रशासन के खिलाफ किसानों का कलेक्ट्रेट में धरना

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। भारतीय किसान संघ ने किसानों और ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

संगठन के अनुसार बिजनौर जिले में निमार्णाधीन मेरठझपौड़ी हाईवे पर बैराज के पास हेमराज कॉलोनी चौराहे पर ग्रामीण पिछले 9 महीने से अंडरपास की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना दे रहे थे। आरोप है कि आश्वासन के बावजूद एनएचएआई व जिला प्रशासन ने कुछ राजनीतिक व भू-माफिया तत्वों के दबाव में धरना हटवाया और ग्रामीणों को रातभर नजरबंद रखा गया।किसानों पर दर्ज मुकदमों को निंदनीय बताते हुए संगठन ने दोषी अधिकारियों को हटाने और सभी मुकदमे वापस लेने की मांग की है। शाहबाद खंड के ग्राम मतवाली में कच्चे नाले को दबंगों द्वारा पाटने का आरोप लगाया गया है। इससे गंदा पानी किसानों के खेतों में भर रहा है और फसलें खराब हो रही हैं। संगठन ने नाला खुलवाकर पक्का निर्माण कराने की मांग की है। किसान क्रेडिट कार्ड पर 5 लाख रुपये तक कम ब्याज पर ऋण की सरकारी घोषणा के बावजूद बैंकों द्वारा केवल 3 लाख तक ही रियायती ब्याज देने का आरोप लगाया गया है। संगठन ने इसे किसानों को गुमराह करने वाला मामला बताते हुए जांच की मांग की है। मिलक क्षेत्र के ग्राम मदा नगला में मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए बताया कि ग्रामीण न्यायालय से मुकदमा जीत चुके हैं, लेकिन अभी तक कब्जा नहीं हटाया गया। कर्मचारियों की मिलीभगत का भी आरोप लगाया है। जनपद में आवारा गौवंश द्वारा फसलों को लगातार नुकसान पहुंचाने का मुद्दा भी उठाया गया है। संगठन ने संबंधित अधिकारियों पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की ।

टीईटी से मुक्ति के लिए काली पट्टी बांध कर किया दायित्वों का निर्वहन : चरन

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। आंदोलन के दूसरे चरण में वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी से मुक्ति के लिए सोमवार को टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिनेश चंद्र शर्मा एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ महिला शिक्षक संघ के संयुक्त तत्वाधान में पूरे प्रदेश के अंदर काली पट्टी बांधकर शिक्षकों के द्वारा टीईटी मुक्ति के लिए विरोध किया जाने के निर्देश दिए। उसी के क्रम में जिले के सभी शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर अपने दायित्वों का निर्वहन किया प्राप्त निदेशों के अनुसार काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराने का कार्यक्रम 25 फरवरी तक चलेगा। चरन सिंह जिला मंत्री उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर एसआईआर , बीएलओ एवं बोर्ड परीक्षा विभिन्न जगहों पर विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कार्य कर रहे शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध करने का काम किया।इस मौके पर नरेंद्र सैनी, प्रदीप भटनागर, परितोष चौहान, अनुसेंद्र चौहान, अंजुम सक्सेना, प्रकाश प्रसन्न प्रकाश,राणा तलत, मुजीब कमल, नीतू, आनंद कुमार, अरुण कुमार, राखी सागर, अनुराधा मौर्य, पूनम आनंद, सुरेंद्र यादव शिक्षकों के साथ हजारों शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज किया।

स्कूल में काली पट्टी बांधे खड़े शिक्षक

टीईटी अनिवार्य किए जाने के विरोध में शिक्षकों ने शुरू किया आंदोलन

● काली पट्टी बांधकर जताया आक्रोश

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक)शिक्षक संघ ने अपने प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार,आरटीई एक्ट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के विरोध में एक बड़ा आंदोलन शुरू किया है। इसी के क्रम में सोमवार से जनपद के सभी शिक्षकों ने दाहिनी भुजा पर काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया। जिससे उनकी इस मुद्दे पर विरोध और असंतोष व्यक्त किया जा सके।

इस विरोध प्रदर्शन का एक हिस्सा कल एक्स पर भी दिखा, जब शिक्षकों ने अपना विरोध प्रदर्शन एक्स पर टॉप ट्रेंडिंग में लाने के लिए एक अभियान चलाया। इस अभियान के तहत, शिक्षकों ने अपने विचार और विरोध व्यक्त करने के लिए एक्स पर पोस्ट किए, जिससे यह मुद्दा व्यापक रूप से ध्यान में आ सके।उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल(पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ, रामपुर के इस आंदोलन का उद्देश्य सरकार से इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने और शिक्षकों के हितों की रक्षा कराना है। शिक्षकों का कहना है कि आरटीई एक्ट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट दी जानी चाहिए।संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ. राजवीर सिंह और जिला महामंत्री अंजुम सक्सेना ने बताया कि 25 फरवरी तक दाहिने हाथ पर काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया जाएगा। 26 फरवरी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना और पैदल मार्च करते हुए जिला अधिकारी प्रधानमंत्री भारत सरकार को ज्ञापन दिया जाएगा। अगर उस पर भी टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त नहीं किया जाता है तो पूरे देश के शिक्षक मिलकर दिल्ली के रामलीला मैदान में मार्च में महा रैली करने को मजबूर होंगे।

काली पट्टी बांधकर आक्रोश जताते शिक्षक

हादसे में घायल हुए ग्रामीण की उपचार के दौरान मौत

सैदनगर। रविवार को हुए हादसे में उपचार के दौरान एक ग्रामीण ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। हालांकि परिजनों के मना करने पर पोस्टमार्टम से इंकार कर दिया। दोपहर बाद शव को दफन कर दिया गया। हादसा अजीमनगर थाना क्षेत्र के करनपुर पेट्रोल पंप के पास हुआ था। खेमपुर इमरती निवासी हाजी अली अहमद और मुख्तियार अली किसी काम से करनपुर पुलिया पर गए थे। दोनों को देख इमरता निवासी हिफजे अली ने अपनी बाइक उनके पास रोक ली। तीनों लोग सड़क किनारे खड़े होकर बात करने लगे थे। सामने से आ रही अनियंत्रित कैंटर ने तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ग्रामीणों ने कैंटर का पीछा किया तो चालक अपना वाहन छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने सभी घायलों को निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने मुख्तियार अली उम्र 60 वर्ष को देखते ही मृत घोषित कर दिया। परिजन मृतक का शव लेकर घर पहुंचे तो कोहराम मच गया। घर के चारों ओर से चीखने और चिल्लाने की आवाज आने लगी। जबकि हादसे में घायल हुए हाजी अली अहमद को निजी अस्पताल मे भर्ती कराया था। जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बिना शव का पोस्टमार्टम कराएं परिजनों के हवाले कर दिया। जहां सभी का रो रोकर बुरा हाल है।

परीक्षा देने जा रहे छात्र को मारी टक्कर, घायल

सैदनगर। अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव हकीमगंज निवासी रेहान बाइक से सोमवार सुबह कक्षा 10 की परीक्षा देने के लिए रामपुर आ रहा था कि मंडी समिति के सामने से आ रही कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। हादसे के बाद आस पास के लोग मौके पर आ गए। उसके बाद छात्र को घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार चल रहा है। हादसे के बाद काफी देर तक मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित रही।

सरकारी जमीनों से दबंगों का कब्जा हटाए प्रशासन: उस्मान

धमोरा। सोमवार को किसान यूनियन का एक प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रीय महासचिव उस्मान अली पाशा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचा।वहां पर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसके चलते ज्ञापन में दबंगों से सरकारी जमीन कब्जा मुक्त करने जिले में नकली कृषि रसायन की बिक्री रोकने बैंकों में किसानों का शोषण रोकने बिना मानक के चल रही पीलिंग तथा आरा मशीनों को बंद कराने शहरी गरीबों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिलाने आदि मांगे शामिल हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव उस्मान अली पाशा ने कहा कि ग्राम भंडपुरा तहसील सदर में राजस्व अभिलेखों में 16 तालाब हैं। जबकि मौके पर केवल चार तालाब हैं। बाकी तालाबों पर लेखपाल आदि से मिली भगत कर दबंगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। उन्होंने सरकारी जमीन कब्जा मुक्त कराकर दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में जकी अहमद, नवेद खान, लालता प्रसाद, बबलू, जाकिर, जुनैद खान, बब्बू समेत किसान यूनियन के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

कॉलोकेटेड आंगनबाड़ी के निपुण छात्र सम्मानित

रामपुर। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत ब्लॉक स्तरीय हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम ब्लॉक संसाधन केंद्र चमरौआ शंकरपुर के परिसर में आयोजित किया।कार्यक्रम में ब्लॉक क्षेत्र के सभी कॉलोकेटेड आंगनबाड़ी के निपुण छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी बबीता सिंह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि निपुण भारत मिशन के तहत बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना प्राथमिकता है।शिक्षकों आंगन बाड़ी कार्यकताओं से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की अपील की।मुख्य अतिथि बाल विकास परियोजना अधिकारीक्रांति गंगवार ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के समन्वय से ही शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने निपुण छात्रों को बधाई दी।मंच संचालन एआरपी वरुण आर्य, पारितोष कुमार, अरुण कुमार द्वारा किया गयो कार्यक्रम में प्रदीप भटनागर ने प्री प्राइमरी शिक्षा में किए जा रहे सभी प्रयासों को विस्तार से बताया।इस मौके पर एआरपी वरुण आर्य, महेश कुमार, अंजुम सक्सेना, जिला चरण सिंह, प्रदीप भटनागर, अनुसेंन्द्र चौहान, पूनम आनंद, फिरासत खान, विवेक, सुहैब, रखी सागर, दीपा चौहान, विशाली सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के निधन पर पहुंचे नकवी, परिवार को दी सांत्वना

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी सोमवार को सिविल लाइन में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश मिश्रा के निधन पर उनके कचहरी रोड स्थित घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त कर परिवार को सांत्वना दी। राकेश मिश्रा के कचहरी रोड स्थित आवास पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि राकेश मिश्रा बेहतरीन शख्स और बेमिसाल शख्सियत एवं मेरे अभिन्न साथी थे। उनके निधन से मैं व्यथित हूं। राकेश का सामाजिक, सांस्कृतिक, सियासी सफर हम सबके लिए सबक संदेश रहा है। स्वर्गीय राकेश मिश्रा की पत्नी एवं दोनों पुत्रियां से मिलकर सांत्वना दी। और मृत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख, भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी, पूर्व मंत्री शिव बहादुर सक्सेना, विधायक आकाश सक्सेना, चंद्रपाल सिंह, ज्वाला प्रसाद गंगवार, बीना भारद्वाज, जुगेश अरोड़ा कुक्कू, हंसराज पप्पू, भारत भूषण गुप्ता, श्रीष गुप्ता, पंकज लोधी, संजय पाठक, सुभाष भटनागर, जागेश्वर दयाल दीक्षित, वेद आहूजा, कपिल आर्य, चंद्र प्रकाश शर्मा, अवधेश शर्मा, मोहन लोधी, सौरभ लोधी, राजू शर्मा, मुन्नी देवी गंगवार, अशोक विश्नोई, दिलीप अरोड़ा, मुकेश आर्य, गोपाल गुप्ता, नरेंद्र गंगवार, देवेश गुप्ता, ऋषि पांडे, योगेंद्र चौहान, समर सिंह चौहान, सतनाम सिंह, दिनेश शर्मा, विकास दीक्षित, विक्रम सिंह,ओम प्रकाश लोधी, आशु गुप्ता आदि उपस्थित रहे।राकेश मिश्रा रामपुर सरार्फा कमेटी के 20 साल तक महामंत्री रहे। 2000 में भाजपा के जिला अध्यक्ष रहे।

परिजनों को सांत्वना देते भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी

टाइम बॉन्ड प्रैक्टिस से मिलेगी शत प्रतिशत सफलता : मयंक अग्रवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। सेंट पॉल्स स्कूल के अर्थशास्त्र के वरिष्ठ प्रवक्ता मयंक अग्रवाल सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 12 के विषय इकोनॉमिक्स (अर्थशास्त्र) के दो भाग होते हैं। पहला भाग मैक्रो इकोनॉमिक्स और दूसरा भाग इंडियन इकोनोमिक डेवलपमेंट। दोनों ही भागों के लिए विशेष प्रकार से तैयारी करना अत्यंत आवश्यक है।

मैक्रो इकोनॉमिक्स की तैयारी के लिए उसके महत्वपूर्ण अध्यायों जैसे राष्ट्रीय आय , मुद्रा और बैंकिंग , सरकारी बजट , भुगतान संतुलन तथा आय और रोजगार निर्धारण विशेष रूप से तैयार करें। इस भाग की तैयारी को सुदृढ़ बनाने के लिए फामूर्ले जो भी हमारे विषय से सम्बन्धित है उनको भली भांति याद करें।ग्राफ का अच्छे से अभ्यास करें।आंकिक प्रश्नों को अर्थात न्यूमेरिकल्स को ज्यादा से ज्यादा हल करें। परिभाषाएं एक दम सटीक लिखें। इंडियन इकोनोमिक डेवलपमेंट की तैयारी के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था 1950-1990 , आर्थिक सुधार , मानव पूंजी निर्माण , ग्रामीण विकास , पर्यावरण और सतत विकास तथा रोजगार जैसे मुख्य अध्यायों का अधिक से अधिक अभ्यास करें ताकि कोई भी टॉपिक अछूता न रहे। योजनाओं के नाम और उनकी विशेषताओं को ध्यान रखें।उनका उचित स्थान पर वर्णन करें। तुलना वाले प्रश्नों की विशेष रूप से तैयारी करें। लघु उत्तरीय प्रश्नों को बिंदुओं के माध्यम से लिखें। उत्तर पुस्तिका के लेखन में हैंडराइटिंग का विशेष ध्यान रखें। प्रश्नों के उत्तरों से संबंधित हेडिंग्स और सब हेडिंग का प्रयोग करें। महत्वपूर्ण शब्दों को रेखांकित करें। प्रश्नों के अंकों के अनुसार उनका उत्तर लिखें। ग्राफ को बनाते हुए स्पष्ट ग्राफ बनाएं जिसमें लेबलिंग सही से की गई हो टाइम मैनेजमेंट का विशेष ध्यान रखें । पूरा प्रश्नपत्र हल करने का प्रयास करें।आखिर का समय उत्तर पुस्तिका के रिवीजन के लिए अवश्य बचाएं।

चकबंदी प्रक्रियाधीन ग्रामों में 28 फरवरी तक आयोजित होंगे चौपाल कार्यक्रम

● किसानों की समस्याओं एवं सुझावों पर होगा सीधा संवाद

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। चकबंदी प्रक्रियाधीन ग्रामों में समुचित प्रचार-प्रसार के उपरांत चकबंदी आयुक्त उत्तर प्रदेश, उप संचालक चकबंदी, बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी एवं चकबंदी अधिकारी द्वारा 28 फरवरी तक जनपद के विभिन्न ग्रामों में अनिवार्य रूप से ग्राम चौपाल आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

जनपद के चकबंदी प्रक्रियाधीन ग्रामों में चौपाल आयोजित होंगी। जिनमें उप संचालक चकबंदी जंगबहादुर यादव द्वारा 25 फरवरी को दोपहर 3 बजे से ग्राम गजरौला, पंचायत भवन गजरौला तथा 27 फरवरी को ग्राम बेरखेड़ा, पंचायत भवन बेरखेड़ा में ग्राम चौपाल आयोजित की जाएगी। बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी संजय कुमार द्वारा 27 फरवरी को दोपहर 3 बजे से ग्राम गदईया नसीमगंज, गुरुद्वारा प्रांगण में तथा चकबंदी अधिकारी आदित्य कुमार द्वारा 25 फरवरी को दोपहर 3 बजे से ग्राम तेलीपुरा, प्राइमरी पाठशाला प्रांगण में एवं चकबंदी अधिकारी चरन सिंह द्वारा 24 फरवरी को ग्राम सद्दीकनगर, ग्राम पंचायत घर सद्दीकनगर में तथा 26 फरवरी 2026 को दोपहर 03:00 बजे से ग्राम चमरा, प्राइमरी पाठशाला प्रांगण में चौपाल आयोजित की जायेगी। इन ग्राम चौपालों में किसानों एवं चकबंदी समिति के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना जाएगा। ग्राम की चकबंदी योजना को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण किया जाएगा। ग्राम वासियों से अपील की गई है कि वे चकबंदी योजना में पूर्ण सहयोग प्रदान करें, ताकि तैयार की जाने वाली चकबंदी योजना से सभी किसान सार्थक रूप से लाभान्वित हो सकें।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को रौंदा, एक की मौत

● सिविल लाइस थाना क्षेत्र के भमरौआ बाइपास पर हुआ हादसा

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर को बाइक सवार भाई बहनों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।जिसमें एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। जहां दो की हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव हरदापुर कोठरा निवासी रितिक अपने दोस्त अजय और बहन बबली के साथ बाइक से धमोरा में रहने वाले जीजा के यहां पर काम से सोमवार दोपहर को जा रहे थे कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में स्थित भमरौआ बाईपास पर पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसके बाद तीन लोगों को घायल अवस्था में सड़क किनारे गिर गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौका पाकर फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना के बाद पुलिस भी आ गई। उसके बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। जबकि भाई बहन रितिक और बबली का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद पुल के ऊपर जाम भी लग गया था। जिसके बाद पुलिस ने जाम को खुलवाया। सूचना मिलने के बाद परिजन भी आ गए। जहां सभी का रो रोकर बुरा हाल है।

घायल रितिक

घायल बबली

हाईवे पर तेजी से दौड़ रहे वाहन बन रहे मौत का कारण

रामपुर-हाईवे पर तेजी से दौड़ रहे वाहन मौत का कारण बन रहे हैं। बाइक सवारों का चलना तक दुश्वार हो गया है। रोजाना आए दिन किसी न किसी थाना क्षेत्र में हादसा होता रहते हैं। पुलिस वाहन चालकों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। दो दिन पहले भी एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। जिसमें एक युवक की मौत हो गई थी। अब सोमवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें एक युवक की मौत हो गई। दो लोग घायल हो गए।

एक ही मंडप में 11 बेटियों के सपनों को मिला आसमान

- विधायक ने नारियल फोड़कर बारात को किया रवाना

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। सामाजिक सरोकारों की मिसाल पेश करते हुए लायंस क्लब रामपुर रॉयल ने 11 कन्याओं के विवाह का भव्य आयोजन कर शहर को भावुक कर देने वाला दृश्य दिया। यह सिर्फ एक सामूहिक विवाह नहीं था, बल्कि 11 परिवारों की उम्मीदों, आशीर्वाद और नई शुरूआत का उत्सव था।

समारोह की शुरूआत रंगोली मंडप से 11 दूल्हों की भव्य बारात के साथ हुई। शहर विधायक आकाश सक्सेना ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर बारात को रवाना किया। बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों की गूंज उठी, पूरा माहौल उत्सव में

कोसी मंदिर स्थित उत्सव पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में शामिल दूल्हा।

बदल गया। बारात स्टेट बैंक, राजद्वारा, मिस्टन गंज, चौकी हाजियानी से होते हुए सराय गेट के रास्ते उत्सव पैलेस पहुंची। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया गया। सजी-धजी बग्गियों पर विराजमान दूल्हों का रूप सचमुच देवताओं सा प्रतीत हो रहा था। क्लब के सदस्य पूरे जोश के साथ नृत्य करते हुए चल रहे थे। मानो शहर की हर सड़क इस खुशी में शामिल हो गई हो। उत्सव पैलेस पहुंचने पर क्लब की महिला सदस्यों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ बारात का स्वागत किया। इसके बाद शुरू हुआ बहुप्रतीक्षित जयमाला कार्यक्रम। 11 दुल्हनों का आकर्षक श्रृंगार सरिता विश्नोई द्वारा किया गया था, जिससे वे स्वर्ग की अप्सराओं सी दमक रही थीं। महिला सदस्य एक-एक कर दुल्हनों को मंच पर ला रही थीं और जैसे ही जयमाला की रस्म पूरी होती, पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता। कार्यक्रम में संरक्षक पूर्व मंत्री शिव बहादुर सक्सेना, विशिष्ट अतिथि के रूप में लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विनय सिसोदिया, पंकज बिजलवान, आदित्य गुप्ता ने शामिल होकर सभी वर वधू को आशीर्वाद दिया। मंच पर विराजमान 11 नवविवाहित जोड़ों को शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और समाजसेवियों ने आशीर्वाद स्वरूप उपहार भेंट किए। इस अवसर पर डॉ. अजय सिंहल एवं डॉ. मुक्ता सिंहल ने एक कन्या का विधिवत कन्यादान कर पुण्य अर्जित किया। विदाई का पल आते ही माहौल भावुक हो उठा। भीगी पलकों और भर्राए गलों के बीच बेटियों को घरेलू उपयोगी और आवश्यक सामान देकर ससम्मान विदा किया गया। यह दृश्य हर किसी की आंखें नम कर गया।कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष सोमेश अग्रवाल, सचिव राजेश गोयल और कोषाध्यक्ष सरदार हरजिंदर सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन अंकित रस्तोगी ने प्रभावशाली अंदाज में किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शलभ गोयल ने की। इस अवसर पर दीपक गोयल, सुमित अग्रवाल, दीपक जिंदल, पारस जिंदल, शंकर केडिया, सरदार रणजीत सिंह, कुमोद जिंदल, नितिन गोयल, सौरभ अग्रवाल, अमित अग्रवाल, सुनील भगत, इंद्रजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला सदस्य और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

शहजादनगर में शादी समारोह में कॉफी मशीन फटने से युवक घायल, दिल्ली रेफर

जागरण मोर्चा कार्यालय

धमोरा। शहजादनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी समारोह में चल रहे खाने के दौरान अचानक से कॉफी मशीन फट गई। जिससे मशीन चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को आनन फानन में निजी चिकित्सक के यहां भेज दिया गया।

मामला थाना क्षेत्र के रामी की मड़ैया गांव का है। ग्रामीण मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता है। ग्रामीण के यहां उसकी बेटी की शादी थी। जोकि बीते दिन रविवार की देर रात बारात बड़े ही धूम धाम से ढोल बाजे के साथ चल रही खुशियों पर पानी फिर गया। शादी समारोह में खाना के साथ बना रहे बावर्चियों द्वारा पड़ोसी जा रही कॉफी ने बारात में भगदड़ मचा दी। बताया जा रहा है कि शादी में खाना बनाने ठेका क्षेत्र के ही मगरमऊ गांव निवासी सुरेश ने ग्रामीण के यहां शादी में खाना बनाने का ठेका लिया था। इस दौरान सुरेश शादी में कॉफी मशीन लगाने के लिए अपने साथ कमोरा गांव निवासी कुलदीप पुत्र बाबूराम को ले गया। शादी में सब कुछ ठीकठाक चल रहा था। लेकिन कॉफी मशीन में स्टीम ज्यादा बनने के कारण मशीन अचानक फट गई। शादी समारोह में कॉफी मशीन फटते ही अफरा तफरी का माहौल बना गया। जबकि कॉफी परोस रहे युवक के ऊपर गर्म स्टीम भाप लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मशीन के पुर्जे उसकी आंख पर लगने से आंख फट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल कुलदीप को आनन फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। लेकिन उसकी हालत नाजुक देख बेहतर उपचार के लिए बरेली एक नामचीन अस्पताल में भर्ती करा दिया। लेकिन आंख का मामला नाजुक देख चिकित्सक ने दिल्ली ऐम्स भेज दिया है। कॉफी मशीन युवक की हालत बेहद नाजुक होने के बाद युवक का दिल्ली ऐम्स में उपचार चल रहा है।

आभा आईडी से पर्चे कम बनने पर सीएमएस तलब

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। जिला अस्पताल में आभा आईडी से मरीजों के पर्चे कम बनने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने नाराजगी जताई। पर्चे कम बनने पर काउंटर पर तैनात कर्मचारियों से पूछा गया। तो इस पर काउंटर पर तैनात कर्मचारियों ने बताया कि स्टॉफ कर्मियों को प्रशिक्षित किया था। उनको जिला अस्पताल प्रशासन ने कहीं ओर वार्ड में लगा दिया गया है। इस पर सीएमएस ने संबंधित को निर्देशित किया कि प्रशिक्षित कर्मियों को पर्चा काउंटर पर तैनात किया जाए। जानकारी में यह भी आया है कि शासन स्तर से आभा आईडी से पर्चे कम बनने पर सीएमएस से स्पष्टीकरण मांगा गया है। डिजिटल इंडिया एवं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा जिला अस्पताल में लागू की गई डिजिटल आभा आईडी प्रणाली मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध है। इस व्यवस्था के माध्यम से मरीज घर बैठे आभा आईडी ऐप द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण पर्चा बना सकते हैं। इसके लिए मरीज को प्ले स्टोर से आभा आईडी का ऐप को डाउनलोड करके दिए गए विकल्पों का चयन करके पर्चा बन सकता है। लेकिन देखने में यह आया है कि आभा आईडी से पर्चे कम बन रहे हैं। इस मामले में सीएमएस को भी शासन से तलब स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

316 समूहों को मिला 4.54 करोड़ का बूस्टर डीएम ने 3500 महिलाओं को बनाया एंबेसडर

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बरेली रोड स्थित भारत गार्डन में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। सम्मेलन में जिले भर से आईं करीब 3,500 महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र और मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चन्द्र ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यशाला में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए करोड़ों रुपये का फंड भी वितरित किया। हर गांव से आईं पांच महिलाएं, बनीं पंचायत की एंबेसडर।

कार्यशाला को व्यापक रूप देने के लिए जनपद की प्रत्येक ग्राम पंचायत से पांच-पांच महिलाओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जिसमें लगभग 3,000 से 3,500 महिलाओं ने भारी उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित मातृ शक्ति को संबोधित करते हुए उन्हें

अपनी-अपनी ग्राम पंचायत का श्एंबेसडर (राजदूत) घोषित किया। उन्होंने अपील की कि ये सभी एंबेसडर महिलाएं अपने गांवों में जाकर ऐसी ही कार्यशालाएं आयोजित करें और अन्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें।

योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठी महिला तक पहुंचे, इसके लिए डीएम ने सभी खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) को निर्देशित किया है कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर भी इसी तरह की जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित करें। कार्यक्रम में बांटी गई बुकलेट का जिक्र करते हुए डीएम ने कहा कि महिलाएं इसका गहराई से अध्ययन करें और इसमें दिए गए हेल्पलाइन नंबरों को जनसामान्य तक पहुंचाएं।महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्यक्रम के दौरान बड़ा कदम उठाया गया। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत जिले के 275 सीआईएफ (कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड) समूहों को 4.42 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए गए। इसके साथ ही 41 आरएफ (रिवॉल्विंग फंड) समूहों को भी 12.50 लाख रुपये की धनराशि दी गई।

बाल सेवा योजना के तहत मिलते हैं 2500 रुपये डीएम

रामपुर। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी अहम योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का विशेष रूप से जिक्र करते हुए बताया कि जिन बच्चों के माता-पिता या किसी एक अभिभावक का निधन हो गया है, या परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है (या अभिभावक गंभीर रूप से बीमार हैं), ऐसे बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक सरकार की तरफ से 2500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। वहीं, पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने भी महिलाओं से इन योजनाओं का खुद लाभ उठाने और अन्य जरूरतमंदों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।भारत गार्डन में महिलाओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा विशेष स्टॉल लगाए गए थे, जहां दिनभर भारी भीड़ उमड़ी रही। महिला कल्याण विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, समाज कल्याण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्राम विकास विभाग, व्यावसायिक शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग और पंचायती राज विभाग ने अपने-अपने स्टॉल लगाकर महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में उन महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जो समाज में एक नई मिसाल पेश कर रही हैं। हाईटेक तकनीक से मशरूम का बेहतरीन उत्पादन कर रहीं कृषक रचना चौहान को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वे खुद स्वावलंबी बनने के साथ-साथ अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। शासन की योजनाओं का निर्बाध लाभ सुनिश्चित करने के लिए लाभार्थी सीमा, शरमीन और फूलवती को मौके पर ही फैमिली आईडी कार्ड सौंपे गए।अधिकारियों का भी हुआ सम्मानः महिलाओं और बच्चों के कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला प्रोबेशन अधिकारी ईरा आर्या, वन स्टॉप सेंटर की संचालक चांद बी और एसओ निशा सिंह को भी उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

राम-रहीम पुल पर आज से नहीं जाएंगे भारी वाहन

रामपुर। शाहबाद-बाजपुर मार्ग स्थित राम रहीम पुल की मरम्मत,बेयरिंग बदलना, ज्वाइंटस को बदलना को कार्य 24 फरवरी से शुरू कराया जा रहा है। इसलिए भारी वाहनों को आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। ज्वाला नगर रेलवे क्रॉसिंग पर आए दिन होने वाले हादसों को रोकने एवं फाटक बंद होने की वजह से लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए शासन ने वर्ष 1999 में पुल को मंजूरी दी थी। जिसके बाद 2006 में यह पुल बनकर तैयार हो गया और लोगों के लिए खोल दिया गया था। 20 वर्ष बीतने के बाद भी पुल पर अब तक एक भी बार मरम्मत कार्य नहीं हुआ है। जिस कारण बरसात के दिनों में जगह-जगह से पुल की सड़क धंस जाती है। ऐसे में लोगों को आवागमन में दिक्कतें होती हैं। जनता की समस्याओं को देखते हुए शहर विधायक आकाश सक्सेना ने पुल की मरम्मत के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा था। जिसे बीते माह मंजूरी मिल गई थी। लोक निर्माण विभाग की ओर से पुल की मरम्मत के लिए करीब 2.29 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अधिशासी अभियंता गौरव सिंह ने बताया कि पुल की मरम्मत का काम करीब छह माह तक चलेगा। जिसमें से तीन माह तक पुल पर आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा।

शाहबाद में 25 हजार के इनामी गौकश गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहबाद। पुलिस ने गोकशी के मामले में कई माह से फरार चल रहे 25 हजार के इनामी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शाहबाद पुलिस के द्वारा आरोपी पर हिस्ट्रीशीटर की भी कार्यवाही की गई थी।

बताते चलें कि बीते साल 23 नवंबर को थाना क्षेत्र के ढकिया गांव में गोवंशीय पशु का वध कर अवशेष जंगल में फेंकने के मामले में शाहबाद थाने पर केस दर्ज किया गया था। 26 नवंबर को पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो आरोपी सुभान पुत्र सलामत निवासी मोहल्ला नालापार शाहबाद और परवेज पुत्र रहीश निवासी नई बस्ती थाना बिसौली जनपद बदायूं को दबोच लिया गया। जबकि अंधेरे का फायदा उठाते हुए तीन आरोपी नन्हे, महफूज और शरीफ मौके से फरार हो गए। पुलिस मुठभेड़ के संबंध में शाहबाद थाने पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया।मौके से भागे आरोपी शरीफ पुत्र सूखा निवासी ग्राम ओसी थाना शाहबाद ने 24 दिसम्बर को कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं 16 दिसंबर को शाहबाद पुलिस के द्वारा आरोपी नन्हे पुत्र शरीफ निवासी मोहल्ला कस्सवान थाना शाहबाद को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। मुकदमे में बचा हुआ आरोपी महफूज पुत्र महबूब निवासी मोहल्ला नालापार थाना शाहबाद कई माह तक पुलिस की चकमा देकर छिपते- छिपाते नशामुक्ति के बहाने फरार चल रहा था।

पुलिस अधीक्षक के द्वारा फरार आरोपी महफूज की तुरंत गिरफ्तारी के लिए उस पर 25 हजार का ईनाम घोषित करते हुए शाहबाद थाने से हिस्ट्रीशीटर की कार्रवाई की गई। सोमवार को शाहबाद पुलिस ने 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर महफूज पुत्र महबूब निवासी मोहल्ला नालापार थाना शाहबाद को मुखबिर की सूचना कर मुरादाबाद के रामपुर दोराहा काशीपुर रोड स्थित न्यू लाइफ केयर नशा मुक्ति केंद्र से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। पुलिस ने 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर महफूज की निशानदेही पर 315 बोर का तमंचा मय कारतूस के बरामद किया। गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाल प्रदीप कुमार, एसआई अतिशय जैन, एसआई रमेश चंद्र आदि रहे।

25 हजार के इनामी का रहा अपराधिक इतिहास

शाहबाद। 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर महफूज का अपराधिक इतिहास रहा है। उस पर शाहबाद और बिलारी थाने पर गैंगस्टर एक्ट में केस दर्ज है। कोतवाल प्रदीप कुमार ने बताया कि 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर महफूज पर अलग अलग जनपदों में 13 केस दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन की हुई कार्रवाई

रामपुर। राजस्व ग्राम टंडोला, तहसील टांडा में अवैध रूप से विकसित की जा रही प्लाटिंग के विरुद्ध प्रशासन द्वारा कठोर कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार गाटा संख्या 453 रकबा 0.7850 हेक्टेयर, गाटा संख्या 453/489 (रकबा 0.0650 हेक्टेयर) एवं गाटा संख्या 455 (रकबा 0.1010 हेक्टेयर) पर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के की जा रही अवैध प्लाटिंग को राजस्व विभाग एवं नगर पालिका परिषद की संयुक्त टीम द्वारा नियमानुसार ध्वस्त कराया।

शन्नो बी ने किया नेट पास

रामपुरः ग्राम खिजरपुर के निवासी हमीद अली की सुपुत्री शन्नो बी ने यूजीसी जेआरएफ नेट 2025 परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 33 प्राप्त कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

इस उल्लेखनीय सफलता से पूरे परिवार एवं ग्राम वासियों में हर्ष और उत्साह का वातावरण है।शन्नो बी की इस उपलब्धि पर परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है।

रामपुर रियासत के अंतिम शासक की बेटी नवाबजादी बिरजीस लका बेगम का निधन

- दिल्ली में हुआ इंतकाल, गमगीन माहौल में जामिया मिल्लिया इस्लामिया कब्रिस्तान हुई सुपुदेर्खाक

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। रियासत के अंतिम शासक नवाब रजा अली खां की बेटी नवाबजादी बिरजीस लका बेगम का इंतकाल हो गया। उनके निधन से शाही परिवार को गहरा दुख पहुंचा है। नवाबजादी बिरजीस लका बेगम की तीन बेटियां हैं।

पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां के पीआरओ काशिफ खां ने बताया कि नवाबजादी बिरजीस लका बेगम का जन्म रामपुर में 20 जनवरी 1934 को हुआ था। 23 फरवरी 2026 को उन्होंने दिल्ली में आखिरी सांस ली। सोमवार को

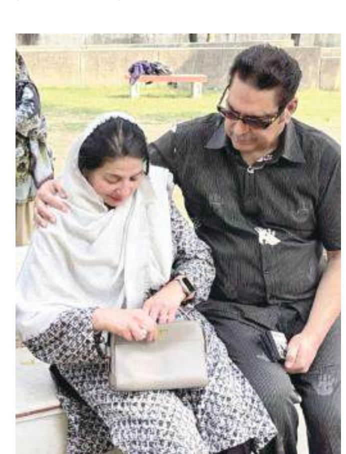

दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया कब्रिस्तान में नवाबजादी बिरजीस लका बेगम की बेटी यासमीन मोहिउद्दीन के साथ नवेद मियां

ही उन्हें दिल्ली स्थित जामिया मिल्लिया इस्लामिया कब्रिस्तान में गमगीन माहौल में सुपुर्दे खाक किया। उनकी तदफीन में काफी लोग शामिल हुए। नवाबजादी के निधन से रामपुर के शाही खानदान के लोगों को गहरा दुख पहुंचा है। दफन में शामिल हुए अंतिम शासक के पौत्र पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने अपनी फूफी के निधन को पूरे परिवार के लिए एक बड़ी क्षति बताया है। अंतिम शासक की बहू पूर्व सांसद बेगम नूरबानो ने भी नवाबजादी बिरजीस लका बेगम के निधन पर गम का इजहार किया है।

नवाब रजा अली खां के तीन पुत्र नवाबजादा मुर्तजा अली खां, नवाबजादा जुल्फिकार अली खां उर्फ मिक्की मियां और नवाबजादा आबिद अली खां उर्फ सलीम मियां थे। तीनों ही अब इस दुनिया में नहीं हैं। अंतिम शासक की छह बेटियों में नवाबजादी बिरजीस लका बेगम तीसरे नंबर की पुत्री थीं। इनसे पूर्व नवाबजादी खुर्शीद लका बेगम, नवाबजादी कमरलका बेगम और नवाबजादी मेहरुन्निसा बेगम का निधन हो चुका है।

ऐसे महापुरुष जो होते वो किसी एक जाति और एक बिरादरी के नहीं बल्कि सभी के होते : बलदेव

बिलासपुर। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि वर्गों को बांटने का काम नहीं ऐसे महापुरुष जो होते हैं,वो किसी एक जाति और एक बिरादरी के नहीं बल्कि सभी के होते हैं। राज्यमंत्री सोमवार की दोपहर नगर के मुख्य चौराहे पर नगर पालिका परिषद की ओर से आयोजित नव निर्मित श्री महाराजा अग्रसेन चौक के भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह में संबोधित कर रहे थें। उन्होंने कहा कि यह खुशी के बात है कि महाराजा अग्रसेन चौक का भूमि

पूजन हुआ,जल्द ही उद्घाटन भी होगा।वह इसे और भी भव्य बनाने का काम करेंगे। पालिकाध्यक्ष चित्रक मित्तल ने कहा कि महापुरुषों को भी हमने जातियों में बांट दिया है,जबकि महापुरुष तो,वो है जो महान है। जिन्होंने राष्ट्र,अपनी संस्कृति और अपने सनातन की रक्षा के लिए अपने प्राणों को त्याग दिया।उन्होंने आग्रह किया कि ऐसे महापुरुषों को जातियों में बांटना उचित नही।कहा कि हम महापुरुषों-गुरुओं को मानते तो है,लेकिन उनके आदर्शों को नही मानते,मंच से उन्होंने कहा कि हमें उनका दायित्व पढ़ना चाहिए,वह क्या करना चाहते थे, उन्होंने क्या आदर्श दिए क्या बलिदान दिया इन सबका हमारे लिए अध्ययन करना बेहद जरूरी।इसके बाद ही कमेंट्स करें।क्योंकि महाराजा अग्रसेन किसी एक जाति विशेष के नहीं बल्कि सबके है।इससे पूर्व कृषि मंत्री बलदेव सिंह औलख,भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार और पालिकाध्यक्ष चित्रक मित्तल आदि ने संयुक्त रूप से भूमि पूजन में ईंट रखकर कार्य को प्रगति देने का आह्वान किया।इस दौरान अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और मिष्ठान का वितरण किया गया।इस मौके पर विपिन कुमार पप्पी, निवेदिता मित्तल, धन्नूमल बंसल,विवेक अग्रवाल, धर्मपाल जैन, रामचंद्र मित्तल, योगेश अग्रवाल,ज्ञानेश अग्रवाल,अनिल मदान, हंसराज गोयल,हरीओम अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, मंगतराम बंसल, धर्मवीर मित्तल,राजीव अग्रवाल,विनय अग्रवाल,कुशल गर्ग, डॉ बलविंदर सिंह,राजू सैनी,राजू तनेजा,अमन वर्मा, मोहम्मद नवेद,परवेज मामू, राजेश सैनी,संदेश जैन आदि मौजूद रहे।

मंडलीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया समानित

जागरण मोर्चा कार्यालय

टांडा। परिषदीय विद्यालयों की मंडलीय खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों अनु यादव, अरशिफा एवं मोहम्मद जैद को सोमवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय करखेड़ा में विद्यालय परिवार की मौजूदगी में खंड शिक्षा अधिकारी फोटोलाल निरंकारी व डॉ.राजवीर सिंह जिला अध्यक्ष जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ की ओर से सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जयप्रकाश सिंह एवं शिक्षकों ने उन्हें मेडल और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की दीं। रवि कुमार संकुल शिक्षक, हिमदीप सिंह, सुनील कुमार नोडल संकुल, कुशलपाल सिंह, अब्दुल रऊफ, सईदुज्जफर

रहमानी,तनवीर अहमद, नरेश कुमार, मो नईम, ग्राम प्रधान करखेड़ा आदि उपस्थित रहे।सभी ने बच्चों की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना करते हुए उन्हें आगे प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि वह अपने खेल कौशल से प्रदेश स्तर पर भी उत्कृष्ट परिणाम लाकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी।अंत में सभी ने उनके सफल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

अभिभावकों ने संत फ्रांसिस स्कूल पर मासूम बच्चों को धमकाने का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिलासपुर। अभिभावकों ने संत फ्रांसिस स्कूल पर मासूम बच्चों को धमकाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस प्रशासन को दिए गए मासूम छात्र छात्राओं के बयानों को लेकर विद्यालय प्रबंधन तंत्र बच्चों और अभिभावकों को धमका रहा है। इसके अलावा 21 सदस्यीय एक कमेटी का गठन किया गया, जोकि अभिभावकों की ओर से न्यायिक कार्यों में पैरवी करेगी।

सोमवार की दोपहर नैनीताल हाईवे स्थित गांव पंजाबनगर में एक बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में कहते के गांव नवाबगंज स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री हरगोविंद साहिब के मुख्य बाबा संत अनूप सिंह, नानकपुरी टांडा स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब के मुख्य बाबा संत गुरजंट सिंह समेत आदि गणमान्य नागरिक रहे। इसके अलावा बैठक में छेड़छाड़ के शिकार मासूम बच्चों के माता पिता भी शामिल हुए। मामले की गंभीरता को देखते हुए अभिभावकों ने अपने हितों की रक्षा और कानूनी लड़ाई के लिए एक 21 सदस्यीय विशेष कमेटी का गठन किया। इस दौरान अभिभावकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय के भीतर बच्चों को मानसिक रूप से प्रभावित कर उन्हें एक विशेष धर्म की ओर प्रेरित भी किया जा रहा था। इसकी जानकारी तब सामने आई जब बच्चों की गतिविधियों और उनके द्वारा बताई गई बातों से अभिभावकों को संदेह हुआ। विद्यालय में प्रार्थना सभाओं के नाम पर बच्चों को धर्म विशेष का पाठ पढ़ाया जाता है। इसके अलावा मासूमों द्वारा की गई मामूली गलती को बड़ा रूप देकर उन्हें विद्यालय में बनाए गए एक विशेष कमरे में बंद कर दिया जाता था। यहां आरोपी प्रिंसिपल उन बच्चों के साथ सजा के नाम पर गंदी बात करता था। विद्यालय में बढ़ती इन घटनाओं को देखते हुए सैकड़ों छात्र छात्राएं अपने अपने कटवा कर दूसरे स्कूलों में चले गए। नाम कटवाने वाले बच्चों से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने भी इन काली करतूतों को सबके सामने खोलकर रख दिया। नाबालिग बच्चियों के साथ विद्यालय में अश्लीलता की जाती थी। कहा कि शिक्षा के मंदिर को कलंकित करने वाले प्रिंसिपल के साथ विद्यालय प्रबंधन खड़ा है, जोकि स्कूल के लिए शर्म की बात है। साथ ही जब बच्चों ने इस मामले को उजागर किया तो विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों को धमकाना शुरू कर दिया। वहीं, कमेटी में शामिल जोगिंदर सिंह बिट्टू ने बताया कि कमेटी का मुख्य उद्देश्य स्कूल प्रबंधन की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखना, प्रभावित अभिभावकों को कानूनी सहायता प्रदान करना, शिक्षा के नाम पर हो रहे किसी भी प्रकार के धार्मिक प्रचार को रोकना समेत आदि शामिल हैं।

आपूर्ति कार्यालय में दबंगों का तांडव, सरकारी दस्तावेज फाड़े

- कर्मचारियों को दी जान से मारने की धमकी

जागरण मोर्चा कार्यालय

धामपुर / बिजनौर। तहसील स्थित आपूर्ति (पूर्ति) कार्यालय में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया। जब कथित रूप से नशे में धुत राशन डीलरों और उनके साथियों ने कार्यालय में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि दबंगों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए महत्वपूर्ण अभिलेख फाड़ दिए। अधिकारियों-कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पांच नामजद सहित करीब 15 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उचित दर विक्रेता शकील निवासी अफसाबाद चमन अपने साथ रविन्द्र कुमार, उसके पुत्र मुकुल, लोकेश चौहान उर्फ बंटी तथा 10-15 अन्य व्यक्तियों के साथ आपूर्ति कार्यालय पहुंचा। आरोप है कि सभी लोग शराब के नशे में थे और कार्यालय में घुसते ही गाली-गलौज करते हुए हंगामा करने लगे।बताया कि उस समय विभागीय अधिकारी राशन दुकानों की जांच और नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में लगे थे। आरोपियों ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए अधिकारियों पर दबाव बनाया कि डीलरों को नोटिस देना और दुकानों की चेकिंग बंद की जाए। इसी दौरान मेज पर रखे सरकारी दस्तावेजों को फाड़ दिया गया और कथित रूप से कहा गया कि कार्यालय में वही काम होगा जैसा हम चाहेंगे, हमारी मर्जी के बिना यहां कोई कार्रवाई नहीं होगी। कर्मचारियों ने जब पूरे घटनाक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उन्हें रोकते हुए मोबाइल छीनने की कोशिश की। इस घटना से कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारियों में भय का माहौल बन गया। आपूर्ति निरीक्षक अंकित कुमार की तहरीर पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी के अनुसार मामले की विवेचना उपनिरीक्षक पवन सिंह को सौंपी गई है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।सरकारी कार्यालय में हुई इस घटना से विभागीय कर्मचारियों में रोष व्याप्त है और प्रशासन से आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

ब्रेन हेमरेज से व्यापारी की मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

शेरकोट। मोहल्ला हल्वाईयान निवासी 38 वर्षीय जावेद सैफी की ब्रेन हेमरेज से रविवार देर शाम मृत्यु हो गई। परिजनों के अनुसार उन्हें शुगर की बीमारी थी। अचानक सिर में तेज दर्द होने पर पहले धामपुर ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने मुरादाबाद रेफर कर दिया। मुरादाबाद ले जाते समय रास्ते में ही उनका निधन हो गया। जावेद सैफी अपने पीछे पत्नी, सात वर्षीय पुत्री और पांच वर्षीय पुत्र सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना से परिवार में मातम मचा है। सूचना पर नगर के कई सामाजिक व राजनीतिक व व्यापारी अरमान सैफी आसिफ सिन्कू रुहेला शफाकत एस भारती अंसार मनोज शर्मा साजिद खान आदि लोग उनके आवास पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की।

खेतों में गुलदार दिखने से दहशत

- किसानों ने वन विभाग से सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की उठाई मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

शेरकोट। शेरकोट-नंदगांव मार्ग के किनारे खेतों में गुलदार नजर आने से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया है। सोमवार देर शाम मोहल्ला वीरथला निवासी सुशील चौहान अपने भाई शिवेंद्र सिंह के साथ ट्रैक्टर से खेतों से लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क से सटे खेतों में एक गुलदार अचानक तेजी से दौड़ता हुआ दिखाई दिया। गुलदार को देखकर दोनों भाई घबरा गए और शोर मचा दिया।

उनकी आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे किसान भी मौके पर पहुंच गए। लोगों की हलचल और शोरगुल के कारण गुलदार जंगल की ओर भाग गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना के बाद से ग्रामीणों में डर और चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में गुलदार की आवाजाही लगातार देखी जा रही है। खेतों में अकेले काम करने वाले किसानों, खासकर सुबह-शाम के समय, खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कई किसानों ने बताया कि बच्चों और महिलाओं को खेतों की ओर जाने से भी रोका जा रहा है। राजकुमार, संजीव, हिरदेश, कोमल और हर्ष समेत अन्य किसानों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगवाने, नियमित गश्त बढ़ाने और रात के समय गश्ती दल तैनात करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों को साक्षरता दिवस पर दी गई जानकारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर। सोमवार को महाविद्यालय चिरंजीलाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राकेश आर्य द्वारा ग्राम बौनावाली डगरोली में किया। उन्होंने निर्धारित विषय वस्तु कौशल विकास हेतु युवा के अंतर्गत साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला साक्षरता दिवस पर जानकारी देते हुए कहा कि 8 सितंबर को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। साक्षरता दिवस का मुख्य उद्देश्य साक्षरता के महत्व को उजागर करना, डिजिटल समावेशन और साक्षरता को आज जीवन सीखने पर ध्यान केंद्रित करना, उन्होंने कहा कि परिवर्तन सील दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देना, सतत और शांतिपूर्ण समाज की नीव का निर्माण करना है। कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार ने सभी स्वयंसेवियों से समाज को साक्षरता के बारे में जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मनोज शर्मा लोकेश कुमार, विनोद गुप्ता, अतुल शर्मा, अनुराधा, नीरज, सरस्वती, मोनिका, शीतल, अनीता आदि सहित सभी स्वयंसेवी उपस्थित रहे।

आजाद समाज पार्टी ने चेयरमैन एवं अधिशासी अधिकारी को सौपा ज्ञापन

आजाद समाज पार्टी नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन देते हुए

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर। आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं द्वारा नगर स्थित एक कॉलोनी में सड़क निर्माण, जल निकासी एवं पेयजल जैसी सुविधाओं को उपलब्ध कराने की मांग करते हुए अधिशासी अधिकारी व नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा।मांगों को जल्द पूरा करने की बात कही।सोमवार को आजाद समाज पार्टी के प्रदेश कोर कमेटी सदस्य एवं मंडल प्रभारी देवेंद्र बैसला के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह एवं नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि नगर के रहरा मार्ग पर गोकुलधाम कॉलोनी स्थित है। कॉलोनी वासी लगातार पालिका को टैक्स का भुगतान भी कर रहे हैं। गोकुलधाम कॉलोनी में सड़क निर्माण न होने के कारण निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसी के साथ उन्होंने कहा कि कॉलोनी में जल निकासी एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं है अतः नगर पालिका द्वारा जल्द से जल्द जन सुविधाओं को पूर्ण कराया जाए। ज्ञापन देने वालों में देवेंद्र बैसला, इमरान ठेकेदार,संजू सागर,सत्येंद्र, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

मंदिर से चोरी के में फरार आरोपी गिरफ्तार, पीतल का घंटा बरामद

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर। थाना सैदनगली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना अध्यक्ष सैदनगली के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और चोरी का सामान भी बरामद किया, ग्राम झुण्डी माफी स्थित एक मंदिर से पीतल का घंटा चोरी होने की शिकायत ग्रामीण राजपाल भगत पुत्र छदम्मी ने थाने में दर्ज कराई थी। थाना पुलिस द्वारा तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान थाना पुलिस को ग्रामीण नेमपाल उर्फ नेपाल पर संदेह हुआ, थाना पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी नेमपाल द्वारा अपना अपराध कबूल कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी नेमपाल उर्फ नेपाल पुत्र मवासी, निवासी ग्राम रुद्रपुर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी का पीतल का घंटा वजन 2.136 किलोग्राम) भी बरामद किया गया। अभियुक्त को बरामदगी सहित न्यायालय के समक्ष पेश किया।

गन्ने में सहफसली खेती व राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली पर किसानों को किया जागरूक

जागरण मोर्चा कार्यालय

ठाकुरद्वारा। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से ग्राम कमालपुरी खालसा तथा केंद्र परिसर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में किसानों को गन्ने की सह फसली (इंटरक्रॉपिंग) खेती के लाभ, रोग एवं कीट प्रबंधन तथा आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी।

23 फरवरी को ब्लॉक ठाकुरद्वारा के ग्राम कमाल पुरी खालसा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. रवींद्र कुमार ने की। उन्होंने गन्ने में सहफसली खेती अपनाने से मृदा की उर्वरता, नमी संरक्षण एवं अतिरिक्त आय के अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। पौध सुरक्षा वैज्ञानिक दीपक कुमार ने गन्ने की फसल में लगने वाले प्रमुख रोगों एवं कीटों की पहचान तथा उनके रासायनिक एवं जैविक नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी। बताया कि संतुलित कीट प्रबंधन से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ लागत को भी कम किया जा सकता है। फसल उद्यान विज्ञान के वैज्ञानिक डॉ. शिव शंकर वर्मा ने गन्ने के साथ उच्च मूल्य वाली सब्जियों, फल एवं अन्य उद्यान फसलों की सहफसली के बारे में जानकारी दी। वहीं सस्य विज्ञान के वैज्ञानिक अविनाश चौहान ने गन्ने के साथ ली जाने वाली उपयुक्त सहफसली फसलों, उनके संयोजन, मिट्टी पर प्रभाव तथा अतिरिक्त आय के स्रोत के रूप में उनके महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान किसानों को राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली ऐप के बारे में भी जानकारी दी। वैज्ञानिक दीपक कुमार ने किसानों को ऐप डाउनलोड कर उसका संचालन कर दिखाया। उन्होंने बताया कि यह केंद्र सरकार की एआई आधारित पहल है, जिसके माध्यम से किसान अपनी फसल की फोटो अपलोड कर कीटों की पहचान एवं विशेषज्ञ सलाह तुरंत प्राप्त कर सकते हैं। इससे कीटनाशकों के अनावश्यक उपयोग में कमी आती है और फसल सुरक्षित रहती है।

कार्यक्रम में गार्गी रानी, प्रमोद कुमार, महिपाल, मोहम्मद इलियास पुष्पराज, संदीप कुमार एवं दिनेश कुमार अशोक कुमार, मोहम्मद शामी, यस राम शर्मा, ओमप्रकाश सिंह सहित लगभग 75 किसानों ने भाग लिया और वैज्ञानिकों से अपने खेतों से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की। किसानों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि सहफसली खेती अपनाने से उनकी आय में वृद्धि होगी तथा गन्ने की फसल अधिक मजबूत बनेगी।

मस्जिद से लौट रहे युवक के साथ मारपीट का आरोप, थाने में दी तहरीर

जागरण मोर्चा कार्यालय

ठाकुरद्वारा। नगर के मोहल्ला ताली वार्ड संख्या-8 निवासी एक युवक ने कुछ लोगों पर मारपीट व धमकी देने का आरोप लगाते हुए कोतवाली ठाकुरद्वारा में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित ताजुद्दीन पुत्र जलालुद्दीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 22 फरवरी की रात करीब 9:30 बजे नमाज व तरावीह पढ़ने के लिए उलेमू स्थित मस्जिद गया था। नमाज अदा करने के बाद जब वह मस्जिद से बाहर निकला, तभी पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उसे रोक लिया।आरोप है कि लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरूकर दी।विरोध करने पर लात-घूंसों से मारपीट की, पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उसे धमकी दी कि वह आगे से उस मस्जिद में नमाज पढ़ने न आए, अन्यथा जान से मार दिया जाएगा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उसे छुड़ाया। पीड़ित ने तहरीर में यह भी आरोप लगाया कि जाते समय आरोपियों ने दोबारा मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचा और कार्रवाई की मांग की। कोतवाली पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है और मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की।

एनएच-734 पर कार पलटने से हड़कंप

शेरकोट। गदरपुर से धामपुर की ओर जा रही एक कार रविवार देर रात एनएच-734 पर मुबारक कुंडे के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना तेज था कि कार हाईवे से नीचे उतरकर पास के खेतों में जा गिरी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

कार में सवार गदरपुर निवासी किन्नर शालू ने बताया कि वह अपने कुछ साथियों के साथ धामपुर जा रही थीं। इसी दौरान अचानक सामने कोई जानवर आ जाने से चालक ने ब्रेक लगाया, जिससे वाहन संतुलन खो बैठा और पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कार सवारों को सुरक्षित बाहर निकाला।गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सभी लोग सुरक्षित हैं और किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। सूचना पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और वाहन को सड़क किनारे हटवाकर यातायात को सामान्य कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर रात के समय तेज रफ्तार और सड़क किनारे रोशनी की कमी के चलते हादसों की आशंका बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से हाईवे पर सुरक्षा इंतजाम और पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है।

आरटीआई मामले में अधिशासी अधिकारी को दोबारा नोटिस

ठाकुरद्वारा। जिलाधिकारी मुरादाबाद ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को दोबारा नोटिस जारी किया है। मामला सूचना का अधिकार (आरटीआई) से जुड़ा हुआ है।जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 10 मोहल्ला जमनावाला निवासी पवन कुमार ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत आवेदन किया था। इस पर प्रथम अपील की सुनवाई 20 फरवरी को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के कार्यालय में तय की गई थी, लेकिन न तो संबंधित अधिकारी सुनवाई में पहुंचे और न ही आवेदक को मांगी सूचना दी गई। इसी कारण सुनवाई नहीं हो सकी। अब अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) संगीता गौतम ने 25 फरवरी को सुबह 11 बजे सभी जरूरी कागजातों के साथ कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। पत्र में यह भी साफ कहा गया है कि अगर आगे चलकर उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग की ओर से कोई कार्रवाई या जुमार्ना लगाया जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण कार्यशाला का आयोजन

हसनपुर। नगर पालिका स्टाफ एवं सफाई नायकों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए अधिशासी अधिकारी द्वारा कहा कि शासन के निदेर्शों का पालन करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में हमें एक बार फिर नगर पालिका को नंबर एक बनाना है। सोमवार को नगर स्थित पालिका कार्यालय के स्वागत में एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में शासन के निदेर्शों का पालन करते हुए प्रथम स्थान बनाना था। कार्यशाला को संबोधित करते हुए अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने कहा की अभियान के तहत कचरा पृथक्करण, होम कंपोस्टिंग,आर आरआर सेंटर, नगर में डस्टबिन सुनिश्चित करने जैसे विषय पर चर्चा की गई। इसी के साथ उन्होंने कहा कि प्रत्येक पालिका का कर्मचारी परिवार की भावना से मिलकर कार्य करें ताकि स्वच्छ सर्वेक्षण में सर्वोत्तम रैंकिंग प्राप्त की जा सके। इसी के साथ स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों पर परीक्षण भी दिया गया।कार्यशाला में अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह,अवर अभियंता नेकपाल सिंह, बाबू दिनेश कुमार, रितेश कुमार,करन सिंह, कौशल कुमार, दीपक अग्रवाल, मनी कुमार, मोहम्मद अरशद सहित पालिका का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

यातायात नियमों के पालन की ली शपथ

कांठ। सोमवार को राजकीय महाविद्यालय कांठ में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य के निर्देशन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरूआत में प्राचार्य नजाकत हुसैन ने उपस्थित प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं को सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं तथा उनके कारणों पर प्रकाश डाला तथा बताया कि किस प्रकार जाने अनजाने में हम सड़क सुरक्षा नियमों को तो देते हैं जिससे दुर्घटना हो जाती है। हमें अपने साथ-साथ दूसरे की गलतियों पर भी ध्यान रखना होता है जिससे इन सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

होली से पूर्व वेतन भुगतान को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई ने आगामी होली के त्योहार को देखते हुए शिक्षकों के समयबद्ध वेतन भुगतान की मांग उठाई है। सोमवार को संघ के पदाधिकारियों ने वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक) को संबोधित एक मांग पत्र खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सौंपा। ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगें रखीं।ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बताया कि मार्च के पहले सप्ताह में होली का प्रमुख त्योहार पड़ रहा है। शिक्षकों के सामने त्योहार की तैयारियों और घरेलू खर्चों को लेकर आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। ऐसे में यदि वेतन में विलंब होता है, तो शिक्षकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

खण्ड शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति में संघ के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ लिपिक जयपाल सिंह एवं कार्यालय सहायक राहुल सागर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से अनुरोध किया गया है कि माह फरवरी का वेतन होली के अवकाश से कम से कम 3--4 दिन पूर्व शिक्षकों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया जाए, ताकि सभी शिक्षक हर्षोल्लास के साथ त्योहार मना सकें।इस अवसर पर मुख्य रूप से बिजेंद्र सिंह एकाउंटेंट, संजय सिंह प्रचार मंत्री,जगवीर सिंह, अनुज आजाद, लोकेश कुमार, मदनपाल ,शशिकांत सिंह, हिरदेश वर्मा, फैजान हस्मत,रूपेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

वित्त एवं लेखाधिकारी को ज्ञापन देते शिक्षक

नहर में छलांग लगाने वाले युवक का तीसरे दिन भी पता नहीं

- रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी 23वीं बटालियन पीएसी मुरादाबाद

जागरण मोर्चा कार्यालय

शेरकोट। खो बैराज नहर में कूदे युवक की तलाश लगातार तीसरे दिन भी जारी रही, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। युवक को ढूंढने के लिए 23वीं बटालियन पीएसी मुरादाबाद की टीम आधुनिक उपकरणों के साथ सघन रेस्क्यू अभियान चला रही है।

धामपुर निवासी योगेश सैनी शनिवार शाम धामपुर से शेरकोट पहुंचा था। बताया जा रहा है कि उसने नेशनल हाईवे पर स्थित खो बैराज पुल से नहर में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और गोताखोरों ने मौके पर पहुंचकर तलाश शुरू कर दी थी। नहर में तेज बहाव और अधिक गहराई के चलते शुरूआती दो दिनों तक युवक का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पीएसी की विशेष टीम को बुलाया गया। टीम ने मोटरबोट, लाइफ जैकेट समेत अन्य उपकरणों की मदद से संभावित स्थानों पर सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है।सीओ अफजलगढ़ आलोक कुमार ने बताया कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए नहर का जलस्तर भी कम कराया गया है। इसके बावजूद अभी तक युवक का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि तलाश अभियान लगातार जारी है और हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।तेज जलधारा के कारण युवक के दूर बह जाने की आशंका जताई जा रही है। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्राम समाज की जमीन पर चला बुलडोजर

जागरण मोर्चा कार्यालय

ठाकुरद्वारा। कोतवाली क्षेत्र के निर्मलुपर गांव में ग्राम समाज की भूमि पर कथित कब्जे की शिकायत के बाद राजस्व विभाग आखिरकार मौके पर पहुंचा। जेसीबी मशीन चलवाकर जमीन को कब्जामुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अमला और पुलिस बल मौजूद रहा।

बताते चलें कि गांव निवासी अर्जुन सिंह ने जिलाधिकारी से शिकायत कर आरोप लगाया था कि ग्राम समाज की सरकारी भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा है। शिकायत के बाद राजस्व विभाग की टीम–लेखपाल, कानूनगो तथा पुलिस–ने स्थल का निरीक्षण किया और मौके पर ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। जेसीबी की गड़गड़ाहट के बीच प्रशासनिक कार्रवाई चलती रही, जबकि कब्जा करने के आरोपित वेदू सिंह, संजय सिंह, महीपाल सिंह और रूप सिंह आदि ने मौके पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें कोई पूर्व नोटिस नहीं दिया गया। उनका आरोप था कि बिना सूचना के की गई यह कार्रवाई अवैध है। इस दौरान राजस्व टीम और संबंधित पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों का कहना था कि भूमि ग्राम समाज की है और शिकायत की जांच के बाद नियमानुसार अतिक्रमण हटाया गया है। कानून को सर्वेश सिंह व लेखपाल वुसरा साबरी ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों में चर्चा रही कि शिकायत पर कार्रवाई तो हुई, लेकिन यह सवाल भी उठता रहा कि यदि जमीन पर कब्जा हो रहा था तो संबंधित विभागों की नजर पहले क्यों नहीं पड़ी।

तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से नीलगाय की मौत, चालक फरार

जागरण मोर्चा कार्यालय

शेरकोट। राष्ट्रीय राजमार्ग 734 पर सोमवार की देर शाम एक दर्दनाक हादसे में सड़क पार कर रही एक नीलगाय की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार से आ रहे टैंकर वाहन ने नीलगाय को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक छह से सात नीलगायों का एक झुंड अचानक सड़क पार करने लगा था।इसी दौरान सामने से आ रहे टैंकर चालक ने वाहन की रफ्तार कम नहीं की और एक नीलगाय उसकी चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि नीलगाय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची।यातायात को सुचारु कराया। पुलिस ने आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली और फरार टैंकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, वन विभाग को भी हादसे की सूचना दी गई। बाद में पुलिस ने जेसीबी की मदद से सड़क किनारे गड्ढा खुदवाकर मृत नीलगाय का विधिवत अंतिम संस्कार कराया। स्थानीय लोगों ने मांग की कि इस मार्ग पर जंगली जानवरों की आवाजाही को देखते हुए चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं और वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण के लिए उचित कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

नई दिल्ली घोषणा से कृषि क्रांति तक भविष्य की वैश्विक धुरी एआई

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्रांति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है।

दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है। 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी

इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है।

भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक

ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं।

भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र

समिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है।

एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित इक्ष्ठद्दद्द 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई संचालित होगी।

इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित इद्न्द्ध थ्थ्न्द्ध मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूर्वानुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है। यदि 60 करोड़ किसानों की उत्पादकता में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो यह इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर सिद्ध हो सकता है, और भारत इस परिवर्तन का सह-निर्माता बन रहा है।

ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल बना भारत की ताकत

भारत की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल है। पश्चिमी देशों के बंद और पेटेंट-आधारित ढांचे के विपरीत, भारत सुलभ और पारदर्शी एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। कम लागत वाले डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष अवसंरचना और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट एआई मॉडल भारत को व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल आधारित एआई समाधान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

भारत की जनसंख्या संरचना भी इस परिवर्तन को गति दे रही है। 1.4 अरब की आबादी, विशाल युवा प्रतिभा-आधार और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक एआई हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती है। आधार, यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार मंच प्रदान करते हैं। नीतिगत स्पष्टता, निवेश की बाढ़ और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का संयोजन भारत को एक अद्वितीय स्थिति में खड़ा करता है।

भारत विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख एआई निर्माता बनने की ओर अग्रसर

अतः इस संदर्भ में कहना यही है कि नई दिल्ली घोषणा ने आज ये संदेश दिया है कि एआई का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने के साथ ही समानता और समावेशन सुनिश्चित करना है। निवेश प्रतिबद्धताएं भारत को अवसंरचना और नवाचार की शक्ति प्रदान कर रही हैं, जबकि कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रयोग यह सिद्ध कर रहे हैं कि एआई जमीन पर वास्तविक परिवर्तन ला सकता है।

इस आधार पर यही सच प्रतीत होता है कि यदि बीती सदी औद्योगिक क्रांति की थी और वर्तमान सदी डिजिटल क्रांति की है तो आने वाला दशक एआई क्रांति का होगा। इस क्रांति की धुरी वही देश बन सकता है, जो तकनीक को मानव कल्याण से जोड़कर वैश्विक सहयोग का सेतु बन सके। साथ ही जिसमें नवाचार को समावेशी बनाने की क्षमता हो। कहना होगा कि आज ये संकेत स्पष्ट हैं; भारत उसी दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है और एआई के युग में विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख निर्माता बनने की ओर अग्रसर है।

नदी को साफ रखना सामाजिक अनुशासन का विषय

कैलाश चन्द्र

पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (२०२२) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं। निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है। वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं। किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (२०२२) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए। भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है। मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है ? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है ?क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन ?विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां। यह विषय किसी एक फिल्म फ़ेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मर्यादाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की। भोपाल फिल्म फ़ेस्टिवल एक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जो दर्शाता है कि किस प्रकार वोक एजेंडा कलात्मक आवरण और मीडिया समर्थन के सहारे समाज में स्थान बनाने का प्रयास करता है। भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसने अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है। इस दृढ़ता को बनाए रखने के लिए समाज को सजग रहना होगा। कला को वैचारिक हथियार बनने से रोकना, करदाताओं के धन का उत्तरदायी उपयोग सुनिश्चित करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है।

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फ़ेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है।

पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (२०२२) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं।

निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है।

वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं।

किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (२०२२) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए। भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है।

मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है ? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है ?क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन ?विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां। यह विषय किसी एक फिल्म फ़ेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मर्यादाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की।

भोपाल फिल्म फ़ेस्टिवल एक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जो दर्शाता है कि किस प्रकार वोक एजेंडा कलात्मक आवरण और मीडिया समर्थन के सहारे समाज में स्थान बनाने का प्रयास करता है। भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसने अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है। इस दृढ़ता को बनाए रखने के लिए समाज को सजग रहना होगा। कला को वैचारिक हथियार बनने से रोकना, करदाताओं के धन का उत्तरदायी उपयोग सुनिश्चित करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है।

वेद और बुद्ध के बीच संवाद की परंपरा

दीपक कुमार द्विवेदी

सबसे पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि बौद्ध मत को सनातन वैदिक धर्म से पृथक या विरोधी धारा के रूप में प्रस्तुत करना ऐतिहासिक रूप से संतुलित दृष्टि नहीं है। गौतम बुद्ध उस सांस्कृतिक और दार्शनिक वातावरण में प्रकट हुए जहां उपनिषदों में आत्मा, ब्रह्म, कर्म और पुनर्जन्म पर गहन विमर्श पहले से चल रहा था। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है। छांदोग्य उपनिषद ल्लतत्त्वमसिङ्क का उद्घोष करता है। भगवद्गीता में आत्मा की अनश्वरता और कर्मफल का सिद्धांत प्रतिपादित है। बुद्ध ने कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारा नहीं। उन्होंने यज्ञकर्म और वेद-प्रामाण्य की अनिवार्यता पर प्रश्न उठाए, पर उनका चिंतन उसी दार्शनिक धरातल पर विकसित हुआ जिसे सनातन वैदिक परंपरा कहा जाता है। भारतीय दर्शन की परंपरा में सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, उत्तर मीमांसा (वेदांत), जैन, बौद्ध और चार्वाक जैसे दर्शनों का उल्लेख मिलता है। यह सूची इस बात का संकेत है कि बौद्ध दर्शन को भारतीय बौद्धिक परंपरा से बाहर नहीं रखा गया। चार्वाक जैसे भौतिकवादी मत को भी स्थान मिला, जिसे परंपरा देवगुरु बृहस्पति से जोड़ती है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय दार्शनिक संरचना में मतभेद को संवाद के रूप में स्वीकार किया गया, संघर्ष के रूप में नहीं। श्रमण और वैदिक धाराएँ एक ही दार्शनिक भूमि की अभिव्यक्तियां थीं। अब पश्चिमी सृष्टि-दृषटि पर विचार करें। यूरोप में लंबे समय तक बाइबिल-आधारित कालगणना प्रभावी रही। सत्रहवीं शताब्दी में आयरलैंड के आर्चबिशप जेम्स अशर ने बाइबिल की वंशावलियों के आधार पर सृष्टि की तिथि 4004 ईसा पूर्व निर्धारित की। इस प्रकार मानव इतिहास को कुछ हजार वर्षों की रेखीय समयरेखा में सीमित कर दिया गया।

पशचिम, क्रिशचियनिटी और वामपंथी बौद्धिक प्रवृत्तियों में बुद्ध के प्रति जो विशेष आकर्षण दिखाई देता है, उसे केवल आध्यात्मिक या नैतिक कारणों से समझना पर्याप्त नहीं है। यह आकर्षण एक बड़े बौद्धिक परिप्रेक्ष्य में खड़ा है–सृष्टि की अवधारणा, काल-दृष्टि, इतिहास-लेखन की पद्धति, औपनिवेशिक विमर्श और आधुनिक वैचारिक राजनीति के संदर्भ में। इस प्रश्न को भावनात्मक प्रतिक्रिया की बजाय तर्क और संदर्भ के साथ देखना आवश्यक है।

सबसे पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि बौद्ध मत को सनातन वैदिक धर्म से पृथक या विरोधी धारा के रूप में प्रस्तुत करना ऐतिहासिक रूप से संतुलित दृष्टि नहीं है। गौतम बुद्ध उस सांस्कृतिक और दार्शनिक वातावरण में प्रकट हुए जहां उपनिषदों में आत्मा, ब्रह्म, कर्म और पुनर्जन्म पर गहन विमर्श पहले से चल रहा था। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है। छांदोग्य उपनिषद ल्लतत्त्वमसिङ्क का उद्घोष करता है। भगवद्गीता में आत्मा की अनश्वरता और कर्मफल का सिद्धांत प्रतिपादित है। बुद्ध ने कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारा नहीं। उन्होंने यज्ञकर्म और वेद-प्रामाण्य की अनिवार्यता पर प्रश्न उठाए, पर उनका चिंतन उसी दार्शनिक धरातल पर विकसित हुआ जिसे सनातन वैदिक परंपरा कहा जाता है। भारतीय दर्शन की परंपरा में सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, उत्तर मीमांसा (वेदांत), जैन, बौद्ध और चार्वाक जैसे दर्शनों का उल्लेख मिलता है। यह सूची इस बात का संकेत है कि बौद्ध दर्शन को भारतीय बौद्धिक परंपरा से बाहर नहीं रखा गया। चार्वाक जैसे भौतिकवादी मत को भी स्थान मिला, जिसे परंपरा देवगुरु बृहस्पति से जोड़ती है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय दार्शनिक संरचना में मतभेद को संवाद के रूप में स्वीकार किया गया, संघर्ष के रूप में नहीं। श्रमण और वैदिक धाराएँ एक ही दार्शनिक भूमि की अभिव्यक्तियां थीं। अब पश्चिमी सृष्टि-दृषटि पर विचार करें। यूरोप में लंबे समय तक बाइबिल-आधारित कालगणना प्रभावी रही। सत्रहवीं शताब्दी में आयरलैंड के आर्चबिशप जेम्स अशर ने बाइबिल की वंशावलियों के आधार पर सृष्टि की तिथि 4004 ईसा पूर्व निर्धारित की। इस प्रकार मानव इतिहास को कुछ हजार वर्षों की रेखीय समयरेखा में सीमित कर दिया गया। यह दृष्टि एक आरंभ-बिंदु से प्रारंभ होकर क्रमिक विकास और अंत की ओर बढ़ती रेखा पर आधारित थी। उन्नीसवीं शताब्दी में चार्ल्स डार्विन की ल्लग्द्ब प्द्धद्ग ग्न्द्बद्दद्बद्ध धद्ध ट्टध्द्गदद्बद्गपङ्क (1859) प्रकाशित हुई। विकासवाद ने जीवों के क्रमिक परिवर्तन की परिकल्पना दी। डार्विन ने यह कहा कि मनुष्य और आधुनिक वानरों का एक साझा पूर्वज रहा है। लोकप्रिय समझ में यह विचार इस रूप में बैठा कि मनुष्य बंदर से उत्पन्न हुआ। आज भी सामान्य स्तर पर यह प्रश्न उठता है कि यदि ऐसा है तो बंदर अभी भी क्यों हैं। वैज्ञानिक उत्तर यह देता है कि विकास शाखाओं में हुआ, एक सीधी रेखा में नहीं। फिर भी समग्र ढाँचा रेखीय जैविक विकास पर आधारित है। इसके विपरीत सनातन वैदिक ग्रंथों में सृष्टि की अवधारणा बहुस्तरीय और चक्रीय है। पुराणों में मानसिक सृष्टि का उल्लेख है–ब्रह्मा द्वारा संकल्प से उत्पत्ति। उसके पश्चात मैथुनिक सृष्टि का क्रम है। यह संकेत करता है कि सृष्टि को केवल भौतिक घटना के रूप में नहीं, बल्कि चेतना और प्रकृति के संयुक्त आयाम में देखा गया। विष्णु पुराण में सृष्टि और प्रलय को चक्र में वर्णित किया गया है। श्रीमद्भागवत के तृतीय स्कंध में ब्रह्मा के एक दिन की गणना 4.32 अरब वर्ष कही गई है। महाभारत के शांति पर्व में कल्पों और मन्वंतरों का विस्तार मिलता है। योगवासिष्ठ में असंख्य ब्रह्मांडों की चर्चा है। यहाँ समय अनादि और चक्रीय है। यदि इस चक्रीय काल-दृष्टि को स्वीकार किया जाए तो सृष्टि को कुछ हजार वर्षों में सीमित करने की धारणा चुनौती के घेरे में आ जाती है। औपनिवेशिक काल में भारत के इतिहास को इसी रेखीय ढाँचे में ढालने का प्रयास हुआ। जेम्स मिल की ल्लक्व्द्बपध्धन्भ धद्ध उन्द्बप्द्बपद्ध ऋद्भदद्बथङ्क (1817) ने भारतीय परंपरा को अंधविश्वासी और अविकसित बताया। मैक्स मूलर ने वेदों का काल सीमित किया। उन्नीसवीं शताब्दी में आर्य आक्रमण सिद्धांत प्रस्तुत हुआ–यह सिद्ध करने के लिए कि वैदिक संस्कृति स्वदेशी नहीं थी। इससे भारतीय परंपरा की प्राचीनता और निरंतरता पर प्रश्न उठे।

इसी पृष्ठभूमि में ल्लबौद्ध बनाम ब्राह्मणङ्क का आख्यान विकसित हुआ। कुछ मिशनरी लेखनों और बाद में वामपंथी इतिहासकारों ने यह प्रतिपादित किया कि बौद्ध मत सामाजिक विद्रोह था और वैदिक परंपरा दमनकारी। इससे दार्शनिक निरंतरता को खंडित दिखाया गया और बुद्ध को एक वैकल्पिक नैतिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। बुद्ध को ल्लईश्वर-निरपेक्ष नैतिक शिक्षकङ्क के रूप में चित्रित करना पश्चिमी बौद्धिकता के लिए अनुकूल था। इससे बाइबिल-आधारित ढाँचे को सीधी चुनौती नहीं मिलती और वामपंथी चिंतन को एक ऐतिहासिक प्रतीक मिल जाता है। ऐतिहासिक स्रोत इस सरलीकरण का समर्थन नहीं करते। सम्राट अशोक के शिलालेखों में वैदिक परंपरा के विरुद्ध कोई धार्मिक युद्ध का उल्लेख नहीं मिलता। हर्षवर्धन ने बौद्ध विहारों और ब्राह्मणों दोनों को संरक्षण दिया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने ल्लट्ठद्धद्ग उपद्भदद्धथ थद्बद ब्ह्वप कद्धथद्वद्बथङ्क में संकेत किया कि भारत में बौद्ध संस्थानों के पतन में विदेशी आक्रमणों की भूमिका रही। नालंदा और विक्रमशिला के विनाश का उल्लेख विभिन्न ऐतिहासिक अभिलेखों में है। अतः बौद्ध मत के लोप को केवल ल्लब्राह्मणीय दमनङ्क की कथा में सीमित करना एकांगी दृष्टि है। पश्चिम, क्रिशचियनिटी और वामपंथी चिंतन में बुद्ध के प्रति विशेष आग्रह का एक कारण आध्यात्मिक आकर्षण हो सकता है, पर उससे अधिक वह वैचारिक सुविधा है जो बुद्ध को सनातन से पृथक प्रस्तुत करने में निहित है। यदि यह स्वीकार कर लिया जाए कि बौद्ध मत उसी दार्शनिक परंपरा की धारा है, कि श्रमण और वैदिक विचार एक ही बौद्धिक भूमि के अंग हैं, तो यह कृत्रिम द्वंद्व समाप्त हो जाता है। बुद्ध और सनातन के बीच विभाजन स्थापित करना ऐतिहासिक जटिलता को सरल बनाना है।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का आंदोलन तेज, काली पट्टी बांधकर विरोध जारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। परिषदीय विद्यालयों में 27 जुलाई 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी परीक्षा अनिवार्य किए जाने के विरोध में जिले सहित प्रदेश भर में शिक्षकों का आंदोलन तेज हो गया है। रविवार को शिक्षकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर ह्लजस्टिस फॉर टीचरह्व अभियान चलाया, जो लगातार चार घंटे तक नंबर-1 ट्रेंड करता रहा। शिक्षकों ने इसे अपनी एकजुटता और व्यापक समर्थन का प्रतीक बताया। सोमवार से आंदोलन के दूसरे चरण की शुरूआत हो गई है। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) के बैनर तले जिले के शिक्षक विद्यालयों, बीएलओ बूथों और बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी के दौरान हाथ पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज करा रहे हैं। यह कार्यक्रम 25 फरवरी तक जारी रहेगा।

निगोही विकास क्षेत्र के शिक्षकों ने भी शिक्षण कार्य के दौरान काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। यूपीएस कन्या निगोही के विषय प्रताप सिंह, कुसुम वर्मा, विमला देवी, यूपीएस बसेड़ा बोड़ी के संजय कुमार भारती, राजकुमार, यूपीएस निगोही के ताजीम अहमद, अल्का, शिवानी सीखवाल, कनीज बेगम, नुसरत जहाँ, प्राथमिक विद्यालय मिलकिया के लालाराम सहित संजीव यादव, नैन्सी सक्सेना, घनेन्द्र पाल सिंह, संध्या भदौरिया और मीनाक्षी कुँवर समेत अनेक शिक्षक आंदोलन में शामिल हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी ने बताया कि प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठन टीएफआई के नेतृत्व में एकजुट हैं। उनका कहना है कि वर्ष 2011 से पहले नियुक्त शिक्षक उस समय की सभी निर्धारित योग्यताएं पूरी कर चुके थे और कई शिक्षक सेवानिवृत्ति के निकट हैं। ऐसे में अब टीईटी अनिवार्य करना उनके साथ अन्याय है। शिक्षकों का कहना है कि वे न्यायालय का सम्मान करते हैं, लेकिन वर्ष 2017 में किए गए संशोधन का विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि टीईटी की अनिवार्यता केवल वर्ष 2011 के बाद नियुक्त शिक्षकों पर ही लागू की जाए। घोषित कार्यक्रम के अनुसार 26 फरवरी को जिले के शिक्षक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एकत्रित होकर जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च करेंगे और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। आंदोलन में विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हो रहे हैं।

गाडगे बाबा की 150वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। धोबी समाज की प्रतिनिधि संस्था संत गाडगे जन कल्याण समिति के तत्वावधान में नगर के लोधीपुर स्थित गाडगे भवन में गाडगे बाबा की 150वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ. दोदराम वर्मा ने गाडगे बाबा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि गाडगे बाबा महान समाज सुधारक थे। वे गरीबों और जरूरतमंदों के मसीहा थे तथा स्वच्छता और शिक्षा के बड़े समर्थक थे। उनका मानना था कि शिक्षा ही मनुष्य को सही-गलत की पहचान कराती है और विकास का रास्ता दिखाती है। डॉ. वर्मा ने कहा कि गाडगे बाबा सच्चे समाजवादी संत थे। वे अपने कीर्तन के माध्यम से लोगों को आपसी भाईचारे और मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देते थे। उन्होंने लोगों से वैज्ञानिक सोच अपनाने और दहेज प्रथा, अशिक्षा, नशाखोरी, पशुबलि जैसी कुरीतियों को खत्म करने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत गाडगे बाबा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर रामनिवास यादव, शिवशंकर निराला, प्रिंस सागर, राजन सागर, आदित्य वर्मा, कुसुम लता, रीतिका वर्मा, सुनीता कनौजिया, आशा गौतम, ममता तिवारी, सुप्रिय गौतम, सुमन सागर, आरती गौतम सहित कई लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय प्रबंध प्रशिक्षण के लिए आवेदन शुरू, 31 मार्च तक करें आवेदन

शाहजहांपुर। जिला सेवायोजन कार्यालय के अंतर्गत संचालित शिक्षण एवं मार्गदर्शन केंद्र में एक वर्षीय कार्यालय प्रबंध प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (सत्र अप्रैल 2025-26) के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रशिक्षण केवल अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के 18 से 30 वर्ष आयु के पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों के लिए है। इच्छुक अभ्यर्थी 31 मार्च तक अपना आवेदन पत्र शिक्षण एवं मार्गदर्शन केंद्र में जमा कर सकते हैं। केंद्र में सीटें सीमित हैं, इसलिए समय रहते आवेदन करना जरूरी है। प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट निर्धारित की गई है। साथ ही हाईस्कूल परीक्षा अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को कंप्यूटर टंकण, सामान्य गणित, रीजनिंग, बुक कीपिंग, अकाउंटिंग, सचिवीय पद्धति एवं सामान्य ज्ञान जैसे विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी। संबंधित वर्ग के बैकलॉग अभ्यर्थियों तथा कंप्यूटर व टंकण का ज्ञान रखने वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।

आज से शुरू होगा मुमुक्षु महोत्सव, 2 मार्च तक चलेगी श्री रामकथा और रुद्र महायज्ञ

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। 24 फरवरी से शुरू हो रहे मुमुक्षु महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस संबंध में प्राचार्य प्रो. आर. के. आजाद की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न समितियों के प्रभारियों से उनके दायित्वों को लेकर चर्चा की गई। प्राचार्य ने बताया कि 24 फरवरी को सुबह 9 बजे गुरु पूजन के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। सुबह 10 बजे मुमुक्षु आश्रम की यज्ञशाला में रुद्र महायज्ञ प्रारंभ होगा, जिसकी पूणार्हुति 2 मार्च को दोपहर 12 बजे होगी। सुबह 10.15 बजे श्री राम कथा संदेश वाहन यात्रा खिरनीबाग से निकलेगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मुमुक्षु आश्रम पहुंचेगी। इसी दिन दोपहर 12 बजे श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ से कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो श्री रामकथा पंडाल पर संपन्न होगी। श्री रामकथा पंडाल के पास

स्थित श्री हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ का भी आयोजन किया जाएगा। भक्तों के लिए लगभग 3000 लोगों की क्षमता वाला भव्य पंडाल तैयार किया गया है। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक पूज्य संत श्री विजय कौशल जी महाराज श्री रामकथा का वाचन करेंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 2 मार्च को रुद्र महायज्ञ और श्री रामकथा का समापन होगा। शाम 7 बजे भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुंबई के भजन गायक डॉ. कमलेश उपाध्याय हरिपुरी, साध्वी भक्ति प्रभा जी और महंत श्री गुरु प्रसाद भजन प्रस्तुत करेंगे। प्राचार्य ने बताया कि इस सात दिवसीय धार्मिक आयोजन में नगर सहित जनपद और बाहर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। देश के विभिन्न स्थानों से संत-महात्मा भी कार्यक्रम में शामिल होकर आशीर्वाद देंगे। समीक्षा बैठक का संचालन उपप्राचार्य प्रो. अनुराग अग्रवाल ने किया। इस दौरान प्रो. आदित्य कुमार सिंह, प्रो. आलोक मिश्र, प्रो. प्रभात शुक्ला, प्रो. मधुकर श्याम शुक्ला, प्रो. मीना शर्मा, प्रो. अजीत सिंह चारग, प्रो. शालीन कुमार सिंह, डॉ. जयशंकर ओझा, डॉ. प्रांजल शाही सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

होली से पहले रसोइयों के खातों में पहुंचा मानदेय और साड़ी की राशि

शाहजहांपुर। होली पर्व से पहले जिले की रसोइयों के लिए राहत भरी खबर आई है। परिषदीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत 7668 रसोइयों के खातों में जनवरी का मानदेय और साड़ी यूनिफॉर्म की धनराशि भेज दी गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता ने बताया कि त्योहार को ध्यान में रखते हुए समय से भुगतान कराया गया है, ताकि रसोइयों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जनवरी माह का कुल 1,53,36,000 मानदेय सीधे उनके बैंक खातों में भेजा गया है। इसके अलावा प्रत्येक रसोइया को साड़ी यूनिफॉर्म के लिए 500 की दर से कुल 38,34,000 की राशि भी डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से खातों में अंतरित की गई है। बीएसए ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार सभी भुगतान पारदर्शी तरीके से किए गए हैं, जिससे रसोइयों को होली से पहले आर्थिक सहारा मिल सके।

2003 की मतदाता सूची की हार्डकॉपी मांगना बंद करें बीएलओ:डीएम

शाहजहांपुर। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर चल रहे विधानसभा निर्वाचक नामावली के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान एक अहम निर्देश जारी किया गया है। 20 फरवरी को जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के साथ आयोजित बैठक में यह मामला सामने आया कि नो-मैपिंग वाले मतदाताओं से बीएलओ द्वारा वर्ष 2003 की मतदाता सूची की प्रति मांगी जा रही है। बैठक में स्पष्ट किया गया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची ऑनलाइन उपलब्ध है और उसकी हार्डकॉपी भी बीएलओ के पास मौजूद है। ऐसे में किसी भी मतदाता को वर्ष 2003 की सूची की हार्डकॉपी उपलब्ध कराने के लिए बाध्य करना उचित नहीं है। जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि मतदाताओं से अनावश्यक रूप से वर्ष 2003 की मतदाता सूची की प्रति न मांगी जाए और पुनरीक्षण कार्य पारदर्शी एवं सुगम तरीके से संपन्न कराया जाए।

उद्योगपति बोले आग्रह पर दिए थे 5 करोड़, फिल्म रिलीज के लिए हटाया था स्टे

शाहजहांपुर। उद्योगपति माधव गोपाल अग्रवाल ने अभिनेता राजपाल यादव से जुड़े पुराने कर्ज मामले पर पहली बार खुलकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि फिल्म अता पता लापता के निर्माण के लिए राजपाल यादव के अनुरोध पर उन्होंने 5 करोड़ रुपये का लोन

दिया था। अग्रवाल के अनुसार, यह मामला वर्ष 2012 से चल रहा है। लोन देने से पहले पूरी लिखित प्रक्रिया और एग्रीमेंट किया गया था। बाद में जब तय समय पर रकम वापस नहीं हुई तो कंपनी ने कानूनी कार्रवाई की। भुगतान के लिए दिए गए चेक भी बाउंस हो गए थे। उद्योगपति ने बताया कि एग्रीमेंट की शर्तों का पालन न होने पर फिल्म पर स्टे लगवाया गया था। बाद में राजपाल यादव ने फिल्म रिलीज होने देने का आग्रह किया। इस पर उन्होंने कुछ ही दिनों में दिल्ली उच्च न्यायालय से स्टे वापस ले लिया, जिसके बाद 2 नवंबर 2012 को फिल्म रिलीज हो सकी। अग्रवाल ने कहा कि लोन के बाद तीन सप्लीमेंट्री एग्रीमेंट भी हुए थे और पूरा मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह कभी राजपाल यादव के घर नहीं गए और उनकी व्यक्तिगत जानकारी उन्हें नहीं है। गौरतलब है कि हाल ही में कोर्ट के आदेश पर राजपाल यादव को तिहाड़ जेल में सरेंडर करना पड़ा था। कुछ दिन बाद वह रिहा हो गए। इस बीच, शाहजहांपुर में हुई पारिवारिक शादी में उनकी मौजूदगी भी चर्चा में रही। उद्योगपति का कहना है कि उन्होंने शाहजहांपुर का होने और बार-बार आग्रह किए जाने पर मदद के तौर पर यह लोन दिया था, लेकिन एग्रीमेंट का पालन न होने के कारण विवाद खड़ा हुआ। मामला फिलहाल न्यायालय में लंबित है।

पुलिस ने 99.5 ग्राम स्मैक के साथ चार तस्कर दबोचे

शाहजहांपुर। प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में कटरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 99.5 ग्राम स्मैक (डैली) के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और क्षेत्राधिकारी तिलहर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम 22 फरवरी की शाम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर शाम करीब 7.10 बजे हुलास नंगला ओवरब्रिज के पास सर्विस रोड पर अंडरपास से 50 मीटर पहले चार युवकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में योगेश मौर्य (22) निवासी मोहल्ला अफरीदी, थाना कटराय सत्यवीर (27) निवासी लक्ष्मीप्रतापपुर, थाना मदनापुरय संजय (26) और हरीशंकर (25) निवासी भीकमपुर, थाना फतेहगंज पूर्वी, जिला बरेली शामिल हैं। तलाशी में इनके पास से क्रमशः 26.5 ग्राम, 25.5 ग्राम, 20 ग्राम और 27.5 ग्राम स्मैक बरामद हुई। कुल बरामदगी 99.5 ग्राम है। इस संबंध में थाना कटरा पर मुकदमा एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे स्मैक बरेली के एक व्यक्ति से लाकर आगे सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

जिला सहकारी बैंक का 87वां वार्षिक अधिवेशन 27 फरवरी को

शाहजहांपुर। जिला सहकारी बैंक का 87वां वार्षिक सामान्य निकाय अधिवेशन 27 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम अंटा चैराहा स्थित अटल बिहारी वाजपेई प्रेक्षागृह में सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

इस अधिवेशन में भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन डीपीएस राठौर ने बताया कि कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इसमें जिले के सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि तथा जिला सहकारी बैंक के सभी डेलीगेट भाग लेंगे। अधिवेशन में बैंक की वार्षिक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं पर भी चर्चा की जाएगी।

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा सम्पन्न, हजारों उपभोक्ताओं ने ली जानकारी और कराया समस्याओं का समाधान

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा 9 फरवरी से चलाया जा रहा स्मार्ट मीटर पखवाड़ा 23 फरवरी को सफलतापूर्वक समाप्त हो गया। इस दौरान लखनऊ, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की जानकारी दी गई। अभियान के तहत प्रतिदिन 25 उपखंडों पर सहायता केंद्र लगाए गए। लखनऊ में करीब 4700, बरेली में 3200, शाहजहांपुर में 2357, पीलीभीत में 1132 और बदायूं में लगभग 2700 उपभोक्ताओं ने केंद्रों पर पहुंचकर स्मार्ट मीटर से जुड़ी जानकारी प्राप्त की और अपनी शिकायतों का समाधान कराया। पखवाड़ा के दौरान विभागीय टीमों ने घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली, रिचार्ज प्रक्रिया और बिलिंग सिस्टम की जानकारी दी।

उपभोक्ताओं के मोबाइल फोन में स्मार्ट ऐप इंस्टॉल कराकर उन्हें रियल टाइम बिजली खपत देखने और ऑनलाइन रिचार्ज करने की सुविधा समझाई गई। कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट मीटर के फायदे जैसे सटीक बिलिंग, बिजली खपत की सीधी निगरानी, लोड बढ़ने पर अलर्ट और पारदर्शी व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिस पर उपभोक्ताओं की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। चेक मीटर के जरिए पुराने और नए मीटर की तुलना भी कराई गई। निगम ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने घरों में स्मार्ट मीटर लगवाकर डिजिटल सुविधा का लाभ उठाएं। प्रदेश में 3 करोड़ 9 लाख 78 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं, जिनमें से अब तक 83 लाख 92 हजार से ज्यादा मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। शाहजहांपुर के अधीक्षण अभियंता अनुज प्रताप ने बताया कि अभियान के दौरान उपभोक्ताओं को बिल, खपत और रिचार्ज संबंधी पूरी जानकारी दी गई और मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल व्यवस्था अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

गाडगे महाराज की जयंती पर सपा ने किया नमन, कार्यालय पर हुई गोष्ठी

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। स्वच्छता आंदोलन के प्रेरणास्रोत एवं मानवता के उपासक संत गाडगे महाराज की जयंती बिजलीपुरा स्थित सपा जिला कार्यालय में मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने संत गाडगे महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उनके जीवन व योगदान को याद किया। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान की अध्यक्षता में एक गोष्ठी आयोजित की गई। वक्ताओं ने संत गाडगे महाराज के समाज सुधार, स्वच्छता और मानव सेवा के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेश यादव, पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा, जिला महासचिव रणजय सिंह यादव, प्रदेश सचिव रामसूरत यादव, विजय सिंह, सैयद रिजवान अहमद सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोशल ऑडिट टीमों के गठन के लिए कल से साक्षात्कार शुरू

शाहजहांपुर। जिला विकास अधिकारी कार्यालय द्वारा सोशल ऑडिट टीमों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी के 12 फरवरी के अनुमोदन के बाद गठित समिति को अध्यक्ष, सदस्य व सदस्य सचिव नामित करते हुए विभिन्न विकास खंडों में टीम सदस्यों के चयन हेतु साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 25 फरवरी से 23 मार्च तक अलग-अलग विकास खंड कार्यालयों में पूर्वाह्न 11 बजे साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। 25 फरवरी को भावलखेड़ा, 27 फरवरी को तिलहर एवं जैतीपुर, 9 मार्च को मिजार्पुर एवं कलान, 11 मार्च को खुदागंज एवं निगोही, 13 मार्च को पुवायां एवं सिंधौली, 16 मार्च को खुटार एवं बंडा, 18 मार्च को ददरौल, 20 मार्च को जलालाबाद तथा 23 मार्च को कांट एवं मदनापुर के अभ्यर्थियों के साक्षात्कार निर्धारित स्थलों पर लिए जाएंगे। जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों से निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया पूर्ण कराने को कहा है, ताकि चयनित सदस्यों के माध्यम से सोशल ऑडिट टीमों का गठन कर विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

बसंत उत्सव के तीसरे चरण का समापन हजारों साधकों ने की ध्यान साधना

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। श्री राम चन्द्र मिशन आश्रम में आयोजित बसंत उत्सव के तीसरे चरण का सोमवार को समापन हो गया। कार्यक्रम का आयोजन मिशन के अध्यक्ष एवं हार्टफुलनेस मेडिटेशन के वैश्विक मार्गदर्शक कमलेश डी. पटेल ह्यदाजीह्न के सान्निध्य में किया गया।

समापन दिवस की शुरूआत सामूहिक ध्यान साधना से हुई। देशद्विदेश से आए हजारों अभ्यासियों ने एक साथ ध्यान कर मानव कल्याण और विश्व शांति की कामना की। पूरा आश्रम आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। बसंत उत्सव का आयोजन आश्रम की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने तथा मिशन के आदि गुरु लालाजी महाराज की 153वीं जयंती के अवसर पर किया गया। समापन अवसर पर दाजी ने साधकों को प्रेम, करुणा और सेवा की भावना अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान करने से

चौथे चरण की तैयारी शुरू, नए साधकों का आगमन

बसंत उत्सव के तीसरे चरण के समापन के साथ ही मंगलवार से चैथे चरण की शुरूआत होगी। ध्यान के बाद जब साधक अपने-अपने घरों को लौटने लगे तो आश्रम में भावुक माहौल दिखा। गुरु-भाइयों और बहनों से विदा लेते समय कई अभ्यासी भावुक नजर आए। इसी बीच चैथे चरण में शामिल होने के लिए नए साधकों का आगमन भी शुरू हो गया। गुरु के दर्शन और ध्यान साधना की अभिलाषा लेकर पहुंचे अभ्यासी उत्साह और आनंद से भरे दिखाई दिए। आश्रम में जहां एक ओर बिछोह की भावना थी, वहीं दूसरी ओर नई आध्यात्मिक ऊर्जा और उम्मीद का संचार भी नजर आया।

सहनशक्ति बढ़ती है और जीवन में सही समझ विकसित होती है। उन्होंने ईर्ष्या छोड़कर हृदय को दिव्य प्रेम से भरने का आह्वान किया। आयोजन को सफल बनाने में मिशन के सचिव उमाशंकर बाजपेई, संयुक्त सचिव अर्जुन अग्रवाल, कान्हा आश्रम प्रबंधक विनीत राणावत सहित अनेक पदाधिकारियों और अभ्यासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विद्यालय में सम्पन्न हुआ मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम

जागरण मोर्चा कार्यालय

नगीना। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान से सम्बद्ध सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रामलीला बाग, नगीना में आज मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिवकुमार शर्मा (क्षेत्रीय संयोजक शिशु वाटिका विद्या भारती), विशिष्ट अतिथि उपेन्द्र कुमार शर्मा (सम्भाग निरीक्षक, मुरादाबाद सम्भाग), प्रधानाचार्य महेश सिंह और कार्यक्रम में उपस्थित माता-पिता द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया । कार्यक्रम के अन्तर्गत अतिथिगणों और माता-पिता का स्वागत भैया बहिनों द्वारा तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर किया गया इसके पश्चात पृथ्वी सिंह (प्रान्त संयोजक, परिवार प्रबोधन मेरठ प्रान्त) द्वारा वैदिक विधि और पूर्ण

पूजा में मौजूद लोग

मंत्रोच्चार द्वारा हवन का आयोजन किया गया तत्पश्चात मां सरस्वती की वन्दना की गयी और विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा उपस्थित अतिथियों का परिचय कराया गया तत्पश्चात भैया बहिनों द्वारा मंत्रोच्चार व आरती के साथ माता पिता की पूजा की। इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिवकुमार शर्मा (क्षेत्रीय संयोजक शिशु वाटिका विद्या भारती) का उद्बोधन हुआ जिसमें उन्होंने भैया बहिनों और माता पिता के दायित्वों पर प्रकाश डालते हुए उनका पालन करने के लिए उन्हें प्रेरित किया तत्पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उपेन्द्र कुमार शर्मा (सम्भाग निरीक्षक, मुरादाबाद सम्भाग) का उद्बोधन हुआ जिसमें उन्होंने शिक्षा के साथ साथ संस्कारों को महत्व देने के लिए सभी को प्रेरित किया ।इस कार्यक्रम में अभिभावकों ने अपने अनुभव सभी के साथ साझा किये ।इस अवसर पर भैया बहिनों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये` कार्यक्रम में 262 माता पिता व भैया बहिनों द्वारा शपथ और संकल्प लिया गया कि वह अपने कर्तव्यों का पालन प्रमाणिकता के साथ करेंगे तत्पश्चात सभी ने भारत माता की आरती की` कार्यक्रम के अन्त में प्रधानाचार्य महेश सिंह द्वारा प्रकट किया गया और कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

रामपुर केमिस्ट एसोसिएशन ने सामूहिक बारात का किया स्वागत

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। समाजसेवा जब संकल्प बन जाए तो उसका असर पूरे शहर में दिखाई देता है। ऐसा ही दृश्य रविवार को रामपुर में देखने को मिला, जब शहर की अग्रणी समाजसेवी संस्था लायंस क्लब रामपुर रॉयल के प्रयासों से 11 गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह गरिमामय माहौल में संपन्न कराया गया। यह आयोजन न सिर्फ जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत बना, बल्कि सामाजिक एकजुटता का मजबूत संदेश भी दे गया।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम उत्सव पैलेस में आयोजित किया। जहां पूरे विधि-विधान के साथ कन्याओं का विवाह कराया गया। विवाह उत्सव में खुशी, भावुकता और अपनत्व का माहौल साफ झलक रहा था। कई परिवारों के लिए यह आयोजन एक सपने के साकार होने जैसा था। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि 11 कन्याओं की सामूहिक बारात का भव्य स्वागत रामपुर केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा किया गया। सुबह 11 बजे मिस्टन गंज स्थित गुरु नानक

शहर कोतवाल को सम्मान देते रामपुर केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी।

मेडिकल स्टोर पर बारातियों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया।इस दौरान मिष्ठान, जलजीरा और समोसे का वितरण किया गया, जिससे माहौल उत्सवपूर्ण हो गया। इस अवसर पर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, सचिव नूर मोहम्मद खान के साथ अमित शर्मा, हैरी, नवीन सारस्वत, सोनू जिंदल, नरेंद्र कालरा, राजू मदन, विक्की बंसल, पारस जिंदल सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में संयुक्त शिक्षक महासंघ का गठन, वीरेंद्र चौधरी ने जताई खुशी

कांठ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ से संबद्ध) मुरादाबाद के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एवं छजलैट अध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी ने लखनऊ में गठित अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक संगठनों के एक मंच पर आने से टीईटी अनिवार्यता समाप्त कराने का आंदोलन अब और अधिक मजबूत होगा। राष्ट्रीय नेतृत्व के दिशा-निर्देशों के अनुसार आगामी गतिविधियां संचालित की जाएंगी और आंदोलन को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। ज्ञात हो कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में लखनऊ में अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ का गठन किया गया है। इस महासंघ के माध्यम से गैर-टीईटी शिक्षकों को न्याय दिलाने और टीईटी अनिवार्यता के विरोध में व्यापक आंदोलन चलाने की रणनीति बनाई गई है।बैठक में उत्तर प्रदेश के प्राथमिक शिक्षा से जुड़े विभिन्न शिक्षक संगठन एकजुट हुए। संयुक्त बैठक में सभी संगठनों ने सुशील कुमार पाण्डेय को मोर्चा का मुख्य संयोजक बनाते हुए संघर्ष को तेज करने का निर्णय लिया।बैठक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, अटेवा, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ, बीटीसी शिक्षक एसोसिएशन, बेसिक शिक्षा अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक महासंघ, टीएससीटी सहित अन्य संगठनों ने संयुक्त रूप से आंदोलन चलाने की घोषणा की।

28 फरवरी तक चकबंदी ग्रामों में चैपालें, मौके पर होंगे वादों का निस्तारण

शाहजहांपुर। कार्यालय उप संचालक चकबन्दी द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार जनपद के चकबंदी प्रक्रियाधीन ग्रामों में 28 फरवरी के मध्य ग्राम चैपालों का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम चकबंदी निदेशालय के निर्देश एवं चकबंदी आयुक्त की समीक्षा बैठक में दिए गए आदेशों के क्रम में तय किया गया है। रोस्टर के अनुसार अब्दालपुर अलवेला (तहसील जलालाबाद) में 25 फरवरी, लालपुर ता. लखनपुर (तहसील कलान) व मुडिया कुर्मियात (तहसील पुवायां) में 26 फरवरी तथा अजीजपुर ता. रझौआ (तहसील सदर) में 27 फरवरी को पंचायत घर पर चैपाल लगाई जाएगी। इन चैपालों में बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, चकबंदी अधिकारी, सहायक चकबंदी अधिकारी, चकबंदीकर्ता एवं चकबंदी लेखपाल अभिलेखों सहित उपस्थित रहेंगे और ग्रामीणों के चकबंदी से जुड़े वादों का समयबद्ध निस्तारण किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित तिथियों से पूर्व संबंधित ग्रामों में व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण अपनी समस्याओं के समाधान के लिए चैपाल में पहुंच सकें।

चौकी के पास रुपये के विवाद में मारपीट, दुकानदार समेत दो घायल

शाहजहांपुर। चौक कोतवाली क्षेत्र में बेरी चौकी के पीछे रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में जमकर मारपीट हो गई। घटना में एक दुकानदार सहित दो लोग घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, साढ़े तीन हजार रुपये के लेनदेन को लेकर एक दुकानदार और एक युवक के बीच काफी समय से कहासुनी चल रही थी। बीती रात मामला बढ़ गया। आरोप है कि युवक के पक्ष से आधा दर्जन से अधिक लोग मौके पर पहुंच गए और दुकानदार से मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर दुकानदार के पक्ष के लोग भी वहां पहुंच गए।

इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथापाई हुई। मारपीट में दुकानदार और दूसरे पक्ष का एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज भिजवाया। घटना पुलिस चैकी के पास होने से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं, खासकर जब पुलिस इन दिनों ह्यलॉट साहबह्ल के जुलूस को लेकर लगातार गश्त कर रही है। थाना प्रभारी अश्वनी कुमार ने बताया कि रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग से दुराचार व अश्लील वीडियो वायरल मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज

तिलहर-शाहजहांपुर। नाबालिग किशोरी से नजदीकियां बढ़ाने के बाद उसका यौन शोषण करने तथा अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर देने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है ।गौरतलब है कि कोतवाली क्षेत्र की एक नाबालिग किशोरी से जनपद कासगंज के कस्बा सोरों निवासी युवक ने रिश्तेदारी में आने जाने के दौरान नजदीकियां बढ़ाकर और बहला फुसला कर उससे न केवल दुराचार किया बल्कि उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली और उक्त वीडियो के जरिए ब्लैक मेल कर आए दिन उसका यौन शोषण करता रहा। जब मामले का खुलासा हुआ तो।पीड़ित परिवार ने जग हंसाई से बेहतर उक्त युवक से शादी करना बेहतर समझा और उससे शादी करने की बात की थी। युवक ने शादी करना तो दूर उसकी अश्लील वीडियो वायरल कर दी। उक्त मामले में महीने भर से पुलिस के चक्कर काटने के बाद पुलिस ने रविवार सोमवार की रात पीड़ित पिता की ओर से आरोपी जनपद कासगंज के कस्बा सोरों के मोहल्ला बंदरिया निवासी राजू पुत्र अयोध्या के खिलाफ बलात्कार व पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कोतवाल जुगुल किशोर पाल ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है। पीड़िता के चिकित्सीय परीक्षण तथा कोर्ट में बयानों के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

विहिप कार्यकताओं ने एसपी को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर बताई जनसमस्याएं

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा सोमवार को पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्रा से भेंट की गई। इस अवसर पर संगठन की ओर से एसपी को श्रीमद्भगवद्गीता एवं राम दरबार की प्रतिमा भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिला अध्यक्ष अमरीश मिश्रा एवं जिला मंत्री प्रवीण मोहन ने किया। जिला मंत्री प्रवीण मोहन ने संवाद के दौरान नगर में संचालित कुछ संदिग्ध एवं अनौपचारिक गतिविधियों को लेकर प्रशासन का ध्यान केंद्रित कराया।

एसपी से भेंट करते विहिप कार्यकर्ता

उन्होंने विशेष रूप से कुछ कैफे में बने बंद केबिनों तथा सामाजिक मयार्दाओं के विपरीत संभावित गतिविधियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की व्यवस्थाएं समाज के वातावरण को प्रभावित कर सकती हैं, इसलिए आवश्यक है कि प्रशासन समय-समय पर जांच एवं निगरानी सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने संगठन के पदाधिकारियों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि कानून के दायरे में रहते हुए हर संभव एवं आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

त्यौहारों को लेकर अधिकारियों ने दिये आवश्यक दिशा निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

कांठ। आगामी होली के त्योहार और रमजान, ईद के त्यौहार को लेकर थाना कांठ में क्षेत्र के संभ्रांत लोगों की। बैठक पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने ली रंग एकादशी एवं होली पर निकलने वाले रंगों के जुलूस के रास्ते एवं व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और इस संबंध में दिशा निर्देश भी जारी किये। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी कांठ आईपीएस अभिनव द्विवेदी ने कहा कि होली के त्यौहार को परंपरागत तरीके से मनाई एकादशी के रंग के जुलूस के दिन जुम्मे की नमाज भी है। इस बात का भी ध्यान रखें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी जुलूस परंपरागत रास्तों से ही निकाले जाएं। अगर कहीं किसी तरह की कोई समस्या है तो उसके बारे में अभी बता दें ताकि समय रहते उस समस्या का समाधान कराया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि होली का दहन करने से पूर्व यह भी देख ले कहीं बिजली के तार तो होलिका दहन स्थल के ऊपर नहीं है, या कहीं ऐसी जगह तो नहीं है जहां से नुकसान हो सकता है। इस अवसर पर एसडीएम संत दास पवार ने कहा कि होली का त्योहार प्रेम सौहार्द के साथ मनाएं और रमजान के महीने में जुम्मे की नमाज भी शांतिपूर्ण माहौल में अदा करें। उन्होंने सभी जुलूसों और ईद के संबंध में भी दिशा निर्देश जारी किये। इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह, सहकारी गन्ना समिति के अध्यक्ष कुंवर सुरेंद्र सिंह बिश्नोई, डॉक्टर मोहम्मद यूसुफ, डॉक्टर सिराजुद्दीन अंसार, ओम प्रकाश बौद्ध, राकेश कुमार प्रजापति, सचिन चौधरी, आनंद कुमार ,सहित क्षेत्र के संभ्रांत लोग व अन्य पुलिस अधिकारी व अन्य पुलिस कुर्मी मौजूद रहे।

दूसरी पार्टी से आये नेताओं पर जताया हमले का संदेह विधायक ने पत्रकार वार्ता की

जागरण मोर्चा कार्यालय

गजरौला। विधायक राजीव तरारा ने सोमवार की शाम को पत्रकार वार्ता आयोजित करके हमले की जांच कराने की मांग की। संदेह जताया है कि उनके हमले के पीछे दूसरी पार्टियों से आए राजनीतिक लोग भी शामिल हो सकते हैं। कहा कि वे मुख्यमंत्री से मिलकर इस घटना के बारे में बताएंगे।

रविवार रात विधायक पर हमले में उनकी कार पर भी पथराव किया गया। आरोपियों के हमले में विधायक के रिश्तेदार सचिन कुमार व एक समर्थक भी घायल हुए हैं। विधायक ने इस संबंध में सोमवार की देर शाम प्रेसवार्ता की। जिसमें उन्होंने कहा कि उनके गनर से भी गन छीनने की कोशिश की गई थी। पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि घटना के बाद उन्होंने थाना प्रभारी के अलावा एसपी को भी फोन किया। कुल मिलाकर चार बार फोन करने के बाद भी पुलिस देरी से पहुंची। पुलिस के कुछ अधिकारी सरकार को बदनाम करना चाहते हैं। उन्होंने दूसरी पार्टियों से आए नेताओं पर भी हमला करवाने का शक जताया।

हालांकि उन्होंने किसी नाम नहीं लिया। कहा कि आरोपियों व वहां की जमा हुई जनता व उनके समर्थकों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा था। इसके बाद भी थाने में बंद आरोपियों का वीडियो बनाकर वायरल किया गया है। उस वीडियो में आरोपियों की जाति के बारे में एक व्यक्ति पूछताछ कर रहा है। ऐसा करके माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी पथराव करते हुए कह रहे थे कि मुझे कोई फर्क नहीं पकड़ा है। मैं तीन साल जेल में रहकर आया हूं। मेरे पीछे बड़े लोगों का हाथ है। वह मुख्यमंत्री से मिलकर पूरी घटना के बारे में उन्हें अवगत कराएंगे।

होली को लेकर पुलिस सतर्क, थाना प्रभारी ने किया होलिका दहन स्थलों का निरीक्षण

जागरण मोर्चा कार्यालय

कांठ। होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कांठ सुदेश पाल सिंह ने क्षेत्र के आधा दर्जन ग्रामों का दौरा कर होलिका दहन स्थलों का भौतिक सत्यापन किया तथा स्थानीय लोगों से शांति व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।थाना प्रभारी निरीक्षक ने ग्राम जमनिया, शाहपुर अब्दुलबारी, खंडसाल, शहदोली सहित अन्य गांवों में पहुंचकर वहां के ग्राम प्रधानों एवं जागरूक नागरिकों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि सभी लोग होली का त्योहार परंपरागत एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं। यदि किसी गांव में किसी प्रकार की समस्या या विवाद की आशंका हो तो

तत्काल पुलिस को अवगत कराएं, ताकि समय रहते उसका समाधान कराया जा सके।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक गांव में होलिका दहन का समय और स्थान स्पष्ट रूप से निर्धारित रहे। इस संबंध में ऊमरी कलां चौकी प्रभारी को सभी सूचनाएं संकलित कर अपने पास रखने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

वाहन की टक्कर से बिजली पोल गिरा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। घुंघचाई-दियूरियाकला रोड पर एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बिजली का पोल गिर गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई राहगीर मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि पोल क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर गिर पड़ा। पोल गिरने से दियूरियाकला मार्ग पर कुछ समय तक आवागमन बाधित रहा। सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एहतियातन आपूर्ति बंद कर दी। कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त तारों को हटाकर मरम्मत कार्य शुरू किया।

नॉर्दन इण्डिया स्कूल के खेल में वज्र सदन बना चैम्पियन

जागरण मोर्चा कार्यालय

गजरौला। विधायक नगर के हाइवे स्थित नार्दन इण्डिया पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक खेल समारोह का शुभारंभ शिक्षक विधायक डॉ-हरि सिंह ढ़िल्लो ने किया। समारोह में वज्र सदन विजेता व विक्रांत सदन उपविजेता रहे।

सोमवार को विद्यालय में आयोजित खेल समारोह में शिक्षक विधायक ने कहा कि जीवन में खेल हो या फिर कोई अन्य क्षेत्र, हमें हार से कभी हताश नहीं होना चाहिए बल्कि फिर से कठिन परिश्रम करना चाहिए, एक न एक दिन हमें सफलता जरूर मिलेगी। कार्यक्रम में छात्राओं ने मां सरस्वती वंदना प्रस्तुत करके वातावरण को मांगलिक ऊर्जा से भर दिया।

छात्र-छात्रओं ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। खेल समारोह में आयोजित बालक वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता में छात्र जयवर्धन, अर्पित, आदर्श, निशांत भड़ाना, आयुष कुमार, नितिन चौधरी, शिवा यादव, पवित्र कुमार आदि खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ग्रीन हाउस की टीम ने रेड हाउस को हराया। वॉलीबाल में ग्रीन हाउस ने येलो हाउस को पराजित किया। बालिका वर्ग की कबडडी में छात्र नैन्सी पाल, हवी सिद्धू, माही सिरोही के शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए ग्रीन हाउस को जीत दिलाई। बैडमिंटन में छात्र तनिष्क, यॉम्या सिंह, अक्षर, मोही और अविरल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि टेबल टेनिस में तनिष्क, आयुष शर्मा, गरिमा व अविलर ने अपने अपने वर्ग में जीत हासिल की। कैरम व स्केटिंग में तनिष्क, अयाज, अदीब, सिद्धू और ख्याति ने जीत हासिल की जबकि स्केटिंग में शयान, नमामि, सांची व हरदीन ने स्वर्ण पदक जीते। खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता ने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र व ट्राफी आदि देकर सम्मानित किया। प्रबंधक राकेश मोहन गर्ग ने आभार व्यक्त किया।

पिछड़ा दलित वर्ग संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। नगर में जय समाजवाद के नारे के साथ जय पिछड़ा दलित वर्ग संघ उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने यूजीसी के नए नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने की मांग की। महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी पूरनपुर को सौंपा।

संघ के संयोजक दामोदर प्रसाद एडवोकेट के नेतृत्व में पिछडा दलित वर्ग संघ अधिवक्ता समाज के लोग जुलूस की शक्ल में तहसील पंहुचे। एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि यूजीसी द्वारा पिछड़े एवं दलित वर्ग के हितों के संरक्षण के लिए बनाए गए नियम देश की लगभग 83 प्रतिशत आबादी के हित से जुड़े हुए हैं। ऐसे में इन नियमों को लागू किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

ज्ञापन में बताया कि अगर इन नियमों को रोका गया या लागू करने में विलंब किया गया तो इससे व्यापक असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। संगठन ने महामहिम राष्ट्रपति से अपील की कि देश की बहुसंख्यक जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए यूजीसी के नए नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू कराया जाए। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछड़ा और दलित समाज शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर की अपेक्षा रखता है। यूजीसी के नियम इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

ज्ञापन देने वालों में दामोदर प्रसाद यादव, हरीराम गौतम, प्रेमपाल, शिव सागर वर्मा, नरेश पाल, ओम प्रकाश आदि अधिवक्ता और संगठन के लोग शामिल रहे।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेल में साहिल, सैयद और फैजान बर्फ पर गढ़ रहे नया इतिहास

एजेंसी

गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर)। गुलमर्ग की बर्फीली ढलानों पर ठंडी हवाएं संकल्प को और मजबूत करती हैं, इसीलिए वहां तीन युवा भारतीय अल्पाइन स्की खिलाड़ी अपने भविष्य की नई इबारत लिख रहे हैं। मनाली की ऊंची पहाड़ियों और कश्मीर की बर्फीली वादियों से आने वाले ये खिलाड़ी भले अलग पृष्ठभूमि रखते हों, लेकिन उनका लक्ष्य शीतकालीन ओलंपिक में भारत का परचम लहराना है। इन तीनों खिलाड़ियों के मार्गदर्शक दो बार शीतकालीन ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके मोहम्मद आरिफ खान हैं। आरिफ खान के मार्गदर्शन में साहिल ठाकुर, सैयद जैन और फैजान अहमद लोन ने हाल ही में इटली के सूदतिरोल क्षेत्र में प्रशिक्षण लिया, जहां उन्होंने यूरोप के श्रेष्ठ अल्पाइन खिलाड़ियों की तकनीकी कठोरता और प्रतिस्पर्धी मानसिकता को नजदीक से समझा।

19 वर्षीय साहिल ठाकुर के लिए स्कीइंग विरासत भी है और स्वभाव भी।

मनाली में पले-बढ़े साहिल के पिता देवी चंद और उनके भाई रजनीश तथा राहुल भी स्की खिलाड़ी हैं। साहिल कहते हैं, ल्लइटली से लौटने के बाद मुझे अपने खेल में अंतर महसूस हुआ। प्रशिक्षण की बारीकियां और तकनीक पर ध्यान से पर्वत को देखने का नजरिया बदल जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण और रजत पदक जीत चुके साहिल ने 2024 में दक्षिण कोरिया के गंगवॉन में आयोजित शीतकालीन युवा ओलंपिक खेलों में भी भाग लिया। अब उनकी नजर वर्ष 2030 में फ्रांस के आल्प्स पर्वत क्षेत्र में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक पर है। यदि साहिल की यात्रा पारिवारिक विरासत से प्रेरित है, तो 16 वर्षीय सैयद जैन की कहानी जुनून और परिश्रम की मिसाल है। श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र हुमहामा में पले-बढ़े जैन ने वर्ष 2020 में आयोजित प्रथम खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों में स्लालम और जाइंट स्लालम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीते।

इसके बाद वर्ष 2022 की जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दो रजत पदक हासिल किए। जैन का प्रारंभिक प्रशिक्षण गुलमर्ग स्थित भारतीय स्कीइंग और पर्वतारोहण संस्थान में हुआ। वह कहते हैं, ल्लस्कीइंग को यूरोपीय खेल माना जाता है, लेकिन आरिफ खान जैसे खिलाड़ियों ने दिखाया है कि यह भारत का भी हो सकता है।ङ्क

उन्होंने छह बार ओलंपिक में भाग ले चुके शिवा केशवन को भी अपनी प्रेरणा बताया। 19 वर्षीय फैजान अहमद लोन की कहानी अवसर और संघर्ष की मिसाल है। पांच बार राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने वाले और चार बार खेलो इंडिया विजेता रहे फैजान कहते हैं, ल्लस्कीइंग महंगा खेल है। आरिफ खान ने केवल प्रशिक्षण ही नहीं दिया, बल्कि प्रायोजन दिलाने में भी मदद की, जिससे मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग ले सका।ङ्क

चयन और बल्लेबाजी क्रम की गलतियों से मिली टीम इंडिया को हार : रविचंद्रन अश्विन

एजेंसी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (हि.स.)। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के सुपर आठ चरण में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली 76 रन की करारी हार के पीछे चयन और बल्लेबाजी क्रम से जुड़े फैसलों को अहम कारण बताया है। यह मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। 188 रनके लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 111 रन पर सिमट गई। यह टी-20 विश्व कप में भारत की सबसे बड़ी हार रही और टूर्नामेंट में लगातार 13 मैचों से चला आ रहा अपराजित क्रम भी टूट गया। अश्विन ने अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खिलाने और रिंकू सिंह को आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजने के फैसले पर सवाल उठाए। अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर अश्विन ने कहा, ल्लमैं मानता हूं कि इंडियन प्रीमियर लीग में मुकाबलों के

अनुसार संयोजन बनाना ठीक है, क्योंकि वहां 14 मैच खेलने होते हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के टूर्नामेंट में टीम को जितना स्थिर रख सकें, उतना बेहतर होता है। बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ वॉशिंगटन सुंदर का उपयोग करना सही है, इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं। लेकिन अक्षर पटेल टी-20 क्रिकेट में आपके सबसे उपयोगी खिलाड़ी रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने क्या किया है।ङ्क अश्विन ने वर्ष 2024 के टी-20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की पारी को याद किया। उन्होंने कहा, ल्लपिछले विश्व कप में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इसी तरह की परिस्थिति में अक्षर पटेल ने विराट कोहली के साथ साझेदारी की थी और भारत का स्कोर 170 के पार पहुंचाया था। निश्चित रूप से कोहली का अनुभव था, लेकिन अक्षर किसी से कम नहीं हैं। अगर भारत के पास मध्य ओवरों में कुछ विकेट शेष रहते और स्थिरता बनी रहती, तो लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। अश्विन ने बल्लेबाजी क्रम पर भी असहमति जताई। उन्होंने कहा, ल्लरिंकू सिंह का आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करना समझ से परे है। आपके पास आठ बल्लेबाज हैं और रिंकू आठवें नंबर पर आ रहे हैं।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में प्रतिदिन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का संकल्प: साक्षी राणा

एजेंसी

बेंगलुरु, 23 फरवरी (हि.स.)। भारतीय महिला हॉकी टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर इस समय कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में जारी है। यहां खिलाड़ियों का ध्यान कौशल विकास और सामरिक अनुशासन को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है।

मुख्य प्रशिक्षक सजोर्ड मारिजने तथा खेल वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड के मार्गदर्शन में 18 वर्षीय मध्य पंक्ति की खिलाड़ी साक्षी राणा अपने खेल को निखारने में जुटी हैं। पिछले वर्ष वरिष्ठ भारतीय टीम में पदार्पण करते हुए स्पेन के विरुद्ध गोल करने वाली साक्षी के लिए यह प्रशिक्षण शिविर निरंतर सीखने और शारीरिक सुदृढ़ता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। साक्षी ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, ल्लहमारी जो भी कमियां हैं, उन पर प्रतिदिन

कार्य कराया जा रहा है। शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति और पुनर्बहाली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशिक्षक प्रत्येक बात को सरल और स्पष्ट ढंग से समझाते हैं। वरिष्ठ खिलाड़ी भी हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती रहती हैं।

साक्षी की तेज और आक्रामक खेल शैली का विकास हरियाणा के सोनीपत स्थित प्रीतम सिवाच खेल अकादमी में कोच कुलदीप के मार्गदर्शन में हुआ। अब वरिष्ठ स्तर पर उन्हें अपनी गति के साथ सामरिक समझ, पूर्व अवलोकन और मैदान पर संवाद को बेहतर बनाने पर विशेष अभ्यास कराया जा रहा है। साक्षी ने बताया, ल्लव्यक्तिगत चर्चा में प्रशिक्षक ने कहा कि मैं अपना स्वाभाविक खेल जारी रखूं, लेकिन मध्य क्षेत्र में खेलने के कारण पहले से मैदान का निरीक्षण करना और साथियों से स्पष्ट संवाद बनाए रखना आवश्यक है। सामूहिक बैठकों में हमें यह समझाया जा रहा है कि गेंद को कब अपने पास रखना है और कब साथी खिलाड़ी को पास देना है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बहुत तेजी से बनता है। हाल ही में राष्ट्रीय हॉकी लीग में खेलने से उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है। वहां शीर्ष विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलने का अनुभव उन्हें उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा को समझने में सहायक रहा। साक्षी ने कहा, ल्लइस प्रतियोगिता में खेलने के बाद संवाद और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई है।

जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे श्रीकांत और तन्वी

एजेंसी

नई दिल्ली । जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन प्रतियोगिता की शुरुआत मंगलवार से होने जा रही है, जिसमें भारत की ओर से अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, जिन्होंने वर्ष 2021 की विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था, ने पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। वह मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 प्रतियोगिताओं में उपविजेता रहे, हालांकि खिताब जीतने में सफल नहीं हो सके। 31 वर्षीय श्रीकांत की विश्व रैंकिंग एक समय 82 तक खिसक गई थी, लेकिन अब वह

दोबारा 32वें स्थान पर पहुंच चुके हैं। वह उच्च स्तरीय सुपर 750 और सुपर 1000 प्रतियोगिताओं में सीधा प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए अपनी रैंकिंग और बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। अपने अभियान की शुरुआत वह एक क्वालीफायर खिलाड़ी के विरुद्ध करेंगे। महिला एकल वर्ग में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर हैं, पहले दौर में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी। तन्वी ने इस सत्र की शुरुआत में इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स प्रतियोगिताओं में विश्व नंबर दो वांग झी यी और विश्व नंबर 12 टोमोका मियाजाकी को कड़े मुकाबले में तीन गेम तक खींचा था। इसके अलावा उन्होंने एशिया बैडमिंटन टीम चैंपियनशिप में विश्व नंबर 17 बुसानन ओंगबामरुंगफान को हराकर सबको चौंका दिया था।

तन्वी ने पिछले वर्ष के अंत से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 और वर्ष 2025 के संयुक्त राज्य ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहीं, जबकि सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 में सेमीफाइनल तक पहुंचीं। विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मालविका बंसोड़ घुटने की गंभीर चोट से उबरने के बाद वर्ष की अपनी छठी प्रतियोगिता खेलेंगी।

उन्हें जून 2025 में इंडोनेशिया ओपन के दौरान मैच में बढ़त के बावजूद चोट के कारण हटना पड़ा था। पहले दौर में उनका मुकाबला डेनमार्क की लाइन होयमार्क क्येर्सफ़ेल्ट से होगा।

गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल का उद्घाटन

एजेंसी

श्रीनगर,। उत्तरी कश्मीर के बर्फीले इलाके में स्थित गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट में सोमवार से खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) का छठे संस्करण शुरू हो गया, जिसमें देश भर से सैकड़ों एथलीट, अधिकारी और पर्यटक डेरा डालेंगे। उद्घाटन के मौके पर जम्मू-कश्मीर के खेल मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि क्षेत्र आतंकवाद का कड़ा मुकाबला करेगा और साथ ही पर्यटन और खेलों को विकास के प्रमुख चालकों के रूप में बढ़ावा देना जारी रखेगा। गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल के उद्घाटन समारोह में शर्मा ने कहा कि यह आयोजन चुनौतियों के बीच जम्मू और कश्मीर के लचीलेपन और आत्मविश्वास को दर्शाता है। हाल ही में हुई पहलगाम घटना का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि ऐसे कृत्य शांति, पर्यटन और खेलों के माध्यम से युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने

के प्रयासों को पटरी से नहीं उतारेंगे। हम चुनौतियों का सामना करने के लिए काफी मजबूत हैं। पर्यटन फलेगा-फूलेगा और खेल सकारात्मक बदलाव लाएंगे। खेलों के छठे संस्करण की मेजबानी को सम्मान बताते हुए शर्मा ने कहा कि गुलमर्ग एक प्रमुख शीतकालीन खेल केंद्र के रूप में उभरा है जो देश भर से खिलाड़ियों और आगंतुकों को आकर्षित करता है। उन्होंने आगे कहा कि शीतकालीन साहसिक पर्यटन को सोनमर्ग, भदेरवाह और पीर पंजाल क्षेत्र जैसे स्थलों तक भी विस्तारित किया जा रहा है।

जिंदल पोलो एस्टेट कप 24 फरवरी से, नोएडा करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। जिंदल पोलो एस्टेट कप (चार गोल) प्रतियोगिता का आयोजन 24 फरवरी से 01 मार्च तक नोएडा स्थित जिंदल पोलो एस्टेट मैदान में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता देश के उभरते और अनुभवी पोलो खिलाड़ियों को एक मंच पर लाएगी, जहां पूरे सप्ताह तेज़ रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

इस प्रतियोगिता में सात टीमें डायनामोज, यंगस्टर्स, मेफ़ेयर पोलो, ट्रोजन्स, जिंदल पैंथर, टीम एक्स और मैलेट मास्टर्स भाग लेंगी, जो समूह चरण और नॉकआउट चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी। सभी टीमें चार गोल हैंडीकैप प्रारूप में अपने-अपने खिलाड़ी उतारेंगी। यह आयोजन देश में पोलो खेल की बढ़ती गहराई और प्रतिभा को प्रदर्शित करेगा। विशेष आकर्षण के रूप में नवीन जिंदल स्वयं जिंदल पैंथर टीम की ओर से मैदान में उतरेंगे, जो खेल के प्रति उनकी

प्रतिबद्धता और सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। प्रतियोगिता में कई प्रमुख खिलाड़ी भी भाग लेंगे, जिनमें सिमरन शेरगिल (चार गोल) और शमशीर अली (चार गोल) सर्वोच्च रैंक वाले खिलाड़ी हैं। इनके अलावा सिद्धांत शर्मा (तीन गोल), हुर्र अली (तीन गोल) और नवीन सिंह (तीन गोल) जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के लिए रणनीतिक कौशल और मैच जिताने की क्षमता लेकर मैदान में उतरेंगे। प्रतियोगिता प्रारूप- टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। समूह 'क' में डायनामोज, यंगस्टर्स, मेफ़ेयर पोलो और ट्रोजन्स शामिल हैं, जबकि समूह 'ख' में जिंदल पैंथर, टीम एक्स और मैलेट मास्टर्स को रखा गया है। प्रत्येक जीत पर दो अंक दिए जाएंगे। यदि अंक समान होते हैं तो ल्लआपस में किसने किसे हरायाङ्क के आधार पर निर्णय होगा। आवश्यकता पड़ने पर दंड प्रहार निर्णायक की भूमिका निभाएंगे, जिससे प्रत्येक चक्कर का महत्व बढ़ जाएगा। प्रतियोगिता की शुरुआत 24 फरवरी को लीग मुकाबलों से होगी। 25 और 26 फरवरी को लगातार मैच खेले जाएंगे। 27 फरवरी को विश्राम दिवस रहेगा। इसके बाद 28 फरवरी को अंतर-समूह अर्ध-फाइनल मुकाबले होंगे और 1 मार्च को सहायक फाइनल तथा भव्य फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। स्प्रिंग पोलो का रोमांचक आयोजन जिंदल पोलो स्प्रिंगसत्र का यह प्रमुख आयोजन विभिन्न हैंडीकैप स्तर के खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करता है और उत्तर भारत में पोलो संस्कृति को बढ़ावा देता है।

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने भारतीय गोल्फ इतिहास के सबसे बड़े निजी निवेश की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने भारतीय गोल्फ इतिहास के सबसे बड़े निजी निवेश की घोषणा करते हुए 10 फ्रेंचाइजी साझेदारों से 100 मिलियन डॉलर की पूंजी प्रतिबद्धता हासिल की है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी ने अगले 10 वर्षों में लगभग 10 मिलियन डॉलर निवेश करने का संकल्प लिया है। 10 शहरों में अधिकार, देशव्यापी प्रतिनिधित्व आईजीपीएल ने हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, विशाखापत्तनम, गोवा, बेंगलुरु, पंजाब और गुरुग्राम को अधिकार प्रदान किए हैं। यह प्रारूप देश के प्रमुख महानगरों और उभरते क्षेत्रों तक पेशेवर गोल्फ को पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। 250 मिलियन डॉलर का आधारभूत संरचना निवेश लीग संचालन के अलावा साझेदारों ने दूसरे और तीसरे श्रेणी के शहरों तथा गांवों में 8ऽ10 एकड़ के छोटे गोल्फ मैदान विकसित करने

के लिए सामूहिक रूप से 250 मिलियन डॉलर निवेश का लक्ष्य रखा है। इसका उद्देश्य गोल्फ को पारंपरिक अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर आम लोगों तक पहुंचाना है।

तीन महाद्वीपों में विस्तार की योजना आईजीपीएल अपने पहले ही वर्ष में भारत, अफ्रीका और मध्य-पूर्व सहित तीन महाद्वीपों में विस्तार की रणनीति के साथ शुरुआत करेगा। अगले तीन से चार वर्षों में पांच देशों में संचालन का लक्ष्य रखा गया है। आईजीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तम सिंह मुंडी ने कहा कि यह पारंपरिक खेल निवेश नहीं, बल्कि खेल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का मंच है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली गिरावट भी आई। इसके बावजूद दोनों सूचकांक लगातार बढ़त के साथ ही कारोबार करते रहे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.60 प्रतिशत और निफ्टी 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एक्सिस बैंक, एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और कोटक महिंद्रा के शेयर 2.13 प्रतिशत

से लेकर 1.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, ओएनजीसी, सिप्ला, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एटरनल के शेयर 2.21 प्रतिशत से लेकर 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,590 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,999 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 591 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर छह शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 92.12 अंक की मजबूती के साथ 82,906.83 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। पहले 15 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स 670 अंक से अधिक उछल कर 83,486.15 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में मामूली गिरावट भी आई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 497.95 अंक की बढ़त के साथ 83,312.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 107.15 अंक उछल कर 25,678.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। पहले 15 मिनट के कारोबार में ही निफ्टी करीब 200 अंक की तेजी के साथ 25,771.45 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 161.25 अंक की मजबूती के साथ 25,732.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 316.57 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,814.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 116.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,571.25 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

गोवंश का संरक्षण एवं संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता : धर्मपाल सिंह

गोधन समागम–2026 कार्यक्रम में उप्र के सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले 112 दुग्ध उत्पादक

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पशुधन, दुग्ध विकास एवं राजनैतिक पेंशन विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भव्य कार्यक्रम गोधन समागम 2026 में वर्ष 2024-25 के प्रदेश के सर्वाधिक दुग्ध आपूर्तिकर्ता 63 दुग्ध उत्पादकों को गोकुल पुरस्कार और गाय के सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले 49 दुग्ध उत्पादकों को नन्दबाबा पुरस्कार से सम्मानित किया।

मंत्री ने इस दौरान पुरस्कृत सभी 112 दुग्ध उत्पादकों को प्रतीक चिन्ह, पुरस्कार स्वरूप धनराशि, प्रमाण-पत्र देकर प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही निराश्रित गोवंश संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 जनपदों हरदोई, अलीगढ़, अमरोहा, जालौन तथा रायबरेली के जिलाधिकारियों, सीडीओ एवं सीवीओ को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि गोधन समागम हमारी गव्य, परम्परा एवं संस्कृति संगम का अद्भुत रूप है। यह समागम प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और गौजन्य उत्पादों के प्रयोग हेतु आमजन को जागरूक करेगा। दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने, स्वरोजगार को बढ़ाने, दुधारू पशुओं के पालन एवं गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादों को आमजन तक सुगमता से उपलब्ध कराने के लिए दुग्ध विकास विभाग प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से भारतीय गोवंशीय देशी गाय के दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है और गोवंश का संरक्षण एवं संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में गोकुल पुरस्कार के अंतर्गत लखनऊ दुग्ध संघ के लखीमपुर-खीरी जनपद निवासी एवं वेलवा मोती समिति के वरूण सिंह को 1,81,272 ली. दुग्ध आपूर्ति के लिए राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार और फिरोजाबाद दुग्ध संघ के जनपद आगरा की दुग्ध समिति ठेरई के वीरेन्द्र सिंह को 1,10,693.50 ली. दुग्ध आपूर्ति के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इन दोनों दुग्ध उत्पादकों को क्रमशः 2 लाख रुपये एवं 1.50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि तथा शेष अन्य चयनित लाभार्थियों को जनपद स्तरीय पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है। इसी प्रकार नंदबाबा पुरस्कार के तहत मुरादाबाद दुग्ध संघ के जनपद रामपुर की दुग्ध समिति हमीरपुर के लाभार्थी अरूण कुमार को 19,066 ली. दुग्ध आपूर्ति हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित करते हुए पुरस्कार स्वरूप 51 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है। इनके अलावा नन्दबाबा जनपद स्तरीय पुरस्कार के तहत अन्य लाभार्थियों को 21 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री सिंह ने सभी विजेताओं को बधाई दी और कहा कि पुरस्कृत 112 दुग्ध उत्पादकों में से 25 महिला लाभार्थी है, जो दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में महिलाओ की भागीदारी का एक सशक्त उदाहरण है। उप्र दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति 2022 प्रदेश में दुग्ध उद्योग के क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रख्यापित की गयी है। दुग्ध नीति 2022 के अन्तर्गत राज्य में 550 करोड़ का निवेश हुआ है, जिससे प्रतिदिन 39 लाख लीटर दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि हुई तथा लगभग 1500 रोजगार का सृजन हुआ। दुग्ध नीति अन्तर्गत 35 प्रतिशत अधिकतम 5 करोड़ रुपये की सीमा तक पूंजीगत अनुदान प्रदान किया जाता है। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये 25 करोड़ रुपये का प्राविधान सरकार द्वारा बजट में किया गया है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन लोक कल्याण संकल्प पत्र 2022 के द्वारा 5 वर्षों में 1000 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाने हेतु स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायों को बढ़ावा देने के लिये नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना, मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना एवं मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत 10,000 पशुपालकों को लाभान्वित किया गया है।

गर्मियों में किसी को भी नहीं होनी चाहिए पीने के पानी की किल्लत : जलशक्ति मंत्री

जागरण मोर्चा कार्यालय

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल जीवन मिशन व राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम की समीक्षा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में गर्मियों के दौरान गांवों में पेयजल से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या न आए। इसके लिए राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। इस बाबत सोमवार को उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल निगम ग्रामीण मुख्यालय में जल जीवन मिशन और राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि गर्मियों के दौरान कहीं भी जलसंकट की समस्या नहीं होनी चाहिए। इसके लिए अधिकारी अभी से जरूरी तैयारी शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक इंजीनियर रोजाना 10 ग्राम प्रधानों से बात कर पेयजल योजनाओं की जानकारी लें। अगर कोई समस्या आती है, तो उसे तुरंत ठीक कराया जाए। जिससे ग्रामीणों को कोई दिक्कत न आए। समीक्षा में जलशक्ति मंत्री ने सड़क रिस्टोरेशन के कार्यों को और तेज करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कें खोदी गई हैं, वहां मार्च अंत तक रिस्टोरेशन कार्यों को पूरा कर लिया जाए। साथ ही आला अधिकारियों को निर्देश कि वो मौके पर जाकर सड़क रिस्टोरेशन के कार्यों का निरीक्षण करें।

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में यूपी–हेसेन प्रतिनिधिमंडल की अहम बैठक, निवेश और द्विपक्षीय सहयोग पर जोर

लखनऊ ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में हेसेन राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। हेसेन की ओर से प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राज्य सचिव कैरिन मुलर ने किया। बैठक में द्विपक्षीय सहयोग और निवेश अवसरों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश की निवेशक–अनुकूल एफडीआई नीति को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। साथ ही मेडिकल डिवाइस, वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, सेमीकंडक्टर, रक्षा, आईटी/आईटीईएस, जीसीसी तथा 660+ मेगावाट डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में राज्य की मजबूत क्षमताओं को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान हेसेन की वित्त, रसायन, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में वैश्विक विशेषज्ञता पर भी प्रकाश डाला गया। दोनों पक्षों ने क्षेत्र–विशिष्ट साझेदारियों की संभावनाओं को आगे बढ़ाने पर सकारात्मक रुख दिखाया। साथ ही विशेषज्ञ स्तर की सहभागिता को प्रोत्साहित करने और दीर्घकालिक राज्य स्तरीय सहयोग को मजबूत बनाने के लिए बैठकों को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई।

दरभंगा जा रही रही डबल डेकर बस लखनऊ में पलटी, पांच यात्रियों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में सोमवार शाम को एकडबल डेकर बस सड़क पर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई है। हादसे में करीब 10 से 12 लोग घायल भी हुए हैं।बस बिहार के दरभंगा जा रही थी। घटना की जानकारी पर पुलिस के तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत बचाव शुरू किया। पुलिस मृतकों की संख्या की अभी पुष्टि नहीं है। मृतकों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि डबल डेकर बस यात्रियों को लेकर लुधियाना से दरभंगा जा रही थी।जिले के गोसाईगंज थाना क्षेत्र स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के खेमा खेड़ा गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकरसड़क पर पलट गई। दुर्घटना होते ही सवारियों की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिसको सूचना दी। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि हादसे में चार से पांच लोगों की मौत की आशंका है।इसके अलावा हादसे में 10 से 12 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान की जा रही है, इसके बाद ही मौतों का सही आकड़ा मिल सकेगा। प्रथमदृष्टतया चालक की लापरवाही सामने आ रही है।

बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा नई सरकार की प्राथमिकता हो : शंकराचार्य अधोक्षजानंद

मथुरा। गोवर्धन पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज ने बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम और वहां रह रहे अल्पसंख्यकों की स्थिति पर गहरा सरोकार व्यक्त किया है। मथुरा प्रवास के दौरान सोमवार को मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से लेकर धार्मिक पदों की गरिमा तक पर अपनी बेबाक राय रखी।

शंकराचार्य ने ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला देते हुए कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से बांग्लादेश गोवर्धन मठ के विशेष संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उन्होंने कहा, ल्लवहां के सवा करोड़ हिंदुओं का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। राजनीतिक उथल–पुथल के बीच सनातनी समाज ने जिस साहस के साथ अपने मठ–मंदिरों की रक्षा की, वह वंदनीय है ल्ल उन्होंने तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार को बधाई देते हुए आह्वान किया कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और विकास के लिए सरकार को संवेदनशीलता दिखानी होगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े हालिया विवाद और शंकराचार्य पद की वैधता पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया। स्वामी अधोक्षजानंद ने दो टूक कहा कि ज्योतिर्मठ का मामला वर्तमान में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के विचाराधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया, ल्लजब तक न्यायालय का अंतिम फैसला नहीं आता, तब तक किसी भी व्यक्ति को शंकराचार्य पद का दावा नहीं करना चाहिए ल्ल उन्होंने संतों पर लग रहे आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि ऐसे विवादों से 'भगवा' और संत परंपरा की गरिमा को ठेस पहुँचती है।

वैश्विक शांति पर चर्चा करते हुए शंकराचार्य ने तालिबान शासन पर एक चौंकाने वाला विश्लेषण दिया। उन्होंने कहा कि मुल्ला उमर के दौर की तुलना में वर्तमान तालिबान सरकार के व्यवहार में सुधार और बदलाव दिखा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यदि वहां अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक व्यवस्थाएं पूरी तरह लागू होती हैं, तो क्षेत्र में स्थिरता और शांति का माहौल बनेगा।

नौकरी का प्रलोभन देकर धर्मान्तरण के आरोप में केरल का शख्स गिरफ्तार

बलिया। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के सिकन्दरपुर कस्बे में धर्म परिवर्तन कराने के आरोप से जुड़े एक मामले में पुलिस ने सोमवार को केरल राज्यवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दरअसल, पुलिस ने यह कार्रवाई 22 फरवरी को थाना सिकन्दरपुर में दी गई तहरीर और प्रारंभिक जांच के आधार पर की है। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) दिनेश कुमार शुक्ल ने सोमवार को बताया कि बजरंग दल के जिला संयोजक प्रतीक कुमार राय ने थाना सिकन्दरपुर में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि मैनापुर क्षेत्र स्थित डॉ. फरीद के मकान में किराये पर रह रहा एक व्यक्ति स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं को कथित रूप से नौकरी का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके बाद पुलिस ने सिकंदरपुर पहुंचकर जांच पड़ताल की और आवश्यक दस्तावेज कब्जे में लेकर जोसे थामस पुत्र थामस लुकेस निवासी न्यू पाटलिपुत्र कॉलोनी, पटना (बिहार) को हिरासत में लेकर थाने ले लाई थी।

बाराबंकी में तस्कर गिरफ्तार, करोड़ों की हेरोइन बरामद

बाराबंकी। जिले की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 507 ग्राम मादक पदार्थ (हेरोइन) बरामद की है, जिसकी अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ दो लाख रुपये हैं। एएनटीएफ थाना प्रभारी अयनुद्दीन ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात को लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके से तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान ठाकुरगंज के मोहल्ला गऊ घाट निवासी राहुल रावत के रूप में हुई है। उसके पास से 507 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन, एक स्कूटी व एक एंड्रॉयड फोन और 1120 रुपये बरामद हुए हैं।

पकड़े गए शातिर तस्कर से पूछताछ में बताया कि वह काफी समय से मादक की तस्करी का कार्य कर रहा है।

परिवार में सकारात्मक और संस्कारित वातावरण होना बच्चों में बेहतरी के लिए आवश्यक : आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कम्प्यूटर लैब एवं वेबसाइट का किया लोकार्पण

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को लखनऊ स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, अर्जुनगंज में कम्प्यूटर लैब तथा विद्यालय की वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कम्प्यूटर लैब का अवलोकन कर विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने विद्यालय को सुविधाओं से सुसज्जित करने वाले महानुभावों को स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त कर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा में किया गया योगदान सर्वश्रेष्ठ दान है और समाज के ऐसे दानवीरों का सम्मान किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत 'बाल रामायण' एवं 'ब्रज की होली' की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि नन्हे-मुन्ने बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें छोटी आयु से ही शिक्षा, संस्कार एवं अनुशासन प्रदान करना विद्यालयों का दायित्व है, जिसे विद्या भारती अच्छी तरह निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, परंपरा, रामायण एवं महाभारत तथा हमारे ऋषि-मुनियों के वैज्ञानिक योगदान के विषय में छोटे बच्चों को घरों में भी जानकारी दी जानी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आधुनिक शिक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अध्ययन आवश्यक है, किंतु इसके साथ ही हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत व परंपरा को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत निरंतर प्रगति कर रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने गुजरात में विद्या भारती के विद्यालयों में किए गए अपने विकास कार्यों के अनुभव साझा किया तथा शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती के उत्कृष्ट व उल्लेखनीय कार्यों को बताया। उन्होंने विद्या भारती के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों को संस्कार देते रहिए, आगे बढ़ाते रहिए। उन्होंने कहा कि जीवन वह है जो किसी का हाथ पकड़े और आगे बढ़ाए। राज्यपाल ने बालगृहों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि लखनऊ स्थित बालगृह को जन भवन द्वारा गोद लिया गया है और उनकी शिक्षा एवं कौशल विकास की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि घरों में आत्मचिंतन करने की जरूरत है तथा पुत्र एवं पुत्री दोनों पर समान ध्यान दिया जाना चाहिए। राज्यपाल ने बताया कि आशुतोष राणा द्वारा कैकेयी पर आधारित पुस्तक से प्रेरणा मिलती है कि किसी भी निर्णय के पीछे गहरी सोच और व्यापक दृष्टिकोण हो सकता है। नारी शक्ति, आत्मविश्वास, धैर्य और विपरीत परिस्थितियों में भी दूरदर्शिता बनाए रखने का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है।

जर्मनी की कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश का दिया भरोसा

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी में कई कंपनियों के शीर्षस्थ से की मुलाकात

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश बढ़ाने को लेकर योगी सरकार लगातार प्रयास कर रहीहै। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को फ्रैंकफर्ट शहर में जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन्हें राज्य में निवेश का आमंत्रण दिया। वार्ता के दौरान निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में निवेश का भरोसा दिया है। सोमवार को राज्य सरकार की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक उपमुख्यमंत्री मौर्य ने सिल्के सिक्टर (जेडव्हीईआई - ग्लोबल अफ़ेयर्स एवं इकोनॉमिक्स, इंडो-पैसिफिक एवं चाइना अफ़ेयर्स) तथा मार्कस शाइबॉल सीईओ, ईए इलेक्ट्रो ऑटोमेटिक जीएमबीएच से निवेश पर चर्चा की। दोनों निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में निवेश का भरोसा दिया। वार्ता के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल को उत्तर प्रदेश की मजबूत हो रही अर्थव्यवस्था से अवगत कराया। मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश 25 करोड़ उपभोक्ताओं का बड़ा बाजार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य भारत की तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था का मुख्य केंद्र है। उत्तर प्रदेश वैश्विक गंतव्य के रूप में तेजी से स्थापित हो रहा है। दोनों प्रतिनिधिमंडल ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफ़ेक्चरिंग के क्षेत्र में भारत-जर्मनी साझेदारी को और

सिंगापुर में कौशल सहयोग को नई उड़ान, आईटीई कॉलेज सेंट्रल में एमओयू के साक्षी बने मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को सिंगापुर दौरे के पहले दिन आईटीई कॉलेज सेंट्रल में आयोजित कार्यक्रम में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को सशक्त बनाने से जुड़े समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर के साक्षी बने। यह पहल उत्तर प्रदेश के तेजी से विस्तारित हो रहे बुनियादी ढांचे और रोजगार तंत्र को वैश्विक मानकों के अनुरूप कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अपने सिंगापुर दौरे के पहले दिन सोमवार को मुख्यमंत्री योगी ने कॉलेज परिसर और एविएशन हब का निरीक्षण किया तथा उद्योगों के साथ एकीकृत प्रशिक्षण के वैश्विक मॉडल को ध्यान से देखा। उन्होंने प्रशिक्षण सुविधाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं और व्यावहारिक शिक्षा प्रणाली की सराहना की। मुख्यमंत्री ने आईटीई एजुकेशन सर्विसेज (आईटीईईएस) के साथ विस्तृत बैठक कर तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास के क्षेत्र में अनुभव, विशेषज्ञता और प्रशिक्षण मॉडल को साझा करने तथा मिलकर काम करने पर बातचीत की। उन्होंने सिंगापुर की आईटीई संस्था को उत्तर प्रदेश के साथ स्पष्ट और केंद्रित सहयोग के लिए आमंत्रित किया, जिसमें एविएशन, डेटा सेंटर संचालन और मेक्ट्रॉनिक्स (मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक तकनीक का संयोजन) जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा का समापन उपभोक्ताओं को मिलीं व्यापक सहूलियतें

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की ओर से 9 फरवरी से शुरू किया गया स्मार्ट मीटर पखवाड़ा 23 फरवरी को सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस दौरान लखनऊ, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत में व्यापक स्तर पर उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन 25 उपखंडों पर सहायता केंद्र स्थापित किए गए। लखनऊ में करीब 4700, बरेली में 3200, शाहजहांपुर में 2357, पीलीभीत में 1132 और बदायूं में करीब 2700 उपभोक्ताओं ने सहायता केंद्रों पर पहुंचकर स्मार्ट मीटर से जुड़ी जानकारी प्राप्त की और अपनी समस्याओं का समाधान कराया। जागरूकता पखवाड़ा के दौरान उपभोक्ताओं को कई प्रकार की सहूलियतें प्रदान की गईं। हेल्प डेस्क के साथ-साथ उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली, रिचार्ज प्रक्रिया और बिलिंग प्रणाली की जानकारी दी गई।

उपभोक्ताओं के मोबाइल फोन में यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप इंस्टॉल कराकर उन्हें बिजली खपत की रियल टाइम, मॉनिटरिंग और ऑनलाइन रिचार्ज की सुविधा से अवगत कराया गया। स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों को मौके पर ही सुना और निस्तारित किया गया। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि जागरूकता अभियान के दौरान स्मार्ट मीटर के फायदे विस्तार से बताए गए, जिसकी उपभोक्ताओं में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। चैक मीटर के माध्यम से पारंपरिक मीटरों की तुलना कर स्मार्ट मीटर की पारदर्शी और सटीक कार्यप्रणाली भी समझाई गई। निगम ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने अपने घरों में स्मार्ट मीटर लगवाकर इस सुविधा का लाभ उठाएं और डिजिटल व्यवस्था को अपनाने में सहयोग करें। उत्तर प्रदेश में 3 करोड़ 9 लाख 78 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर इंस्टॉल किए जाने हैं। जिनमें से 83 लाख 92 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर इंस्टॉल किए जा चुके हैं।

इसलिए जरूरी है स्मार्ट मीटर

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को वास्तविक समय की बिजली खपत की जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे वे अपनी खपत पर नजर रख सकते हैं और ऊर्जा की बचत कर सकते हैं। इस स्मार्ट मीटर से गलत बिजली बिल की संभावना नहीं रहती है। उपभोक्ताओं को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी खपत पर नजर रखने की सुविधा मिलती है, साथ ही बिजली कटौती की जानकारी भी पहले से मिल जाती है। इसके साथ ही स्मार्ट मीटर में लोड मैनेजमेंट की सुविधा भी है, जो अधिक बिजली खपत होने पर उपभोक्ताओं को अलर्ट कर देती है। रिचार्ज की प्रक्रिया को अब और भी तेज कर दिया गया है, ऐप में लॉगिन करते ही आपको 'घ्थभ गधब' या 'टद्ददद्धथन्दद्द' का विकल्प दिखेगा। अपना अकाउंट नंबर सुनिश्चित करें और वह राशि (इद्धधफ्द्ध्र) भरें जितने का आप रिचार्ज करना चाहते हैं।

लखनऊ में 24 फरवरी से विशेष प्रदर्शनी, डाक टिकटों से जानिए जनगणना की कहानी

राजकीय अभिलेखागार में लगेगी 'गिनती में आओ' प्रदर्शनी, 28 फरवरी तक होगा खास आयोजन

डाक अभिलेखों के जरिए सामने आएगा जनगणना का अनोखा सफर : जयवीर सिंह

लखनऊ, 23 फरवरी (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार की ओर से एक खास प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का विषय 'गिनती में आओ' भारत में जनगणना का डाक इतिहास है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा छात्र, शोधार्थी और आम लोग इन ऐतिहासिक दस्तावेजों से जुड़ें और देश के इतिहास को बेहतर तरीके से समझें। यह प्रदर्शनी 24 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे शुरू होगी, जिसका उद्घाटन शीतल वर्मा (निदेशक, जनगणना संचालन एवं नागरिक पंजीकरण) करेंगी। प्रदर्शनी 28 फरवरी तक राजधानी लखनऊ के महानगर विस्तार स्थित शहीद स्मारक भवन में लगेगी। यह प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक सभी लोगों के लिए खुली रहेगी। इस प्रदर्शनी की खास बात यह है कि इसमें डाक टिकटों, पोस्टमार्क, पुराने पत्रों और अन्य डाक रिकॉर्ड के जरिए भारत की जनगणना की कहानी दिखाई जाएगी। आमतौर पर लोग जनगणना को सिर्फ आंकड़ों से जोड़कर देखते हैं, लेकिन यहां बताया जाएगा कि इसमें डाक विभाग की कितनी अहम भूमिका रही है। आजादी के बाद जनगणना से जुड़ी जानकारी लोगों तक पहुंचाने, प्रशिक्षण सामग्री भेजने और सरकारी संवाद में डाक विभाग ने बड़ा योगदान दिया।

इस आयोजन पर अपने विचार प्रकट करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि जनगणना सिर्फ आंकड़ों का काम नहीं है, बल्कि यह देश के विकास की बुनियाद है और डाक टिकटों एवं पुराने अभिलेखों के माध्यम से जनगणना के इतिहास को समझने का यह एक अनोखा प्रयास है। इससे नई पीढ़ी को यह जानने का मौका मिलेगा कि देश में जनगणना कैसे की जाती थी और इसमें डाक विभाग की क्या अहम भूमिका रही। इस प्रदर्शनी का संयोजन अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफ़ेसर डॉ. विकास कुमार ने किया है।

जागरण मोर्चा
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराहा मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र0) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजीमार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र0) से प्रकाशित ।
सम्पादक
योगेश कुमार वर्मा
मो0- 7579849555,9627739857
E-mail:
www.jagranmorchadaily@gmail.com
RNI.No.-UPHIN/2022/82743
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा ।

सुप्रीम कोर्ट को संविधान और कानूनों का मतलब निकालने का अधिकार नहीं: एफसीसीपी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के संघीय संवैधानिक न्यायालय (एफसीसीपी) ने फैसला सुनाया है कि 27वें संविधान संशोधन के बाद देश के उच्चतम न्यायालय के पास अब संविधान और कानूनों का मतलब निकालने का अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति आमिर फारूक ने यह अहम फैसला सुनाते हुए साफ किया कि 27वें संविधान संशोधन से पहले उच्चतम न्यायालय के पास संविधान और कानूनी नियमों का मतलब निकालने का अधिकार था। अब यह अधिकार सिर्फ संघीय संवैधानिक न्यायालय के पास है।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार संघीय संवैधानिक न्यायालय ने यह भी कहा कि वह कानून की संवैधानिक वैधता की भी समीक्ष कर सकता है और उसे मतलब निकालने से जुड़े किसी भी मामले के रिकॉर्ड तलब करने का अधिकार है। यह फैसला एक सेल्स टैक्स केस के संदर्भ में आया है। न्यायमूर्ति फ़ारूक ने इस बात पर ज़ोर दिया कि 27वें संशोधन ने कानूनी मतलब निकालने और कानून की समीक्षा करने की उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को असरदार तरीके से हटा दिया है। इस फैसले को पाकिस्तान के न्यायिक इतिहास में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

इससे पहले 11 फरवरी को संघीय संवैधानिक न्यायालय ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय को डॉ. आफिया सिद्दीकी केस में प्रधानमंत्री और संघीय मंत्रियों के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई शुरू करने से रोक दिया था। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में नवंबर 2025 में 27वां संविधान संशोधन पारित हुआ था। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने 13 नवंबर 2025 को इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे।

बांग्लादेश में ले. जनरल मुशफिकुर रहमान ने आर्म्ड फोर्सेज डिवीजन के पीएसओ का चार्ज संभाला

ढाका। बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल मीर मुशफिकुर रहमान ने आज आर्म्ड फोर्सेज डिवीजन (एएफडी) के प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर (पीएसओ) का पद संभाला। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने उन्हें लेफ्टिनेंट जनरल रैंक का बैज प्रदान किया । बांग्लादेश की आधिकारी न्यूज एजेंसी बीएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, इस मौके पर चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल वकर-उज-जमान, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल एम नजमुल हसन और चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान मौजूद रहे। लेफ्टिनेंट जनरल मीर मुशफिकुर रहमान को 21 जून, 1991 को बांग्लादेश आर्मी में कोर ऑफ इन्फेंट्री में कमीशन मिला। उन्होंने आर्मी में कई अहम पदों पर काम किया, जिसमें 24 डिवीजन के जीओसी, मिलिट्री सेक्रेटरी और डायरेक्टरेट जनरल डिफेंस परचेस में डायरेक्टर जनरल शामिल हैं।

नासा ने हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से खोजी डार्क मैटर से बनी घोस्ट गैलेक्सी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की अंतरिक्ष अन्वेषण, वैमानिकी अनुसंधान और नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सरकारी एजेंसी राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) यानी नासा के खगोलविदों ने हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से डार्क मैटर से बनी भूतिया आकाशगंगा (घोस्ट गैलेक्सी) का पता लगाया है। यह 99 प्रतिशत डार्क मैटर से बनी है। खगोलविदों का दावा है कि यह रहस्यमयी आकाशगंगा में से एक 'सीडीजी-2' है। नासा ने इस उपलब्धि का विवरण अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया है। इसमें कहा गया है कि हबल स्पेस टेलीस्कोप से ली गई इस तस्वीर में दिखाई गई कम सतह वाली गैलेक्सी सीडीजी-2 में डार्क मैटर ज्यादा है और इसमें तारों का बहुत कम बिखराव है। यह गैलेक्सी लगभग दिखाई नहीं देती, लेकिन एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल टेक्नीक का इस्तेमाल करके वैज्ञानिकों ने तारों के छोटे समूह (ग्लोबुलर क्लस्टर) की खोज करके इसकी पहचान की। राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, यह पृथ्वी से करीब 300 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर पर्सियस गैलेक्सी क्लस्टर में स्थित यह बेहद धुंधली आकाशगंगा सामान्य तारों से नहीं, बल्कि चार सघन ग्लोब्युलर क्लस्टर्स के जरिए पहचानी गई। शुरुआती आकलन बताते हैं कि सीडीजी-2 की कुल द्रव्यमान का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डार्क मैटर है।

नासा के अनुसार ,आमतौर पर अधिकतर आकाशगंगा अरबों तारों

नेपाल के वीरगंज में सांप्रदायिक दंगा की आशंका, अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा

एजेंसी

काठमांडू,। भारतीय सीमा से सटे बीरगंज शहर में आज दोपहर से अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। शहर में सुबह से दो समुदाय के सांप्रदायिक दंगा फैलने की आशंका में कर्फ्यू लगाया गया है।

पुलिस के अनुसार बीती रात को बीरगंज के श्रीपुर इलाके में पार्किंग विवाद के बाद एक हिंदू युवक के ऊपर मुस्लिम बहुल इलाके में तलवार से प्रहार करने के बाद दोनों समुदाय के बीच झड़प हो गई थी, जिसके बाद उस इलाके में कई घंटे तक झड़प होती रही। स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए जिला प्रशासन को आखिरकार सेना को उतारना पड़ा। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक युवक अपनी मोटरसाइकिल पार्किंग कर रहा था, तभी कुछ मुस्लिम लड़के आकर उसके साथ पहले तो गाली गलौज किया। इसका विरोध करने के बाद उस पर तलवार से प्रहार कर दिया। घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना की प्रतिक्रिया में शहर के कई स्थानों पर हिंदू समुदाय ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद शहर में तनाव बढ़ गया। जगह-जगह पर पुलिस के साथ हिंसक झड़प की भी घटना होने की जानकारी मिली है। इस घटना के विरोध में आज सुबह से ही जगह-जगह प्रदर्शन शुरू हो गया। पूरे शहर में सांप्रदायिक तनाव का माहौल बना हुआ है। बीरगंज पुलिस के प्रवक्ता हरि बहादुर बस्नेत ने बताया कि शहर में साम्प्रदायिक दंगा फैलने की आशंका में अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू आदेश जारी किया गया है। बस्नेत के मुताबिक पूरे शहर में कर्फ्यू लगा गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोक जा सके। अभी तीन दिन तक रौतहट जिले के गौर में हिंदू मुस्लिम विवाद के बाद कर्फ्यू लगाया गया था, जो आज ही खोला गया। वहां आज प्रशासन की पहल पर सामूहिक सद्भाव रैली निकाली गई, जिसके बाद कर्फ्यू हटा दिया गया है।

नेपाल में बस हादसा, 18 यात्रियों की मौत, इनमें न्यूजीलैंड की महिला और पुरुष भी शामिल

काठमांडू। पोखरा से काठमांडू आ रही एक यात्री बस के त्रिशूली नदी में गिरने से छह महिलाओं और 12 पुरुषों की मौत की पुष्टि हुई है। हादसे में घायल 27 लोगों को बचाकर विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया है। मृतकों में विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। मृतकों में एक महिला तथा एक पुरुष न्यूजीलैंड के रहने वाले बताए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पृथ्वी राजमार्ग के अंतर्गत पोखरा से काठमांडू की ओर आ रही बस (नंबर-ग 1 ख 1421 नंबर) रात करीब एक बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग गांवपालिका स्थित भैंसेगौडा क्षेत्र से त्रिशूली नदी किनारे जा गिरी। बस सड़क से लगभग 300 मीटर नीचे गिरकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटनास्थल से नाव की मदद से यात्रियों को करीब एक किलोमीटर नीचे तक लाया गया, वहां से उन्हें ऊपर लाकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया।

मेक्सिको में ड्रग माफिया एल मेंचो की मौत के बाद हालात बिगड़े

अमेरिका और कनाडा ने नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श, उड़ानें रद्द

एजेंसी

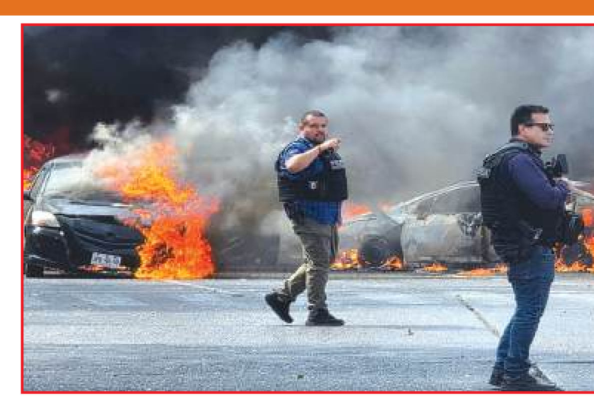

वाशिंगटन। मेक्सिको के कुख्यात ड्रग माफिया और जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) के सरगना नेमेसियो 'एल मेंचो' ओसेगुएरा सर्वेंटेस के रविवार को सैन्य अभियान मारे जाने के बाद हिंसा फैल गई है। बिगड़े हालात को देखते हुए अमेरिका और कनाडा अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी करते हुए उन्हें सुरक्षित जगहों पर रहने यानी 'शेल्टर-इन-प्लेस' की सलाह दी है। सीएनएन, सीबीएस और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि हिंसा के कारण ग्वाडलहारा और प्यूर्टो वालार्टा जैसे बड़े शहरों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। प्यूर्टो वालार्टा में टैक्सी और राइड-शेयर सेवाएं भी बंद कर दी गईं। कई व्यवसायों ने अस्थायी रूप से काम रोक दिया है।

अमेरिका ने खास तौर पर जलिस्को, तमाउलिपास, मिचोआकान, गुरेरो और न्यूवो लियोन राज्यों में मौजूद अपने नागरिकों और सरकारी कर्मचारियों को सतर्क रहने, भीड़ से दूर रहने, गैरजरूरी यात्रा न करने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है।

दरअसल, मेक्सिको की सेना ने रविवार को जलिस्को राज्य के तापाल्पा इलाके में एक बड़े ऑपरेशन के दौरान 59 वर्षीय एल मेंचो को घेर लिया था। इस दौरान मुठभेड़ में चार कार्टेल सदस्य मौके पर मारे गए। एल मेंचो गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। इस ऑपरेशन में मेक्सिको के तीन सैनिक भी घायल हुए। अमेरिका को एल मेंचो की लंबे समय से तलाश थी। अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी की जानकारी देने पर 15 मिलियन डॉलर (करीब 125 करोड़ रुपये) का इनाम घोषित था। उसकी मौत के बाद कार्टेल से जुड़े संदिग्ध लोगों ने कई जगह बसों में आग लगा दी।सड़कों को जाम कर दिया और सुरक्षा बलों से झड़पें कीं। इससे पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। हिंसा के बाद अमेरिकन एयरलाइंस और एयर कनाडा समेत कई एयरलाइंस ने प्यूर्टो वालार्टा के लिए उड़ानें रोक दीं। इससे कुछ पर्यटक कुछ समय तक फंसे रहे। अमेरिका के डिपार्टमेंट के कॉन्सुलर अफ़ेयर्स सेक्शन के एक्स पर जारी एक बयान में कहा गया, ''मेक्सिको के कई इलाकों में चल रहे बड़े पैमाने पर सिक्योरिटी ऑपरेशन और उससे जुड़ी रोड ब्लॉक और क्रिमिनल एक्टिविटी की वजह से नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित जगह पर रहना चाहिए।'' इसमें कहा गया, ''रोड ब्लॉक की वजह से एयरलाइन ऑपरेशन पर असर पड़ा है। ग्वाडलहारा और प्यूर्टो वालार्टा दोनों में कुछ डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट रद्द कर दी गई हैं।

नेपाल बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 19 पहुंची, 22 घायल काठमांडू लाए गए

काठमांडू। पोखरा से काठमांडू आ रही बस के धादिंग में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। काठमांडू में उपचार के दौरान एक यात्री की मौत हो गई है। इस दुर्घटना में घायल 22 यात्रियों को आगे के उपचार के लिए काठमांडू लाया गया है।

जिला पुलिस कार्याल के प्रवक्ता एवं डीएसपी पवन कुमार भट्टराई के अनुसार घायलों में से 12 का उपचार नेशनल ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है, जबकि 10 का इलाज नेशनल हॉस्पिटल कलंकी में किया जा रहा है। काठमांडू लाए गए 23 मरीजों में से एक की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान अभी तक पुष्टि नहीं हो सकी है। कलंकी के नेशनल हॉस्पिटल में नौ पुरुष और एक महिला का इलाज चल रहा है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान बॉर्डर पर 70 आतंकियों को मारने का दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमले में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि इस हमले में करीब 70 आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान के अंदर तीन इलाकों में सात आतंकवादी शिविरों और ठिकानों को निशाना बनाया।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि मारे गए ज्यादातर आतंकवादी पाकिस्तान के नागरिक हैं। यह लोग तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और दाएश-खोरासान जैसे बैन संगठनों से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान लंबे समय से आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। पाकिस्तान अपने नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद ने दशकों से लाखों अफगान शरणार्थियों को पनाह दी है और अपनी सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अफगानिस्तान को आर्थिक मदद दी है। चौधरी ने अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार पर 2020 के दोहा समझौते के तहत अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। चौधरी ने कहा, ''अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार अपने वादे पर खरी नहीं उतरी है और आतंकवाद को नहीं रोका है।'' मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने काबुल के साथ सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कई स्तर की बातचीत की। उन्होंने दावा किया कि यूनाइटेड नेशंस ने अफगानिस्तान में दो दर्जन से अधिक आतंकी संगठनों के सक्रिय होने की सूचना दी है। उल्लेखनीय है पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह ताजा तनाव खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुए हमलों के बाद इस्लामाबाद और काबुल के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ है।